THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 204 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) शरद पूर्णिमा 2081 बुधवार, 16 अक्टूबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

विपक्षी सांसदों ने ओम बिरला को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कई विपक्षी सांसदों ने मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर जेपीसी समिति की बैठक में आचार संहिता के घोर उल्लंघन का आरोप लगाया है। पत्र में सांसदों ने ओम बिरला के आग्रह किया है कि वो तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करे और समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को द्विदलीय होने के साथ-साथ संसदीय मानदंडों को बनाए रखने के उनके कर्तव्य की याद दिलाएंगे। विपक्षी सदस्यों की बात करें तो कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन, इमरान मसूद, डीएमके सांसद ए राजा, एम एम अब्दुल्ला, एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने पत्र में कहा कि समिति की कार्यवाही अध्यक्ष जगदंबिका पाल द्वारा पक्षपातपूर्ण तरीके से संचालित की गई।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को चुनाव

झारखंड में दो फेज में 13 और 20 नवंबर को वोटिंग, नतीजे 23 नवंबर को

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो गया है। महाराष्ट्र में सिंगल फेज में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं झारखंड में 2 फेज में 13 और 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। दोनों ही राज्यों के चुनाव नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को और झारखंड का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को खत्म हो रहा है। चुनाव आयोग ने मंगलवार दोपहर 3.30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस करके 14 राज्यों की 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान भी किया।

लोकसभा सीटों में केरल की वायनाड में 13 नवंबर और महाराष्ट्र के नांदेड़ में 20 नवंबर को

वोटिंग होगी। वहीं, 47 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर 20 नवंबर को मतदान होगा। सभी के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। महाराष्ट्र में 20-29 साल के 1.85 करोड़ वोटर्स, झारखंड में फर्स्ट टाइम वोटर्स 11.84 लाख।

ईसी ने ईवीएम पर फैक्ट के साथ जवाब दिया, प्रोसेस बताई :

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया, लोग पूछते हैं कि किसी देश में पेजर से ब्लॉस्ट कर देते हैं, तो ईवीएम क्यों नहीं हैक हो सकती। पेजर कनेक्टेड होता है भाई, ईवीएम नहीं। 6 महीने पहले ईवीएम की चेकिंग शुरू होती है। पोलिंग पर ले जाना, वोटिंग के बाद वापस लाना। हर एक स्टेज पर पॉलिटिकल पार्टी के एजेंट या कैंडिडेट मौजूद होते हैं। जिस दिन कमीशनिंग होती है, उस दिन बैट्री डाली जाती है।

वोटिंग से 5-6 दिन पहले कमिशनिंग होती है। इस दिन सिंबल डाले जाते हैं और बैट्री डाली जाती है। बैट्री पर भी एजेंट के दस्तखत डाले जाते हैं। स्ट्रॉग रूम में जाती है, यहां भी 3 लेवल की चेकिंग होती है। जिस दिन पोलिंग के लिए निकलेंगी, तब भी यही प्रोसेस होगी।

कोलकाता रेप-मर्डर, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा

टास्क फोर्स ने क्या किया : बंगाल सरकार बोली- वो सुझाव देना चाहती है, उन्हें 7800 अस्पतालों ने जानकारी दी

कोलकाता, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने रेप-मर्डर केस और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में सीबीआई को 3 हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है।

कोर्ट ने बंगाल सरकार से पूछा कि टास्क फोर्स ने इस मामले में अब तक क्या किया? इस पर सरकार ने जवाब दिया कि टास्क फोर्स को 7800 अस्पतालों ने जानकारी दी है। इसके आधार पर वो सुझाव देना चाहती है। कोर्ट ने राज्य के अस्पतालों में सिविक वॉलंटियर्स की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए। दरअसल, आरोपी संजय रॉय कोलकाता पुलिस के साथ वॉलंटियर के तौर पर जुड़ा था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले की आगे की सुनवाई दिवाली की छुट्टियों के बाद के लिए टाल दी है।

वहीं, घटना के विरोध में 5 अक्टूबर से जारी डॉक्टरों के आमरण अनशन का आज 10वां दिन है। 14 अक्टूबर को एक और डॉक्टर की हालत बिगड़ने के बाद उसे सीसीयू में भर्ती करवाया गया। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में 8 अगस्त की रात ट्रेनी डॉक्टर का रेप और मर्डर किया गया था। इसे लेकर डॉक्टरों ने 42 दिन तक देशभर में प्रदर्शन किया था।

पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से पूछा था कि आरजी कर में जांच प्रक्रिया कितनी आगे बढ़ी है। सीजेआई ने जांच के दायरे में आए लोगों के नामों की लिस्ट भी अदालत को सौंपने का भी निर्देश दिया था। 14 अक्टूबर को सीनियर एडवोकेट इंदिरा जय सिंह ने मांग की थी कि मामला गंभीर हो गया है, इसलिए इसकी जल्द सुनवाई की जाए। इस पर कोर्ट ने इसे लिस्टेड करने कहा था।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने डॉक्टरों की हड़ताल पर सवाल उठाते हुए कहा- यह किस तरह की भूख हड़ताल है? यह विरोध स्थल से शुरू होती है और अस्पताल में भर्ती होने के बाद खत्म होती है।

'हमारी सभ्यता के इतिहास को समझने में मदद करेगा समुद्री विरासत परिसर' : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) के विकास को मंजूरी दी थी। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर इसके बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि इस तरह की अवधारणा देश की सभ्यता के इतिहास को समझने में मदद करेगी तथा संस्कृति और पर्यटन की दुनिया में नए अवसर पैदा करेगी।

पीएम मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर विकसित करने के निर्णय को "दिलचस्प" करार दिया। उन्होंने कहा, इस तरह की अवधारणा संस्कृति और पर्यटन की दुनिया में नए अवसर पैदा करेगी। भारत संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्रों में अधिक भागीदारी का आह्वान करता है।

पीएम मोदी ने पोस्ट के साथ

अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिंक्डइन का लिंक शेयर किया जहां उन्होंने एक पोस्ट में कहा है कि पिछले सप्ताह केंद्रीय मंत्रिमंडल ने लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के निर्माण को मंजूरी दे दी! मुझे इसके बारे में आपको बताते हुए खुशी हो रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अहमदाबाद के पास स्थित लोथल दुनिया का सबसे पुराना डॉकयार्ड है। एक समय में यह सभ्यताओं, विचारों और व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र था। यहां की खुदाई से लोथल के महत्वपूर्ण समुद्री केंद्र होने के सबूत मिले हैं। हजारों साल पहले बनाए गए इन डॉक्स में हमारे पूर्वजों की सृजनात्मकता और तकनीकी क्षमता का प्रमाण दिखाई देता है। इसकी एडवांस इंजीनियरिंग और शहरी योजना आधुनिक दर्शकों को हैरान कर देती है और हमारे अतीत की महानता के दर्शन कराती है।

उन्होंने आगे कहा, अफसोस की बात है कि आजादी के बाद के दशकों में हमने अपने इतिहास के कई पहलुओं और कई ऐतिहासिक स्थलों को नजरअंदाज कर दिया, जिससे हमारा समृद्ध अतीत हमारी यादों से ओझल हो गया। हालांकि, पिछले दस साल में इस ट्रेंड में बदलाव आया है।

इस प्रकार, इसी भावना से हमारी सरकार ने एक जीवंत राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर बनाने का निर्णय लिया है, जो हमारी सभ्यता के इतिहास की समझ को बढ़ाने में मदद करेगा। यह नया प्रोजेक्ट निश्चित रूप से इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के बीच उत्साह जगाएगा।

कांग्रेस की ओर से ईवीएम पर लगाए गए आरोपों का चुनाव आयोग ने किया खंडन

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम को लेकर कांग्रेस की ओर से ईवीएम पर लगाए गए आरोपों का चुनाव आयोग ने खंडन किया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि हर बार चुनाव के बाद ईवीएम को लेकर नए-नए आरोप सामने आते हैं। इस बार भी बैटरी को लेकर आरोप लगाया गया। अगली बार कुछ और आएगा। चुनाव आयुक्त बोले कि कभी कहा जाता है ईवीएम हैक हो जाती है, तो कभी कहा जाता है कि यह पेजर की तरह ब्लास्ट हो सकती है। जबकि हम हर बार आरोपों का खंडन करते हैं। इस दौरान उन्होंने ईवीएम और उसकी बैटरी को लेकर पूरी जानकारी साझा की। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि हमें हरियाणा की 20 विधानसभाओं को लेकर शिकायत मिली है।

नासा ने बृहस्पति के चांद यूरोपा पर स्पेसक्राफ्ट भेजा

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बृहस्पति ग्रह के चांद यूरोपा पर जीवन की संभावना की तलाश करने के लिए नासा ने सोमवार को यूरोपा क्लिपर स्पेसक्राफ्ट लॉन्च किया। स्पेसक्राफ्ट को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के फाल्कन हैवी रॉकेट से लॉन्च किया गया।

यह मिशन 6 साल का होगा और इस दौरान स्पेसक्राफ्ट करीब 3 अरब किलोमीटर का रास्ता तय करेगा। यूरोपा क्लिपर 11 अप्रैल 2030 में बृहस्पति की कक्षा में दाखिल होगा। इसके बाद 4 साल में यह 49 बार यूरोपा चांद के करीब से गुजरेगा। वैज्ञानिकों को लगता है कि बृहस्पति के चांद की बर्फीली सतह के नीचे पानी के समुद्र है, जो इस उपग्रह को रहने लायक बना सकते हैं। यूरोपा क्लिपर स्पेसक्राफ्ट पर कई सोलर पैनल लगे हैं।

यह किसी दूसरे ग्रह की जांच के लिए नासा की तरफ से बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा स्पेसक्राफ्ट है। इसका साइज एक बास्केटबॉल कोर्ट से भी बड़ा है। इस मिशन पर नासा ने 43 हजार करोड़ रुपये खर्च किए हैं। स्पेसक्राफ्ट यूरोपा चांद की जांच के लिए अपने साथ 9 उपकरण लेकर गया है। इनमें कैमरा, स्पेक्ट्रोमीटर, मैग्नेटोमीटर और रडार शामिल हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक बृहस्पति के चांद पर मौजूद समुद्र की गहराई का पता लगाया जाएगा। इसके अलावा वे यूरोपा की सतह पर जीवन के लिए जरूरी दूसरी चीजों की मौजूदगी भी तलाशेंगे। साथ ही वे चांद की सतह पर मैग्नेटिक फील्ड को भी चेक करेंगे।

1979 में वॉयजर 2 मिशन बृहस्पति के करीब से गुजरा था। तब उसने यूरोपा चांद की कुछ तस्वीरें ली थीं। इनमें चांद पर कुछ गड्ढे और क्रेटर दिखे थे, जिसे जियोलॉजिकल प्रोसेस की संभावना के तौर पर देखा गया था। 1996 में नासा के गैलीलियो स्पेसक्राफ्ट ने यूरोपा की मैग्नेटिक फील्ड की जांच की थी। तब यूरोपा पर खारे पानी होने के संकेत मिले थे। अमेरिका के प्लैनेटरी साइंस इंस्टीट्यूट ने वैज्ञानिक टॉम मैक्कॉर्ड ने बताया कि यूरोपा क्लिपर मिशन की प्लानिंग 1995 में शुरू की गई थी।

इससे पहले पिछले साल 14 अप्रैल को यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) ने बृहस्पति के यूरोपा चांद पर जीवन की संभावना तलाशने के लिए जूस मिशन लॉन्च किया था।

फ्रीबीज पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र और ईसी को नोटिस

मुफ्त की योजनाओं के वादे को रिश्वत घोषित करें, इस पर रोक लगे

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजनीतिक दलों के द्वारा चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाओं के वादों पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई डीवाई चंद्रचुड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है।

कर्नाटक के शशांक जे श्रीधर ने याचिका में चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा किए गए मुफ्त योजनाओं के वादे को रिश्वत घोषित करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट से यह भी मांग की गई है कि चुनाव आयोग ऐसी योजनाओं पर फौरन रोक लगाए। कोर्ट ने पुरानी याचिकाओं के साथ आज की याचिका को सुनवाई के लिए मर्ज कर लिया।

श्रीधर के वकील विश्वदित्य शर्मा और बालाजी श्रीनिवासन ने याचिका में कहा- 'चुनाव के बाद फ्रीबीज की योजनाओं को पूरा करने का कोई मैकेनिज्म नहीं है, जिस पर वोट हासिल किए गए थे। मुफ्त योजनाएं और कैश देने के वादे जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत रिश्वत देकर वोट देने के लिए प्रेरित करने की भ्रष्ट प्रथा है।' याचिकाकर्ता ने कहा कि, 'राजनीतिक दल ऐसी योजनाओं को कैसे पूरा करेंगे, यह नहीं बताते। इससे सरकारी खजाने पर बेहिसाब बोझ पड़ता है। यह वोटर्स और संविधान के साथ धोखाधड़ी है। इसलिए इस पर रोक के लिए तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए।'

याचिकाकर्ता शशांक जे श्रीधर के वकील बालाजी श्रीनिवासन ने सोमवार (14 अक्टूबर) को सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की बेंच के सामने इस मामले को उठाया था। उन्होंने कहा कि विधानसभा या आम चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों का फ्री योजनाओं का वादा करना जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत रिश्वत या वोट के लिए प्रलोभन माना जाए।

बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय फ्रीबीज के खिलाफ एक जनहित याचिका लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। अपनी याचिका में उपाध्याय ने चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों के वोटर्स से फ्रीबीज या मुफ्त उपहार के वादों पर रोक लगाने की अपील की। इसमें मांग की गई है कि चुनाव आयोग को ऐसी पार्टियां की मान्यता रद्द करनी चाहिए।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के बाद लॉरेंस का वीडियो वायरल, जवानों को दिवाली की शुभकामनाएं

शायरी भी सुनाई; जांच में 4 साल पुरानी निकली बात

जालंधर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई में एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया है। इस समय गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसी बीच लॉरेंस बिश्नोई का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वह जेल के अंदर से तीन मिनट लंबी शायरी सुनाते हुए दिवाली की शुभकामनाएं दे रहा है। उक्त वीडियो करीब तीन मिनट 23 सेकंड का है।

उक्त वीडियो की पड़ताल की गई तो पता चला कि उक्त वीडियो करीब चार साल पुराना है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक उक्त वीडियो पंजाब की किसी जेल से बनाया गया है। हालांकि दैनिक भास्कर इसकी पुष्टि नहीं करता है। जिसे जेल से बनाया गया था। वीडियो में वह शहीदों को श्रद्धांजलि देते और जवानों को दिवाली की शुभकामनाएं देते नजर आ रहा है।

वीडियो में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने कहा- जय शहीदों की, दीवाली की मेरी तरफ से सभी को बहुत बहुत शुभकामनाएं। जिसके बाद लॉरेंस उक्त वीडियो में कान में हैडफोन्स लगाकर शायरी बोलने लगा। शायरी थी कि सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजूए कातिल में है। लॉरेंस द्वारा करीब तीन मिनट लंबी शायरी बोली गई। उसने बताया कि ये लाइनें अमर शहीद श्री राम प्रसाद बिसमिल द्वारा लिखी गई थी।

तब वह जेल में बंद थे। तब उन्हें फांसी की सजा हो गई थी। उन्होंने अपने खून से ये शायरी लिखी थी। आगे लॉरेंस ने कहा- सभी शहीदों को मेरी तरफ से कोटी कोटी प्रणाम। पूरे हिंदुस्तान के फौजियों को भी प्रणाम और दीवाली की बधाई।

पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मास्टरमाइंड कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस का 17 सेकेंड का वीडियो कॉल पाकिस्तान के कुख्यात डॉन शहजाद भट्टी के साथ वायरल हुआ ता। लॉरेंस भट्टी को ईद की बधाई देते नजर आ रहा था। माफिया शहजाद भट्टी पाकिस्तान में हत्या, जमीन विवाद, हथियारों की तस्करी सहित कई संगीन मामलों में नामजद है।

मंडी मस्जिद को ध्वस्त के आदेश पर रोक

एमसी कमिश्नर ने दिए थे 30 दिन में हटाने के ऑर्डर; मुस्लिम पक्ष की याचिका पर राहत

मंडी, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की छोटी काशी मंडी की मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को हटाने के मामले में नया मोड़ आ गया है। नगर नियोजन विभाग के प्रधान सचिव देवेश कुमार ने नगर निगम आयुक्त मंडी के 13 सितंबर के उन आदेशों पर रोक लगा दी है, जिसमें MC आयुक्त ने मस्जिद की दो मंजिल हटाने के आदेश दिए थे।

इन आदेशों के बाद अब इस मामले में मुस्लिम पक्ष को फिलहाल कुछ राहत मिल गई है। आगामी आदेशों तक मस्जिद पर कोई कार्रवाई नहीं की जा सकेगी। मंडी मस्जिद मामले में अगली सुनवाई 20 अक्टूबर के बाद अब प्रधान सचिव टीसीपी के कोर्ट में होगी।

देवेश कुमार मंडी नगर निगम को ऑफिस रिकॉर्ड के साथ अपना पक्ष रखने के लिए कहा है। इस रिकार्ड के आधार मंडी मस्जिद को लेकर अंतिम फैसला होगा। प्रधान सचिव ने यह आदेश मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के बाद दिए।

प्रधान सचिव की कोर्ट में सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष ने अवैध निर्माण की बात को नकारा और कहा, 2013 में बारिश के कारण मस्जिद का मुख्य हिस्सा गिरा था, जिसे अगस्त 2023 को फिर से बनाया है। मुस्लिम पक्ष ने कहा, आयुक्त कोर्ट ने उनका पक्ष नहीं सुना और फैसला सुना दिया।

मुस्लिम पक्ष की दलीलों के अनुसार 1936 से मस्जिद 478 नंबर खसरा में स्थित थी, जबकि 1962 में राजस्व रिकार्ड में बदलाव के बाद मस्जिद खसरा नंबर 1280, 2216 व 2117 में 300.53 स्कवेयर मीटर और खसरा नंबर 2218 से 2221 तक 85.6 वर्ग मीटर पर है, जो कि कुल 386.19 वर्ग मीटर बनता है और यह क्षेत्र अहले इस्लाम के नाम से दर्ज है। लगभग 100 वर्षों से अधिक समय इसी जगह पर है।

बता दें कि नगर निगम आयुक्त मंडी एचएस राणा ने बीते 13 सितंबर को मंडी के जेल रोड में बनी मस्जिद ती दो मंजिल 30 दिन के भीतर हटाने के आदेश दिए थे। यहां पर मुस्लिम समुदाय ने तीन मंजिला मस्जिद बना दी थी।

आज जम्मू-कश्मीर सीएम की शपथ लेंगे उमर अब्दुल्ला

एलजी ने सरकार बनाने का न्योता दिया; प्रदेश से 6 साल बाद राष्ट्रपति शासन हटा

श्रीनगर/नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में 16 अक्टूबर को नई सरकार का गठन होगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला श्रीनगर में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

समारोह सुबह 11:30 बजे आयोजित किया गया। उमर को 10 अक्टूबर को हुई बैठक में विधायक दल का नेता चुना गया था। उन्होंने 11 अक्टूबर को राजभवन जाकर एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बडगाम दो सीटों से चुनाव जीते हैं। वह गांदरबल सीट बरकरार रख सकते हैं। कुपवाड़ा से चुनाव हारने वाले नासिर असलम वानी बडगाम सीट से फिर से चुनाव लड़ेंगे।

वहीं, नई सरकार के गठन से पहले रविवार देर रात प्रदेश से राष्ट्रपति शासन हटाने का आदेश जारी किया गया। गृह मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने नए मुख्यमंत्री की शपथ के तुरंत पहले राष्ट्रपति शासन खत्म करने का आदेश जारी किया है।

बीच सड़क दो भाइयों पर चाकू से हमला, एक की मौत

बाइक सवार तीन युवकों को ठीक से गाड़ी चलाने को कहा था

दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के हर्ष विहार इलाके में बीच सड़क पर दो भाइयों पर चाकू से कई वार किए गए। इसमें बड़े भाई की मौत हो गई। छोटा भाई जख्मी है। घटना 12 अक्टूबर की है। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर का रहने वाला मृतक अंकुर अपने छोटे भाई हिमांशु के साथ दशहरा मेले से लौट रहा था। दोनों भाई एक बाइक से टकराने से बाल-बाल बचे। बाइक पर तीन युवक सवार थे। अंकुर और हिमांशु ने उन्हें ठीक से बाइक चलाने के लिए कहा, जिससे युवक भड़क गए। तीनों आरोपियों ने मिलकर अंकुर और हिमांशु की पिटाई शुरू कर दी। इसके बाद एक युवक ने चाकू निकाला और दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। आरोपी ने अंकुर के सीने, पेट और जांघ पर चाकू के कई वार किए। हिमांशु की गर्दन और जांघ पर हमला किया। हिमांशु अपने बड़े भाई अंकुर को ई-रिक्शा से पास के अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें तीन लोग भीड़भाड़ वाली सड़क पर दोनों भाइयों पर हमला करते दिख रहे हैं। हमले के बाद तीनों बाइक पर बैठकर वहां से निकल गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से तीनों आरोपियों की पहचान कर ली है। 22 साल के युवक विकास को गिरफ्तार भी किया गया है। दो आरोपी अभी फरार हैं। युवकों की बाइक भी बरामद कर ली गई है।

मुंबई में शख्स की मॉब लिंचिंग

मां ने बचाने की कोशिश की तो भीड़ ने उन्हें भी मारा

पत्नी का मिसकैरिज, पिता की आंख डैमेज

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में मॉब लिंचिंग की घटना सामने आई है। मलाड ईस्ट में 27 साल के व्यक्ति को 10-15 लोगों ने उसके परिवार के सामने पीट-पीटकर मार डाला। घटना 12 अक्टूबर की है। सोमवार को घटना का वीडियो वायरल हुआ। ओवरटेकिंग को लेकर उसकी एक ऑटो ड्राइवर से बहस हो गई, जिसके बाद कई ऑटो ड्राइवरों और स्थानीय दुकानदारों ने उससे मारपीट की।

विक्टिम की मां उसे बचाने के लिए उसके ऊपर लेट गईं, तो भीड़ ने उन्हें भी लातें मारीं। वहीं, मारपीट में विक्टिम की पत्नी का मिसकैरिज हो गया। विक्टिम के पिता ने भीड़ को रोकने की कोशिश की, तो उन्हें आंख में चोट आई। इससे उनकी बाईं आंख परमानेंट डैमेज हो गई।

दशहरे पर कार खरीदने जा रहा था परिवार

शुरुआती जानकारी के मुताबिक विक्टिम महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) का मेंबर था। उसका नाम आकाश मैने बताया जा रहा है। वह 12 अक्टूबर को दशहरे पर अपने परिवार के साथ नई कार खरीदने जा रहा था, तभी यह घटना हुई। मलाड रेलवे स्टेशन के पास एक ऑटो ने उसकी कार को ओवरटेक किया, जिसके चलते एक रिक्शा ड्राइवर और आकाश के बीच कहासुनी हो गई।

विवाद बढ़ने के बाद रिक्शा ड्राइवर ने अपने दोस्तों और स्थानीय दुकानदारों के साथ मिलकर आकाश पर हमला कर दिया। वे लोग आकाश को लगातार लातें मारते रहे। इससे उसे गंभीर चोटें आईं। उसे एक अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां आकाश ने दम तोड़ दिया।

पुलिस ने 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया

इस घटना को लेकर डिंडोशी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा कि मुंबई के गोरेगांव में ओवरटेकिंग को लेकर झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर एक कोर्ट में पेश किया गया जहां से उन्हें 22 अक्टूबर तक के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया।

हैदराबाद के इंजीनियर के घर चोरी

कार बाजार दुकान में भी घुसे चोर, पुलिस जांच में जुटी

इंदौर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर के तिलक नगर में रहने वाले हैदराबाद की निजी कंपनी में पदस्थ इंजीनियर के यहां चोरी की वारदात हो गई। उनके घर में 2 साल से ताला लगा हुआ था। पड़ोसी ने उन्हें चोरी की जानकारी दी थी। वहीं चोरी की दूसरी वारदात लसूड़िया इलाके में हुई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है। तिलक नगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अनंत श्रीनिवास की शिकायत पर अज्ञात चोरों पर केस दर्ज किया गया है। अनंत ने बताया कि, वह वर्तमान में हैदराबाद (तेलंगाना) में रहता है। निजी कंपनी में नौकरी करता है। अक्टूबर 2022 में वंदना नगर एक्सटेंशन स्थित अपने घर में ताला लगाकर परिवार के साथ तेलगांना गए थे। 11 अक्टूबर को दोस्त उमेश वैष्णव ने कॉल कर बताया कि मेन गेट का ताला टूटा है। इसके बाद उन्हें अंदर जाकर देखने की बात कही ओर वीडियो मांगा, जिसमें पूरा सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद दूसरे दिन हैदराबाद से इंदौर के लिये निकला। यहां आकर सामान चेक किया तो बदमाशों ने पूरे घर का सामान खोल दिया था। जिसमें अलमारी में रखे कुछ पुराने आभूषण इसके साथ ही घर का इलेक्ट्रॉनिक सामान, बर्तन, बिस्तर और बाथरूम में लगे नल भी बदमाश चुराकर ले गए। इंजीनियर ने सोमवार थाने जाकर मामले में शिकायत की। लसूड़िया पुलिस ने राजीव जोशी की शिकायत पर चोरी के मामले में केस दर्ज किया है। राजीव ने बताया कि, वह तुलसी नगर में यशराज मोटर्स के नाम से कार खरीदने-बेचने का काम करते है। यही उनका ऑफिस है। सोमवार दोपहर आफिस पहुंचे तो स्टोर रूम का ताला टूटा हुआ था। जिसमें सामान बिखरा हुआ मिला। अंदर से 2 ड्रोन, 4 एलईडी,सीपीयू, लैपटॉप और कुछ नगदी रूपए गायब मिले। मामले में सीसीटीवी पुलिस को सौंपे है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष-नेता विपक्ष पर हुड्डा और सैलजा गुट में घमासान

हिसार, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में अच्छे माहौल के बावजूद हार से कांग्रेस में मचा घमासान थम नहीं रहा है। अब कांग्रेस में प्रदेश अध्यक्ष और नेता विपक्ष बनने के लिए घमासान मच गया है। हार के बाद प्रदेश कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया राहुल गांधी से इस्तीफे की पेशकश कर चुके हैं। इससे उदयभान पर प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ने और भूपेंद्र हुड्डा पर नेता विपक्ष पद पर दावा न करने का दबाव बढ़ गया है।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक हाईकमान फिर से सांसद कुमारी सैलजा को प्रदेश प्रधान बनाने पर विचार कर रहा है। इसी वजह ये है कि हार के बाद हुड्डा-उदयभान की जोड़ी अपने घरों में कैद हो गई है। वहीं सैलजा फील्ड में जाकर वर्करों को सांत्वना देती हुईं नजर आ रही हैं।इसके अलावा हरियाणा विधानसभा में नेता विपक्ष का पद भी उन्हीं के करीबी पूर्व सीएम भजनलाल के बेटे चंद्रमोहन को दिया जा सकता है।

इसे देखते हुए हुड्डा गुट भी एक्टिव हो गया है। हुड्डा गुट ने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए एससी चेहरे विधायक गीता भुक्कल और नेता विपक्ष के लिए थानेसर से विधायक चुने गए पंजाबी चेहरे अशोक अरोड़ा का नाम आगे कर दिया है।

हरियाणा में कांग्रेस लगातार तीसरी बार विधानसभा चुनाव हार गई है। इस बार पार्टी को 37 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा ने 48 सीटें जीतकर प्रदेश में बहुमत हासिल किया है। इस हार के बाद कांग्रेस ने ईवीएम को भाजपा की जीत का जिम्मेदार ठहराया है।

वहीं, अपनी हार की समीक्षा ही नहीं की। यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस ने प्रदेश में भाजपा की जीत में खामियां बताकर अपने खराब प्रदर्शन को ढंकने की कोशिश की है। इससे पहले साल 2014 और 2019 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने भाजपा की जीत के ही कारण गिनाए। पार्टी ने खुद की कमियां नहीं बताईं और न ही किसी नेता ने हार की जिम्मेदारी ली।

इंदौर में सप्लाई राजस्थानी घी के सैंपल फेल

25 फूड प्रोडक्ट्स की रिपोर्ट आई; भोपाल लैब में 350 से ज्यादा पेंडिंग, 2 महीने पहले लिए गए थे

इंदौर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर में त्योहारों के मद्देनजर खाद्य विभाग रोज घी, तेल, बेसन, नमकीन, मावा, मिठाई और दूसरे खाद्य पदार्थों के सैंपल ले रहा है। हाल ही में 25 सैंपल की रिपोर्ट आई है। इनमें से घी के दो सैंपल फेल हुए हैं, जबकि दो अन्य खाद्य पदार्थों के हैं। खास बात यह कि विभाग की नजर मिलावटी घी पर ज्यादा है। दरअसल, त्योहार पर इसकी खपत बहुत ज्यादा होती है। इन दिनों गुजरात और राजस्थान से घी की खासी सप्लाई बनी हुई है। आशंका है इनमें कई ब्रांड मिलावटी हैं। अभी भोपाल लैब में 350 से ज्यादा सैंपल पेंडिंग हैं। इनकी रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। ये सैंपल 2 महीने पहले लिए गए थे। पिछले महीने खाद्य विभाग ने संचार नगर स्थित कुबेर इंटर प्राइजेस पर छापा मारा था। यहां राजस्थान की फर्म बाल गोपाल डेयरी प्रोडक्ट्स रणपुर (कोटा) ने घी सप्लाई किया था। टीम ने यहां महाश्री ब्रांड के गाय के घी और भैंस के घी के अलग-अलग पैकिंग के 5 सैंपल लिए थे। 800 किलो घी जब्त भी किया था। घी अमानक स्तर का मिला। रिपोर्ट के अनुसार घी में अन्य तेल मिला हुआ है। पता चला है कि राजस्थान के इस ब्रांड के घी की इंदौर में दूसरे स्थानों से भी बिक्री हुई है। सीनियर फूड इंस्पेक्टर मनीष स्वामी के मुताबिक, दो महीने में सर्वे के करीब 300 और लीगल के 60 सैंपल लिए गए थे। इनमें से 25 से ज्यादा की रिपोर्ट आई हैं। इनमें से दो घी सहित चार के सैंपल फेल हैं। इन दिनों अन्य शहरों से भी सैंपल भोपाल लैब में भेजे गए हैं, इस कारण समय लग रहा है। अभी त्योहारी सीजन है, इसलिए लैब में हाल के सैंपलों की जांच प्राथमिकता से की जा रही है। अब जिस दिन सैंपल लिए गए हैं, तब से 15 दिन में रिपोर्ट मिल जाएगी। फिलहाल पुराने सैंपलों की रिपोर्ट को पेंडिंग रखा गया है। दो महीने में जितने सैंपल लिए गए हैं, उनकी भी रिपोर्ट जल्द मिल जाएगी। पिछले दिनों अलग-अलग स्थानों से 80 क्विंटल घी और 2 हजार लीटर तेल विभाग की जब्ती में है।

बीजेपी विधायक से मांगा सदस्यता अभियान का ठेका

विश्नोई का खुलासा- पैसों के दम पर ऐसे लोग सदस्य बढ़वाकर खुद को बड़ा नेता बताएंगे

भोपाल, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में चल रहा बीजेपी का सदस्यता अभियान लगातार विवादों में घिरता जा रहा है। स्कूल, कॉलेजों में जबरन सदस्यता करवाने जैसे कई मामले सामने आ चुके हैं। अब बीजेपी के सीनियर विधायक और पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने ही इस मेंबरशिप ड्राइव पर सवाल उठाए हैं।

जबलपुर के पाटन से बीजेपी विधायक अजय विश्नोई ने X पर लिखा- भाजपा के सदस्य बनवाने हैं तो पैसा खर्च कीजिए। आज मेरे फोन पर फोन नंबर +917880298199 से फोन आया। ये एक एजेंसी का फोन था, जो मेरे अकाउंट से भाजपा के सदस्य बनाने का ठेका मांग रहा था। विश्नोई ने आगे लिखा- जाहिर है ऐसी और भी एजेंसी होंगी। जिनकी सेवाएं लेकर गणेश परिक्रमा करने वाले आधारहीन नेता संगठन की नजर में बड़े बनने की कोशिश में लगे होंगे।

मैंने पहले भी कुछ लोग को विज्ञापन छपवाकर, नेताओं के सम्मान, स्वागत और घर के भीतर अपनी सेवाएं देकर नेता बनते देखा है। इस बार यह नया ट्रेंड देखने में आ रहा है। जहां पैसा खर्च करके अपने अकाउंट से बनने वाले सदस्यों की संख्या बढ़ाकर लोग बड़ा नेता बनने में लगे हैं। इस गिरावट पर हम पुराने कार्यकर्ता अफसोस करने के अलावा और कुछ नहीं कर सकते।

सदस्यता को लेकर अजय विश्नोई ने कहा कि सदस्यता को लेकर ठेके दिए जा रहे हैं। सदस्यता ठेकों पर की जा रही है। मैं बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा जी से कहना चाहूंगा कि अब तो स्वीकार कर लें कि किस प्रकार से बीजेपी जबरदस्ती प्रदेश में अपना सदस्यता अभियान चला रही है और कैसे आंकड़े का जादू दिखाना चाहती है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 16 अक्टूबर, 2024 3

सुविचार: ढूंढ़ी तो सुकून खुद में ही है, दूसरों में तो बस उलझने मिलेंगी।

डिजिटल गिरफ्तारी : साइबर अपराध का नया चलन बढ़ा

अधिकारियों का रूप धारणकर जालसाजी

वित्तीय जानकारी ऑनलाइन साझा करने में बरतें सावधानी : डीसीपी

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में एक नए परेशान करने वाले चलन में 'डिजिटल गिरफ्तारी' के नाम से जाने जाने वाले साइबर अपराधों में उछाल देखा गया है, जहां जालसाज पीड़ितों से पैसे ऐंठने के लिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों का रूप धारण करते हैं। डर की रणनीति का इस्तेमाल करके, घोटालेबाज दावा करते हैं कि पीड़ितों के बैंक खाते मनी लॉन्ड्रिंग जैसी अवैध गतिविधियों में शामिल हैं और तुरंत भुगतान न करने पर गिरफ़्तारी की धमकी देते हैं।

पीड़ितों को अक्सर फोन कॉल, वीडियो चैट और फर्जी कानूनी दस्तावेजों के जरिए मजबूर किया जाता है, जिसमें उन पर मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों का झूठा आरोप लगाया जाता है। दबाव में आकर, उन्हें संवेदनशील वित्तीय जानकारी का खुलासा करने या धोखेबाजों को बड़ी रकम हस्तांतरित करने के लिए मजबूर किया जाता है। साइबर धोखेबाज आमतौर पर पुलिस या कर विभाग जैसी एजेंसियों के अधिकारी होने का नाटक करके वरिष्ठ नागरिकों सहित कमजोर व्यक्तियों को निशाना बनाते हैं।

वे दावा कर सकते हैं कि पीड़ित के नाम पर एक धोखाधड़ी वाला बैंक खाता खोला गया है और कानूनी परिणामों से बचने के लिए सहयोग की मांग करते हैं। पीड़ितों को कभी-कभी घंटों या दिनों तक 'डिजिटल रूप से बंदी' बनाकर रखा जाता है, उन्हें केवल ऑनलाइन माध्यमों से ही घोटालेबाजों से बातचीत करने के लिए मजबूर किया जाता है।

हैदराबाद में हाल ही में एक मामला सामने आया है, जिसमें एक बुजुर्ग दंपति से 10.6 करोड़ रुपये ठगे गए। जालसाजों ने खुद को मुंबई पुलिस का सिपाही बताते हुए दावा किया कि पीड़ित के नाम पर एक अकाउंट है, जिसमें अवैध लेनदेन हो रहा है। उन्होंने चल रही जांच का अनुपालन करने की आवश्यकता का हवाला देते हुए दंपति को विभिन्न बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया। घोटालेबाजों ने फर्जी आधिकारिक पत्रों का इस्तेमाल किया और जेल भेजने की धमकी दी।

हैदराबाद साइबर क्राइम डीसीपी डी. कविता ने नागरिकों से व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी ऑनलाइन साझा करने में सावधानी बरतने का आग्रह किया। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) के एक अधिकारी ने कहा कि सरकारी अधिकारी के रूप में पेश आने वाले किसी भी व्यक्ति की प्रामाणिकता की पुष्टि करने और फोन-आधारित जांच में शामिल होने से बचने की सलाह दी जाती है। कोई भी वैध पुलिस जांच कभी भी पूरी तरह से फोन पर नहीं की जाएगी।

जोगुलम्बा मंदिर के पुजारियों ने मंत्री से भेंट की

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अष्टादश शक्ति पीठों में से एक जोगुलम्बा अम्मावरी मंदिर में दशहरा शरणनवरात्रि उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित उदयास्तम सेवा के हिस्से के रूप में मंदिर के पुजारियों द्वारा मंत्री कोंडा सुरेखा को नव चंदियाग रक्षा भेंट की गई। आज, हैदराबाद के जुबली हिल्स में मंत्री के आवास पर, पुजारियों ने मंत्री सुरेखा को तीर्थप्रसाद और देवी के अवशेष अर्पित किए और वेदसिर्वाचम किया। मंत्री सुरेखा ने जोगुलम्बा अम्मावरी मंदिर में दशहरा शरणनवरात्रि समारोह के सफल आयोजन के लिए ईवी पुरेंद्र कुमार और अन्य स्टाफ सदस्यों को बधाई दी।

तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी और केंद्रीय गृह मंत्री बंडी संजय कुमार ने बेगमपेट हवाई अड्डे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत किया।

साइबर क्राइम पुलिस ने पीड़ित को 39 लाख रुपये वापस किए

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी साइबर क्राइम पुलिस ने पीड़ित को 39 लाख रुपये वापस किए, जिसे साइबर जालसाजों ने स्टॉक ट्रेडिंग के बहाने ठगा था और उसे काफी मुनाफा देने का वादा किया था। हैदराबाद के एक 34 वर्षीय बेरोजगार व्यक्ति से शिकायत मिली थी, जिसमें कहा गया था कि साइबर जालसाजों ने स्टॉक ट्रेडिंग (एमस्टॉकमैक्स) के बहाने उसके साथ धोखाधड़ी की है। जालसाजों ने उससे 78,70,500 रुपये की राशि आरोपियों द्वारा बताए गए बैंक खातों में ट्रांसफर करवा ली। इसके जवाब में, साइबर क्राइम पुलिस, हैदराबाद ने सीआर.नं. 2185/2024 के तहत आईटी अधिनियम की धारा 66(सी), 66(डी) और बीएनएस की धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2) के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। इंस्पेक्टर के. मधुसूदन राव ने पीसी वेंकटेश और संपत के साथ मिलकर बैंक अधिकारियों को नोटिस भेजे, धोखाधड़ी की गई राशि को फ्रीज करने के लिए उनसे संपर्क किया और शिकायतकर्ता को धोखाधड़ी वाले खातों में जमा राशि को शिकायतकर्ता के बैंक खाते में वापस करने के लिए अदालत में याचिका दायर करने का मार्गदर्शन किया। हैदराबाद शहर के साइबर अपराध इकाई के प्रयासों की हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त ने सराहना की। हैदराबाद शहर की साइबर अपराध इकाई की पुलिस उप आयुक्त दारा कविता ने फर्जी निवेश सोशल मीडिया समूहों यानी टेलीग्राम, व्हाट्सएप, एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक के खिलाफ आगाह किया, जो कम जोखिम के साथ उच्च रिटर्न का वादा करते हुए हर जगह दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने जनता से कहा कि वे कभी भी भारी रिटर्न और फर्जी लाभ स्क्रीनशॉट के वादों पर विश्वास न करें। इन घोटालों के झांसे में न आएं उन्होंने कहा कि अगर तुरंत रिपोर्ट की जाए तो खोई हुई और रोकी गई राशि का कम से कम कुछ हिस्सा वापस मिलने की संभावना है। ऐसे साइबर धोखाधड़ी के शिकार लोग हेल्पलाइन नंबर 1930 पर या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से तुरंत रिपोर्ट कर सकते हैं।

मुख्य सचिव ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के गठन के लिए अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और राज्य में तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के गठन के प्रस्तावों पर चर्चा की। यह याद किया जा सकता है कि राज्य में हाल ही में आई बाढ़ और डूबने की घटनाओं के मद्देनजर, मुख्यमंत्री ने अग्निशमन विभाग की 10 टीमों और तेलंगाना विशेष पुलिस बटालियन की 10 कंपनियों का उपयोग करके तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल का गठन करने का निर्देश दिया है और लगभग 2000 लोगों का एक मजबूत बल तैयार किया है। आवश्यक बजट भी स्वीकृत किया गया है। तदनुसार, आज एक बैठक आयोजित की गई जिसमें डीजीपी जितेंद्र, विशेष मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन अरविंद कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने कर्मियों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि बाढ़, आगजनी तथा अन्य आपदाओं के दौरान अलर्ट होने पर वे तत्काल तैयार हो सकें। उन्होंने कहा कि कर्मियों का पहला बैच प्रशिक्षण अगले महीने के पहले सप्ताह से शुरू हो जाना चाहिए। बैठक में वाहनों, बचाव उपकरणों, व्यक्तिगत सुरक्षा गियर तथा बचाव कार्यों के लिए आवश्यक अन्य उपकरणों की खरीद पर भी चर्चा की गई।

अग्निशमन सेवा महानिदेशक नागी रेड्डी ने बताया कि अग्निशमन विभाग की 10 टीमों को आवश्यक उपकरण तथा प्रशिक्षण प्रदान कर एसडीआरएफ स्टेशनों में अपग्रेड किया जाएगा। इसी प्रकार टीजीएसपी बटालियनों (प्रत्येक कंपनी में 100 कर्मी होंगे) के कुल 1000 कर्मियों को अग्निशमन विभाग के कर्मियों के समान प्रशिक्षित किया जाएगा तथा आवश्यक मौसम तथा आपात स्थितियों के दौरान संबंधित स्थानों पर स्टैंडबाय के रूप में तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के लिए एनडीआरएफ की सेवाओं का उपयोग किया जाएगा।

वीएलएफ स्थापना समारोह से पहले कार्यकर्ता हिरासत में

विकाराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दामागुंडम में अति निम्न आवृत्ति (वीएलएफ) रडार स्टेशन के शिलान्यास समारोह से कुछ घंटे पहले पुलिस ने परियोजना का विरोध कर रहे कार्यकर्ताओं और राजनीतिक पार्टी के नेताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया। राजनीतिक दलों से इतर, नेता वीएलएफ स्टेशन परियोजना का विरोध कर रहे हैं और इसके लिए कई कारण बता रहे हैं, जिसमें क्षेत्र में वनस्पतियों और जीवों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। वे इस परियोजना के कारण मूसी नदी पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर भी चिंतित हैं। कार्यकर्ताओं और राजनीतिक नेताओं की ओर से उपद्रव की आशंका को देखते हुए सोमवार से ही जिले में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। हालांकि, किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए नेताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। खबरों के मुताबिक एआईकेएमएस विकाराबाद इकाई के अध्यक्ष वाई महेंद्र रेड्डी, सीपीएम जिला इकाई आर महिपाल, पीओडब्ल्यू राज्य सचिव वाई गीता, दमगुंडम परिरक्षण जेएसी के अध्यक्ष डी गुडेम वेंकटन्ना और अन्य को हिरासत में लिया गया है।

विकाराबाद से पूर्व बीआरएस विधायक मेटुकू आनंद को भी एक परिवार से मिलने से रोका गया, जिसके सदस्य का निधन हो गया था। पूर्व विधायक को पुलिस द्वारा रोके जाने और उन्हें आगे न जाने के लिए कहने के वीडियो अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए गए हैं। वीडियो में पूर्व विधायक पुलिस से अपने वाहन में बैठने के लिए कहते हुए दिखाई दे रहे हैं ताकि उन्हें उनके आने का उद्देश्य स्पष्ट हो सके। उन्होंने पुलिस से यह भी कहा कि अगर कोई संदेह हो तो वे उन्हें अपने वाहन में परिवार के पास ले जाएं।

बिजली दरें बढ़ाने की योजना बना रही सरकार : केटीआर

मुफ्त बिजली के वादे का उड़ाया मजाक

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिजली कटौती का पर्याय बन चुकी कांग्रेस सरकार अब बिजली दरों में बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है, जिससे तेलंगाना के लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, ऐसा बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा। उन्होंने कहा कि जो सरकार निर्बाध बिजली आपूर्ति की गारंटी देने में असमर्थ है, वह बिजली दरों में बढ़ोतरी के रूप में उपभोक्ताओं को झटका देने की तैयारी कर रही है।

रामा राव ने एक्स से बात करते हुए कहा कि सत्ता में आने के एक साल से भी कम समय में कांग्रेस सरकार बिजली की दरें बढ़ाने के लिए तैयार है, जिससे जनता पर और अधिक दबाव पड़ेगा। उन्होंने मुफ्त बिजली के उनके वादे का मज़ाक उड़ाया और कहा कि बहुचर्चित गृह ज्योति योजना कई पात्र नागरिकों की पहुंच से बाहर है और शून्य बिजली बिल कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने राज्य के वित्तीय प्रबंधन पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि मात्र 9 महीनों में 77,000 करोड़ रुपये उधार लेने के बावजूद, अकुशल शासन के तहत जनता के पास बिजली कटौती और अतिरिक्त कठिनाइयों के अलावा कुछ नहीं बचा है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने तेलंगाना में उत्पादित गुणवत्ता वाले कपास के लिए लाभकारी मूल्य बनाए रखने के लिए कांग्रेस सरकार की विफलता और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की कार्रवाई की कमी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जहां बड़ा भाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुजरात सरकार कपास किसानों को बेहतरीन सुविधाएं दे रही है, वहीं तेलंगाना में छोटे भाई मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सरकार ने उनकी उपेक्षा की है। रामा राव ने बताया कि कपास की कीमत 8,257 रुपये प्रति क्विंटल है। तेलंगाना में बेहतर गुणवत्ता वाला कपास सिर्फ 5,000 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है। उन्होंने तेलंगाना में कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा खरीद केंद्र खोलने में देरी पर सवाल उठाया, जिससे कांग्रेस शासन में बिचौलियों को पैसे कमाने का रास्ता मिल गया। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले वर्षों में बीआरएस शासन के तहत कपास की कीमत 10,000-15,000 रुपये प्रति क्विंटल थी।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

शुध्दिपत्र-1 दि.14-10-2024

निविदा सूचना सं. बी-एसजी-जीएस-कवच-02-24-25 के प्रति; दि.12-09-2024

उपरोक्त निविदा का संशोधन विवरण निम्न प्रकार है:

क्रम सं.	कार्य विवरण	निविदा बंद होने की तिथि व समय	बोली या बिड्डिंग शुरु तिथि
1.	मौजूदा तिथिनुसार	28/10/2024 15:00 बजे	22/11/2024 15:00 बजे
2.	संशोधित तिथिनुसार	14/10/2024	08/11/2024

A1314 उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/गति शक्ति/विजयवाडा

PUB/1034

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान

(केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)

रेवेन्यु बोर्ड कॉलोनी, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद-500 036, तेलंगाना, भारत

National Institute of Indian Medical Heritage

(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)

Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad - 500 036, Telangana, INDIA

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 05/2024

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएं एसआरएफ(आयुर्वेद)-06 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस **वेबसाइट** http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

जग्गा रेड्डी ने राज्य पक्षी के साथ किया दुर्व्यवहार, विवाद शुरू

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 का उल्लंघन

सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल, कई लोगों ने की आलोचना

संगारेड्डी, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और संगारेड्डी के पूर्व विधायक टी जयप्रकाश रेड्डी उर्फ जग्गा रेड्डी ने शहर के अंबेडकर स्टेडियम में आयोजित दशहरा उत्सव के दौरान संगारेड्डी के नागरिकों को दिखाने के लिए तेलंगाना के राज्य पक्षी चार भारतीय रोलर्स को एक पिंजरे में रखा, जिसके बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया।

जग्गा रेड्डी, उनकी पत्नी और तेलंगाना औद्योगिक एवं अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) लिमिटेड की अध्यक्ष टी. निर्मला रेड्डी, दम्पति की पुत्री जया रेड्डी और पुत्र भरत साई रेड्डी ने भी वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 का उल्लंघन करते हुए पक्षियों को अनुचित तरीके से नागरिकों के सामने प्रदर्शित किया।

जग्गा रेड्डी के अनुयायियों ने जब उन्हें सोशल मीडिया पर शेयर किया तो तस्वीरें और फोटो वायरल हो गए और कई लोगों ने उनकी आलोचना की। कुछ वन्यजीव कार्यकर्ताओं ने तेलंगाना के मुख्य वन्यजीव वार्डन सुभद्रा देवी के पास शिकायत दर्ज कराई और जग्गा रेड्डी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

सूत्रों के अनुसार, एक स्थानीय कांग्रेस नेता ने जग्गा रेड्डी को प्रभावित करने के लिए एक शिकारी को शामिल करके भारतीय रोलर्स को फंसाया। तेलंगाना वन विभाग द्वारा हर दशहरा त्यौहार से पहले नागरिकों को भारतीय रोलर्स को पिंजरे में बंद करने के बारे में चेतावनी दिए जाने के बावजूद, ऐसी घटनाएं घटित हुई हैं।

ऑटो चालकों को प्रभावित करता है कलेक्टर का व्यवहार

खम्मम, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम शहर के पुराने बस स्टैंड अड्डे पर मंगलवार को जब ऑटो रिक्शा चालक अपना काम कर रहे थे, तो अचानक एक आगंतुक ने उन्हें घेर लिया। जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान ने बस स्टैंड स्थित ऑटो रिक्शा अड्डे का दौरा किया, चालकों से परिचय लिया तथा उनसे बातचीत की तथा उनके जीवन, परिवार, बच्चों की शिक्षा, आय तथा अन्य मामलों के बारे में जानकारी ली। जब चालकों ने कलेक्टर को बताया कि उनके बच्चे सरकारी स्कूलों और गुरुकुलों में पढ़ रहे हैं, तो उन्होंने उन्हें नियमित रूप से अभिभावक-शिक्षक बैठकों में भाग लेने की सलाह दी।

खान ने पूछा कि क्या सरकारी संस्थानों में पढ़ाई संतोषजनक है और क्या शिक्षक जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ड्राइवर अपने बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें और सरकारी स्कूलों में किसी भी तरह की समस्या होने पर उन्हें बताएं ताकि उनका समाधान किया जा सके। ड्राइवरों ने कलेक्टर को बताया कि वे ऑटो रिक्शा अड्डे पर उनके आने से बहुत खुश हैं। ड्राइवर प्रसाद ने कहा कि शहर में करीब 3000 ऑटो रिक्शा हैं और वे ड्राइवरों को बीमा सुविधा देने के साथ-साथ उचित सुविधाएं प्रदान करके अड्डों को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

उनके अनुरोध पर अधिकारी ने कहा कि हाल ही में नगर निगम और ग्राम पंचायत कर्मचारियों को बीमा सुविधा प्रदान की गई है। यदि चालक एक निश्चित राशि देने को तैयार हों तो उन्हें बीमा सुविधा प्रदान की जाएगी। खान ने कहा कि जल्द ही जिला स्तरीय ऑटो रिक्शा यूनियन के नेताओं के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी और इसके लिए योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने ड्राइवरों से कहा कि अगर उन्हें कोई समस्या आती है तो वे कलेक्ट्रेट में उनसे मिल सकते हैं और उनके समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे। बाद में कलेक्टर ने इलाके में एक जूते की दुकान का दौरा किया और उसके मालिक सैयद बिलाल पाशा से बातचीत की। उनके परिवार, व्यवसाय और आय के बारे में जानने के बाद उन्होंने दुकान मालिक से कहा कि वे व्यापारियों के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाएं और मुद्रा लोन का लाभ उठाएं।

फार्मेसी पाठ्यक्रमों के लिए काउंसलिंग का कार्यक्रम घोषित

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 19 अक्टूबर से शुरू हो रहे तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजीईएपीसीईटी) 2024 काउंसलिंग के जरिए 121 फार्मेसी कॉलेजों में कुल 7,835 बी फार्मेसी सीटें खाली हैं। इसी तरह, 72 फार्मेसी कॉलेज शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए फार्म-डी कार्यक्रम में 1,449 सीटें प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा 4 कॉलेजों में 166 बायोटेक्नोलॉजी सीटें, दो कॉलेजों में 51 बायोमेडिकल इंजीनियरिंग सीटें और एक कॉलेज द्वारा 30 फार्मास्युटिकल सीटें उपलब्ध हैं। टीजीईएपीसीईटी 2024 के उम्मीदवार जो बीआईपीसी स्ट्रीम में उत्तीर्ण हुए हैं, वे 19 से 22 अक्टूबर के बीच प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए पंजीकरण और स्लॉट बुक कर सकते हैं। प्रमाणपत्रों का सत्यापन 21 से 23 अक्टूबर तक होना है और वेब विकल्प 21 से 25 अक्टूबर तक खुले हैं।

ग्यारहवीं पुण्यतिथि

स्व. श्री केसारामजी वर्फा

सुपुत्र: स्व. श्री अमरारामजी वर्फा

स्वर्गवास: 16-10-2013; मरुधर मे धनला (राज.)

प्रेम मिला जो आपसे, वह कभी भुला नहीं हम पाएंगे।
आपके आशीर्वाद से हम सदैव सदमार्ग को अपनाएंगे।।

:श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता: (धर्मपत्नी), (भाई), (पुत्र-वधु), (पुत्री-दामाद), (पौत्र) एवं समस्त वर्फा परिवार

: फर्म :

* श्री आईमाताजी ट्रेडर्स-बिरमगुडा आर.सी.पुरम्

* बालाजी ट्रेडिंग कम्पनी-श्रीरामनगर कॉलनी, बिरमगुडा

9704630031, 9951555531, 7799389830

P.Solankey

मंत्री के साले ने आरओ को जूते से पीटा

कैमूर में एफआईआर के बाद भी नहीं हुई गिरफ्तारी, धरने पर बैठे राजस्व कर्मचारी

कैमूर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कैमूर के चांद अंचल कार्यालय में राजस्व कर्मचारी को जूता से पीटने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, पिछले 7 दिनों से सभी राजस्व कर्मचारी गिरफ्तारी की मांग को लेकर सामूहिक धरना पर बैठे हुए है। चांद के प्रभारी अंचल निरीक्षक सह राजस्व कर्मचारी सुजीत कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि 4 अक्टूबर को दोपहर के 2:30 बजे वह आरटीपीएस काउंटर के पास जाती निवासी का प्रतिवेदन लिख रहे थे। इस दौरान बिहार सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान के साले तैयब खान ने फोन किया और लोकेशन को लेकर पूछा। जब लोकेशन बता दिया तो वह अंचल कार्यालय पहुंच गए। इसके बाद उन्होंने रजिस्टर टू दिखाने की बात कही। इस पर उन्होंने कहा कि वह अंचल अधिकारी के पास जमा है। आने के बाद आप देख लीजिएगा। इस बात से नाराज होकर मंत्री के साले तैयब खान और चार-पांच अन्य लोगों ने अचानक हमला कर दिया। मारपीट के बीच में उन्होंने अपना जूता निकाल लिया और उससे पिटाई करने लगे। मारपीट को लेकर चांद थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद भी अब तक कार्रवाई नहीं की गई है। कार्रवाई को लेकर सभी राजस्व कर्मचारी मजबूर होकर सामूहिक धरना पर बैठे हुए है। वहीं, आरोप लगाते हुए राजस्व कर्मचारी ने कहा कि तैयब खान बिहार सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमाल खान के रिश्तेदार है। इसलिए उनकी गिरफ्तारी नहीं हो रही है। हम उनकी गिरफ्तारी की मांग करते है। भभुआ डीएसपी शिव शंकर कुमार ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। कर्मचारी की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। जो भी आरोपी है, उनकी गिरफ्तारी को लेकर थाना के पुलिस अधिकारी छापेमारी कर रहे है।

नव-विवाहिता को जहर देकर मार डाला

इंजीनियर पति जुआ हारने के बाद मांग रहा था 5 लाख और फॉर्च्यूनर कार

कानपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर के साकेत नगर में एक नव-विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मायके वालों ने आरोप लगाया है कि दहेज में फॉर्च्यूनर कार और जुआ हारने के बाद 5 लाख रुपए की मांग कर रहा था। मांग पूरी नहीं होने पर बेटी को जहर देकर मार डाला। मामले में किदवई नगर पुलिस ने ससुरालियों के खिलाफ दहेज हत्या की एफआईआर दर्ज की है। इसके साथ ही हत्यारोपी पति और ससुराल वालों को हिरासत में लिया है। उधर किदवई नगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भगवान खेड़ा उन्नाव में रहने वाले भरत लाल पांडेय ने बताया कि 15 अक्तूबर को उन्होंने बेटी लिटिल मिश्रा (28) की शादी कानपुर सकेत नगर निवासी उदय मिश्रा से की थी।

परिवार के लोगों ने बताया था कि उनका बेटा बंगलुरु में इंजीनियर है। इस वजह से बेटी को शादी में 13 लाख की कार, एसी, फ्रिज समेत 25 लाख का सामान दिया था। लेकिन शादी के बाद से फॉर्च्यूनर कार की डिमांड को लेकर लड़का उदय, सास दुर्गेश मिश्रा, सास पुष्पा मिश्रा, देवर सौम्यक मिश्रा समेत अन्य ससुराल वाले आए दिन मारपीट करते थे।

चार महीने पहले युवक जुआ में 5 लाख रुपए हार गया था, इसके चलते ससुराल से पांच लाख रुपए की डिमांड कर रहा था। 1.50 लाख रुपए ससुराल वालों ने दिया भी था। इसके बाद भी फॉर्च्यूनर कार और कैश की डिमांड हो रही थी। मारपीट के चलते मायके वाले उसे अपने साथ ले गए थे, लेकिन दो दिन पहले मंदिर जाने के बहाने पति लिटिल को मायके से ससुराल ले आया था। इसके बाद दहेज की मांग को लेकर फिर से ससुरालियों ने मारपीट शुरू कर दी।

आरोप है कि सोमवार रात को लिटिल ने फोन करके बताया कि उसके यहां से ले जाओ नहीं तो ये लोग मार डालेंगे। परिवार के लोगों ने समझाया और कहा कि मंगलवार को सुबह लेने आएंगे।

उदय मिश्रा, आरोपी पति लिटिल मिश्रा, मृतका

इसके बाद मंगलवार को फिर से लिटिल ने अपने पिता को फोन किया और कहा कि पापा इन लोगों ने मुझे जहर दे दिया है, बचा लो।

इसके बाद मायके वाले भागकर बेटी के ससुराल पहुंचे और अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डीसीपी साउथ अंकिता शर्मा ने बताया कि मामले में मृतक लिटिल के पिता भरत लाल पांडेय की तहरीर पर पति उदय, ससुर दुर्गेश मिश्रा, सास पुष्पा मिश्रा, देवर सौम्यक मिश्रा, बाबा ससुर खेरेश्वर मिश्रा, बुआ सास संजू, मंजू, ननद तन्नू,मन्नू और देवर बब्बी के खिलाफ दहेज हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। पति और परिवार के अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। बुधवार को मृतक का पोस्टमार्टम होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिस याचिका से रुका मिल्कीपुर चुनाव, वह वापस होगी

बाबा गोरखनाथ ने लखनऊ हाईकोर्ट में अवधेश प्रसाद की जीत को चुनौती दी थी

अयोध्या, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का रास्ता साफ हो गया है। भाजपा के पूर्व विधायक बाबा गोरखनाथ ने अपनी याचिका वापस लेने का ऐलान किया है। उन्होंने 2 साल पहले सपा सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ लखनऊ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। यह 2022 के विधानसभा चुनाव में मिल्कीपुर के लिए दिए अवधेश प्रसाद के हलफनामे को लेकर थी। तब सपा के अवधेश प्रसाद ने इस सीट से जीत दर्ज की थी। दूसरे नंबर पर भाजपा के बाबा गोरखनाथ रहे थे। दरअसल, यूपी की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। लेकिन, चुनाव आयोग ने सिर्फ 9 सीटों पर चुनाव की तारीख का ऐलान किया। 13 नवंबर को मतदान और 23 नवंबर को काउंटिंग होगी। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर चुनाव की घोषणा नहीं की गई। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि लखनऊ हाईकोर्ट में दायर याचिका की वजह से अभी चुनाव नहीं होंगे। इसके बाद मंगलवार देर शाम बाबा गोरखनाथ के वकील ने अपनी याचिका वापस लेने की बात कही। इस ऐलान के तुरंत बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट किया- जिसने जंग टाली है, समझो उसने जंग हारी है। इस मामले को लेकर बाबा गोरखनाथ से बात की। उन्होंने बताया- अवधेश प्रसाद ने नॉमिनेशन के समय जो हलफनामा (नोटरी) दाखिल किया था, उसकी डेट एक्सपायर थी। नियम है, नोटरी की डेट एक्सपायर है, तो नॉमिनेशन कैंसिल कर दिया जाता है। इसी को लेकर कई प्रत्याशियों के पर्चे पहले भी रद्द हो चुके हैं। बाबा गोरखनाथ ने कहा- मैंने एमएलसी अनूप गुप्ता केस का आधार बनाते हुए यह रिट दाखिल की थी। पहले भी ऐसे गलत डॉक्यूमेंट दाखिल हुए और पर्चा रद्द हुआ है। चुनाव आयोग के फैसले के बाद मंगलवार देर शाम अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, मिल्कीपुर में उपचुनाव कराना चाहिए था।

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 22 एजेंडों पर मुहर

बापू टावर में 20 और मोकामा आईटीआई में 43 पोस्ट का सृजन बिहार पुलिस के आईओ को मिलेगा लैपटॉप और स्मार्टफोन

पटना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में कैबिनेट की अहम बैठक हुई। इस दौरान 22 एजेंडों पर मुहर लगी है। मीटिंग आधे घंटे में ही खत्म हो गई। बापू टावर में 20 नए पदों का सृजन किया गया है। मेंटेनेंस के लिए 20 पोस्ट क्रिएट किए गए हैं। रोजगार के अवसर के लिए मोकामा में नया आईटीआई खोला जा रहा है। कैबिनेट ने नए आईटीआई के लिए 43 पदों का सृजन किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 1.25 करोड़ रुपए खर्च किए जाने पर स्वीकृति दी है। यह राशि सालाना खर्च होगी। बिहार पुलिस लैपटॉप और स्मार्टफोन से लैस होंगे। केस इन्वेस्टिगेशन में तेजी लाने के लिए आईओ को हाईटेक किया जा रहा है। कैबिनेट ने इसके

लिए 190 करोड़ 63 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। बिहार खनिज समानुदान, अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण निवारण संशोधन नियमावली 2024 को स्वीकृति दी गई है। इसके अंतर्गत अवैध खनन के खिलाफ कठोर कदम उठाने के लिए फाइन तय किया गया है। खनन में लगे सभी वाहनों के लिए कलर कोडिंग लागू की जाएगी। जिसके बिना भारी जुर्माना लगाया जाएगा। कैमूर और रोहतास जिले के 132 गांवों के 21,644 घरों को सीधे ग्रिड से बिजली पहुंचाई जाएगी। जिसके लिए 117 करोड़ 80 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है। पहले इन गांवों में सौर ऊर्जा से बिजली की आपूर्ति होती थी। अब ग्रिड सिस्टम के माध्यम से होगी। तत्कालीन क्षेत्रीय अपर निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. जनार्दन प्रसाद सुकुमार की सरकारी सेवा से बर्खास्तगी को निरस्त किया गया है। सदर अस्पताल बांका की चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नादरा फातिमा को लगातार अनुपस्थित रहने के आरोप में सेवा से बर्खास्त किया गया है। सरकार ने पैक्स चुनाव को लेकर 18 करोड़ 64 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। बिहार तकनीकी सेवा आयोग को प्रतियोगी परीक्षाओं के निष्पादन के लिए आकस्मिकता निधि से 6 करोड़ रुपये देने की स्वीकृति भी दी गई है।

हाथ पर महादेव, लड़कियों से छेड़छाड़

जब लोगों ने पकड़कर सख्ती से पूछा तो निकला अरमान

हाथरस, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में शहर स्थित घंटाघर बाजार में सरेआम लड़कियों से छेड़छाड़ कर रहे एक युवक को कुछ लोगों ने पकड़ लिया। इन लोगों का आरोप था कि यह युवक आती-जाती लड़कियों और महिलाओं पर फब्तियां कस रहा है और छेड़खानी कर रहा है। कुछ लोगों ने इस युवक को पकड़ कर उसका नाम पूछा तो इस युवक ने अपना नाम अरमान बताया, लेकिन उसके हाथ पर एक टैटू बना हुआ, जिस पर महादेव लिखा था। इस पर लोगों को शक हुआ और वहां हंगामा शुरू हो गया। मामले की सूचना पर कुछ हिंदूवादी संगठन के लोग भी मौके पहुंच गए। पकड़े गए मुस्लिम युवक से जब कुछ लोग अपने स्तर से पूछताछ कर रहे थे तो इस युवक ने अपना नाम अरमान बताया। इस हंगामे की जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने युवक से जानकारी की और जब इस युवक को अपने साथ ले जाने की कोशिश की तो वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को रोक लिया और उनकी पुलिस से भी नोकझोंक हो गई।

कुछ लोगों ने इस मामले का वीडियो भी बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने भीड़ से इस युवक को वहां से निकाला और उसे अपने साथ कोतवाली ले गई। अब पुलिस इस युवक से पूछताछ कर रही है।

अभी तक इस युवक के खिलाफ कोई लिखित शिकायत पुलिस को नहीं मिली। सदर कोतवाली पुलिस अब मामले में अपने स्तर पर छानबीन कर रही है।

वाराणसी में सिडनी जैसा एयरपोर्ट

पीएम मोदी रखेंगे आधारशिला

वाराणसी, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के वाराणसी का दौरा करेंगे। पीएम मोदी काशीवासियों को 1300 करोड़ रुपये की 17 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। तीसरी बार बनारस का सांसद चुने जाने के बाद नरेंद्र मोदी का यह दूसरा दौरा होगा। इन परियोजनाओं में सबसे खास है बनारस के लाला बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट को सिडनी एयरपोर्ट की तरह विकसित करना। प्रधानमंत्री एयरपोर्ट विस्तारीकरण के तहत न्यू टर्मिनल बिल्डिंग की आधारशिला रखेंगे। इसके अलावा 90 करोड़ रुपये की लागत से तैयार शंकर आई हॉस्पिटल और 200 करोड़ रुपये से बनकर तैयार सिगरा स्टेडियम का लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी जनसभा को संबोधित करेंगे। पीएमओ की तरफ से प्रशासन को मिली

जानकारी के मुताबिक प्रधानमंत्री एक दिनी प्रवास पर 20 अक्टूबर को काशी में साढ़े पांच घंटे बिताएंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री दोपहर 12.30 बजे विशेष विमान से बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचने के बाद सबसे पहले रिंग रोड किनारे हरिहरपुर में नवनिर्मित शंकर नेत्रालय जाएंगे, जहां वे कांचि कामकोटि पीठ के शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती से आशीर्वाद लेंगे। शंकर आई हॉस्पिटल के लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से शहर में आकर काशीवासियों के बीच पहुचेंगे। सिडनी एयरपोर्ट को ऑस्ट्रेलिया और ओसिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा माना जाता है। यह दुनिया के सबसे पुराने हवाई अड्डों में से एक है, जिस पर अभी भी उड़ान जारी है। सिडनी एयरपोर्ट से 46 घरेलू और 43 इंटरनेशनल लोकेशन के लिए फ्लाइट मिलती है।

छठ महापर्व को लेकर पटना में 21 टीम तैनात

109 घाटों पर श्रद्धालु देंगे अर्घ्य, डीएम का निर्देश- 5 दिन के अंदर रिपोर्ट सौंपे अधिकारी

पटना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा में महज कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। इसको देखते हुए पटना में छठ घाटों की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण का काम तेजी से चल रहा है। पटना डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह की ओर से छठ महापर्व, 2024 के सफल आयोजन के लिए छठ पर्व कोषांग का गठन किया गया है। उप विकास आयुक्त इस कोषांग के वरीय नोडल पदाधिकारी बनाए गए हैं। डीएम की ओर से छठ पर्व के अवसर पर समय से घाटों को तैयार करने के लिए घाटों का निरीक्षण, खतरनाक घाटों की पहचान और अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए 109 घाटों को 21 सेक्टर में बांटा गया है। साथ ही सेक्टर पदाधिकारियों एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों के नेतृत्व में 21

टीम की तैनाती की गई है। इन पदाधिकारियों द्वारा 109 घाटों का निरीक्षण कर 18 अक्टूबर तक रिपोर्ट सबमिट किया जाएगा।

डीएम डॉक्टर चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि 'छठ महापर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीएम ने छठ घाटों की तैयारी, स्वच्छता, यातायात व्यवस्था, घाटों पर नियंत्रण कक्ष और वाच टावर की स्थापना, आपदा प्रबंधन, चिकित्सा व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, लाउडस्पीकर की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा, शौचालय, चापाकल और यूरिनल की व्यवस्था, विधि-व्यवस्था संधारण सहित विभिन्न बिन्दुओं पर आवश्यक निर्देश दिया है।'

डीएम डॉ. चंद्रशेखर ने कहा कि पदाधिकारियों द्वारा जिला अन्तर्गत सभी घाटों का सम्यक निरीक्षण किया जाएगा। घाटों पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहेगी।

पुरूष और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, स्वच्छ पेयजल की सुविधा, पर्याप्त संख्या में पेंडिंग रूम, छठव्रतियों के ठहरने हेतु यात्री शेड, घाटों के बाहर वाहन पार्किंग की सुविधा रहेगी। घाटों की बैरिकेडिंग की जाएगी। घाटों पर जाने के लिए संपर्क पथ की अच्छी स्थिति सुनिश्चित की जाएगी। वाच टावर, नियंत्रण कक्ष, साउंड बॉक्स और सीसीटीवी कैमरा की व्यवस्था की जाएगी।

खाने में थूक मिलाया तो होगी जेल

योगी सरकार बना रही कानून, 10 साल की सजा, देश का पहला राज्य होगा

लखनऊ, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी में खाने-पीने की चीजों में थूक या यूरिन मिलाने पर 10 साल तक की जेल होगी। योगी सरकार इसे लेकर कानून तैयार कर रही है। अगर यह कानून लागू हुआ तो ऐसा कानून लागू करने वाला यूपी देश का पहला राज्य होगा। नए कानून में ग्राहक को यह अधिकार भी मिलेगा कि वह होटल, रेस्टोरेंट में पूछ सकेंगे कि उन्हें जो खिलाया जा रहा है। दरअसल, सरकार उत्तर प्रदेश छद्म सौहार्द विरोधी क्रियाकलाप निवारण एवं थूकना प्रतिषेध अध्यादेश-2024 और यूपी प्रिवेंशन ऑफ कन्टेमिनेशन इन फूड अध्यादेश लेकर आ रही है। सीएम योगी मंगलवार शाम अपने आवास पर दोनों अध्यादेश के मसौदे पर गृह, विधि एवं न्याय, संसदीय कार्य और खाद्य एवं रसद आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ इस पर मंथन करेंगे।

12 महीने के लिए 4 विधायक चुनेगा बिहार

उपचुनाव वाली 4 सीटों में 3 पर महागठबंधन का था कब्जा, इस बार मैदान में जनसुराज भी

पटना, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की 4 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान हो चुका है। इसके साथ ही बिहार अब 12 महीने के लिए 4 विधायकों को चुनेगा। ऐसा इसलिए क्यों कि बिहार में अगले साल ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। बिहार विधानसभा की 4 सीटें लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद से खाली हैं। चारों सीटों में से 3 पर महागठबंधन का कब्जा था।

नई पार्टी जनसुराज के सुप्रीमो प्रशांत किशोर ने पार्टी की स्थापना के साथ ही यह कहा कि 'बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जनसुराज 4 सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भी उम्मीदवार उतारेगी। 2025 में विधानसभा के फाइनल मुकाबले से पहले 2024 में होने वाले उपचुनाव को बिहार की राजनीति का सेमीफाइनल माना जा रहा है। प्रशांत किशोर की भी अग्निपरीक्षा 2024 में ही हो जाएगी। खाली हुई विधानसभा सीटों की बात करें तो बेलागंज विधानसभा की सीट सुरेंद्र यादव के जहानाबाद से सांसद चुने जाने से खाली हुई है। रामगढ़ की सीट सुधाकर सिंह के बक्सर से सांसद चुने जाने की वजह से खाली हुई है। तरारी की सीट सुदामा प्रसाद के आरा के सांसद चुने जाने के बाद खाली हुई है। इमामगंज की सीट जीतन राम मांझी के गया से सांसद चुने जाने खाली हुई है।

4 सीटों का समीकरण

इमामगंज- यहां से जीतनराम मांझी विधायक थे। गया से सांसद बनने के बाद ये सीट खाली हुई है। 2020 विधानसभा चुनाव में जीतन राम मांझी को 78762 वोट और विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष आरजेडी के उदय नारायण चौधरी को 62728 वोट मिले थे। ऐसी चर्चा है कि आरजेडी या महागठबंधन की और से उदय नारायण चौधरी एक बार फिर मैदान में उतर सकते हैं।

हालांकि महागठबंधन से रोशन मांझी के नाम की भी खूब चर्चा है। हम पार्टी से जीतन राम मांझी के घर से ही किसी के उम्मीदवार होने की उम्मीद है। बहू दीपा संतोष मांझी सोशल मीडिया पर एक्टिव रही हैं। उन्हें भी उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

रामगढ़- आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह रामगढ़ से विधायक थे। वे बक्सर से लोकसभा का चुनाव जीते हैं, इसलिए यहां उपचुनाव होना है। 2020 में आरजेडी के सुधाकर सिंह को 58083, बीएसपी के अंबिका सिंह को 57894 और बीजेपी के अशोक सिंह को 56084 वोट मिले थे। यहां से जगदानंद सिंह के बेटे अजीत सिंह चुनाव लड़ सकते हैं। लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने जेडीयू छोड़ दी थी। अंबिका सिंह भी फिर से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। विधान परिषद से बर्खास्त किए गए पूर्व एमएलसी सुनील कुमार सिंह के समर्थकों की चाहत है कि उन्हें रामगढ़ से उपचुनाव लड़वाया जाए, लेकिन इसकी संभावना कम दिख रही है। बेलागंज- आरजेडी के विधायक सुरेन्द्र प्रसाद यादव अब जहानाबाद से सांसद बन चुके हैं। चुनाव जीतने के बाद ये सीट खाली हुई है। 2020 में आरजेडी के सुरेन्द्र यादव को 79708, जेडीयू के अभय कुशवाहा को 55745 और एलजेपी के रामाश्रय शर्मा ने 12005 वोट हासिल किए थे। उपचुनाव में सुरेन्द्र यादव अपने बेटे विश्वनाथ के लिए फिल्डिंग कर रहे हैं।

वाल्मीकिनगर-बगहा मेन रोड पर टहलते दिखे 2 तेंदुए

अंधेरे में दूर से चमक रही थी आंखें, रास्ते से गुजर रहे यात्री ने बनाया वीडियो

बगहा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। वाल्मीकि नगर-बगहा मेन रोड पर रविवार रात दो तेंदुए चहलकदमी करते नजर आए। तेंदुओं का वीडियो भी सामने आया है, जिसे देर रात उस रास्ते से गुजर रहे वाल्मीकि नगर निवासी अजय अशोक झा ने बनाया। करीब 50 सेकेंड के वीडियो में 2 तेंदुए दिख रहे हैं। एक रोड के किनारे कुछ देर इंतजार करता है, फिर अचानक से रोड क्रॉस करता है। उसके रोड क्रॉस करते ही, दूसरा तेंदुआ भी दौड़ते हुए आता है। रात के अंधेरे में दोनों की आंखें दूर से ही चमक रही थीं। इस नजारे को देख कार में बैठे लोग रोमांचित भी हुए और डरे भी। अजय अशोक झा अपने परिवार के साथ देर रात पटना से बगहा लौट रहे थे। उन्होंने तेंदुओं की जानकारी वन विभाग को भी दी है। विभाग अब तेंदुए की गतिविधियों पर निगरानी बनाए हुए है। ताकि स्थिति पर नियंत्रण रखा जा सके। बारिश से पहले से जंगल सफारी बंद है। ऐसे में जंगल के अंदर वाहनों का परिचालन बिल्कुल बंद है। लोग का जंगल के अंदर आना-जाना भी बंद है। यही कारण है कि इन दिनों सड़क पर जंगली जानवर दिखाई दे रहे हैं।

तेंदुओं का वीडियो बनाने वाले अशोक झा ने बताया कि 'मैं परिवार के साथ पटना से वाल्मिकीनगर लौट रहा था। इसी दौरान धोबहा पुल के पास एक साथ तेंदुए दिखें। उन्हें देख मेरे बच्चे और पत्नी खुशी से चिल्लाने लगे। हालांकि इस दौरान शांति बनाए रखने की अपील की और कार का शीशा बंद है कि नहीं यह चेक किया।' सूचना मिलते ही वनपाल साधु दास के नेतृत्व में वन कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. नेसामणि के ने बताया कि तेंदुए की उपस्थिति की पुष्टि हुई है। लोगों से जंगल के नजदीक जाने से परहेज करने की अपील की गई है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। वन प्रशासन ने ग्रामीणों और पशुपालकों को चेतावनी दी है कि वे जंगल क्षेत्र की ओर न जाएं। वन संरक्षक ने बताया कि टाइगर रिजर्व क्षेत्र में मांसाहारी और शाकाहारी जीवों की संख्या में हाल के वर्षों में वृद्धि हुई है, जो वन्यजीव संरक्षण के सफल प्रयासों का नतीजा है।

बिजली विभाग कार्यालय का घेराव, 5 दिनों से बत्ती गुल

भागलपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भागलपुर के सुल्तानगंज के मदारिया गांव में पिछले पांच दिनों से इलाके में बिजली नहीं रहने की वजह से मंगलवार को ग्रामीणों ने सुल्तानगंज विद्युत कार्यालय में पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। बिजली विभाग को घेरकर धरना प्रदर्शन पर बैठे लोगों पूरी जानकारी दी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दो महीने पहले इलाके का 11000 का तार कनेक्शन गल गया था। जिसके बाद सभी के घरों को बिजली गुल हो गई। स्थानीय मिस्त्री द्वारा लोगों ने इसे ठीक करवाया लेकिन बिजली समस्या बरकरार है।

लोगों ने कहा कि बिजली का कनेक्शन कभी भी कट जाने के कारण लोगों को परेशानियों होने लगी। बार-बार स्थानीय लोगों के सहयोग से इसे ठीक कराना पड़ता था। पांच दिन पूर्व बिजली तार में अचानक आग लग गई। खंभे से टूटकर तार नीचे गिर गया। हालांकि इस दौरान कोई हादसा नहीं दिया उसके बावजूद भी समय रहते बिजली विभाग के अधिकारियों ने मामले को लेकर ध्यान नहीं दिया। लोग एक-एक बूंद के पानी के लिए तरसने लगे। मोबाइल चार्ज समेत अन्य बिजली से जुड़े चीज बंद हो गई। जिससे नाराज होकर हम लोगों ने आज धरना प्रदर्शन पर बैठे हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द दुरुस्त कर समस्या को समाधान की जाए। अन्यथा यह धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

नोएडा के स्कूल में बच्ची से डिजिटल रेप

नोएडा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोएडा के एक प्राइवेट स्कूल में साढ़े तीन साल की बच्ची के साथ डिजिटल रेप हुआ। घटना के बाद से बच्ची सहमी हुई है। कुछ दिनों से बच्ची स्कूल नहीं जा पा रही थी और गुमसुम रहने लगी थी। बच्ची के पिता उसे लेकर डॉक्टर के पास गए। डॉक्टर ने जो बताया उससे परिजनों के होश उड़ गए।

डॉक्टर ने बताया- उनकी बेटी के प्राइवेट पार्ट में किसी ने छेड़छाड़ की है। प्यार से जब परिजनों ने बच्ची से घटना के बारे में पूछा तो बच्ची ने बताया कि स्कूल में जो भैया प्लेट देते हैं, उन्होंने दो दिन पहले गंदी हरकत की। कुछ चुभाया था। तभी से दर्द हो रहा है। किसी से बताने पर मारने की धमकी दी थी।

पुलिस को दी गई शिकायत में गोरखपुर निवासी बच्ची के पिता ने बताया- वह परिवार के साथ नोएडा में रहते हैं। उनकी तीन साल सात महीने की बेटी सेक्टर-27 स्थित एक स्कूल में पढ़ती है। दरिंदगी स्कूल परिसर के अंदर हुई।

परिजनों ने 10 अक्टूबर को सेक्टर-20 थाने में शिकायत दी। केस दर्ज कर पुलिस ने आरोपी कर्मचारी निठारी निवासी नित्यानंद को गिरफ्तार कर लिया है।

केस दर्ज होने के बाद आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया। आरोपी स्कूल में सफाई का काम करता है और उसकी भर्ती आउटसोर्सिंग के जरिए कुछ महीने पहले ही हुई थी। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद से बच्ची सहमी है। किसी भी अनजान व्यक्ति को देखकर रोने लगती है। डर के कारण उसने स्कूल जाना भी बंद कर दिया है। स्कूल परिसर के अंदर हुई इस घटना से सनसनी फैल गई। अभिभावकों के अंदर डर बैठ गया है। इस मामले में स्कूल प्रबंधन ने चुप्पी साध रखी है।

डिजिटल रेप: डिजिटल रेप का मतलब रिप्रोडक्टिव ऑर्गन के अलावा किसी अंग या ऑब्जेक्ट जैसे उंगलियां, अंगूठा या किसी वस्तु का यूज करके जबरन सेक्स करना है। यह शब्द दो शब्द डिजिट और रेप से बना है। अंग्रेजी में डिजिट का मतलब अंक होता है। साथ ही उंगली, अंगूठा, पैर की उंगली जैसे शरीर के अंगों को भी डिजिट कहा जाता है। यानी कि किसी महिला से बिना उसकी सहमति के पेनिस की बजाय किए गए यौन उत्पीड़न को डिजिटल रेप कहा जाता है। इसमें आरोपी पीड़िता के पास फिजिकली मौजूद होता है।

भरत मिलाप मेले में 'यादव बंधुओं' की भीड़ बढ़ी तो लाठीचार्ज

अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदेगा भारत

32 हजार करोड़ की डील फाइनल, तीनों सेनाओं को मिलेंगे; देश में ही बनेगी मेंटेनेंस फैसिलिटी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका और भारत के बीच मंगलवार को 32 हजार करोड़ की डिफेंस डील फाइनल हो गई है। इसके तहत भारत 31 प्रीडेटर (एमक्यू-9बी हंटर किलर) ड्रोन अमेरिका से खरीदेगा। ये अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का ही एक वैरिएंट है।

ये ड्रोन तीनों सेनाओं को दिए जाएंगे। इसके मेंटेनेंस और रिपेयरिंग के लिए देश में ही फैसिलिटी बनाई जाएगी। डिफेंस अफसर ने कहा कि दोनों देशों के सीनियर अफसरों ने मंगलवार को डील पर दस्तखत किए गए। पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में यह डील फाइनल हुई थी। भारत ने अमेरिका के साथ अमेरिकी चुनाव के एक हफ्ते पहले किया है।

अमेरिका की जनरल एटॉमिक्स भारत को ये ड्रोन देगी। इन्हें चेन्नई

में आईएनएसराजानी, पोरबंदर और गुजरात के सरसावा में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा इसे UP के गोरखपुर में भी तैनात किया जाएगा। इंडियन नेवी को 15 सी गार्जियन ड्रोन मिलेंगे। एयरफोर्स और आर्मी को ऐसे 8-8 ड्रोन मिलेंगे।

एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का ही एक वैरिएंट है। रीपर ड्रोन से हेलफायर मिसाइल को लॉन्च किया जा सकता है। अमेरिकी ने इसी हेलफायर मिसाइल से जुलाई 2022 में काबुल में अलकायदा के लीडर अल-जवाहिरी को मारा था।

यह ड्रोन करीब 35 घंटे हवा में रह सकता है। यह फुली रिमोट कंट्रोल्ड है। इसके लिए दो लोगों की जरूरत पड़ती है। यह एक बार उड़ान भरने के बाद 1900 किलोमीटर क्षेत्र की निगरानी कर सकता है। यह एक घंटे में 482 किलोमीटर उड़ सकता है।

भारत थल, जल और वायु तीनों सेना के बेड़े में एमक्यू-9बी ड्रोन को तैनात करना चाहता है। इस ड्रोन को बनाने वाली कंपनी जनरल एटॉमिक्स, इसके मल्टीटैलेंटेड होने का दावा करती है।

कंपनी का कहना है कि जासूसी, सर्विलांस, इन्फॉर्मेशन कलेक्शन के अलावा एयर सपोर्ट बंद करने, राहत-बचाव अभियान और हमला करने के लिए इसका इस्तेमाल हो सकता है।

इस ड्रोन के दो वैरिएंट स्काई गार्डियन और सिबलिंग सी गार्डियन हैं। भारत यह ड्रोन दो वजहों से खरीद रहा है पहली- एलएसी से लगे एरिया में चीन को भनक लगे बिना उसकी निगरानी करने के लिए। दूसरा- साउथ चाइना सी में चीन की घुसपैठ को रोकने के लिए।

नाबालिगों ने दी मुंबई-न्यूयॉर्क फ्लाइट में बम-ब्लास्ट की धमकी

छत्तीसगढ़ के कारोबारी के बेटे समेत 4 हिरासत में; आईडी हैक कर भेजा था ई-मेल

राजनांदगांव, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई से न्यूयॉर्क जा रहे एयर इंडिया के विमान को 'एक्स' पर बम से उड़ाने की धमकी मामले में मुंबई पुलिस ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में छापेमारी की है। पुलिस ने मोबाइल और कम्प्यूटर कारोबारी के बेटे समेत 4 नाबालिग संदेहियों को हिरासत में लिया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मुंबई पुलिस की स्पेशल 5 सदस्यीय टीम कारोबारी के 17 साल के बेटे से पूछताछ कर रही है। टीम कारोबारी के घर सोमवार रात तक डटी रही। फिर वहां से उसे राजनांदगांव के विश्राम गृह लेकर आई है। आरोपी ने दूसरे की मेल आईडी हैक कर धमकी दी थी। पहले भी ये ट्रेन को उड़ाने की धमकी दे चुका है। तब पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया था।

टीम ने लैपटॉप, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस समेत

आरोपी के कार को भी जब्त किया है। सभी की जांच की जा रही है। चारों नाबालिगों को अलग-अलग बैठाकर पूछताछ कर रही है। मौके पर राजनांदगांव पुलिस के भी 5 से 7 जवान भी मौजूद हैं। वहीं रात में आईज, एसपी समेत आला अधिकारी भी पहुंचे थे।

राजनांदगांव रेस्ट हाउस के अंदर साइबर की टीम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ आरोपी के ईमेल और कॉल डिटेल चेक कर रही है। केस कनेक्टिविटी का पता लगा रही है। आरोपी ने दूसरे का ईमेल आईडी हैक कर धमकी भरा मेल भेजा और 'एक्स' पर पोस्ट किया है।

आरोपी लड़के के पिता का नाम मंगूलाल अग्रवाल है, जो मोबाइल और कंप्यूटर का शॉप चलाते हैं। इनका बड़ा कारोबार है। किसी वजह से शॉप कुछ दिनों से बंद है।

कारोबारी का घर पहले डोंगरगढ़ के मूसरा गांव में था। वहां से राजनांदगांव के सनसिटी में शिफ्ट हो गए हैं। 4 साल से यहां रह रहे हैं।

विमान की जांच के बाद बम जैसी किसी वस्तु की पुष्टि नहीं हुई है। सभी यात्री सुरक्षित हैं और मामला खतरे से बाहर हैं। बम की धमकी और अफवाह को फैलाने वाले को लेकर टीम ने छत्तीसगढ़ में छापेमारी की। मुंबई पुलिस कमिश्नर ने विशेष जांच टीम बनाई है। पूरी टीम को लीड 2015 बैच के आईपीएस मनीष कलवानिया कर रहे हैं।

मानसून की विदाई के बीच देश में बारिश का आसार

तमिलनाडु में स्कूल-कॉलेज बंद, 8 फ्लाइट्स कैंसिल

एमपी, महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में भी बारिश की संभावना

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के अधिकांश हिस्से से मानसून की वापसी हो चुकी है, लेकिन बारिश का असर बना हुआ है। तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण सीएम एमके स्टालिन ने 15 अक्टूबर तक 4 जिलों के सभी स्कूल-कॉलेज में छुट्टी का निर्देश दिया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले 4 दिन भारी बारिश का अलर्ट है। आज चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू में भारी का अलर्ट है। बेंगलुरु, अंडमान, नई दिल्ली और मस्कट से चेन्नई आने-जाने वाली आठ उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और दक्षिणी भारत के राज्यों में हल्की से तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश में लो प्रेशर एरिया डिप्रेशन में बदल गया है। वहीं, ट्रफ भी गुजर रही है।

इसके कारण से प्रदेश के कई

हिस्सों में बारिश हो रही है। वहीं, रात को हल्की ठंड का असर दिखने लगा है। मौसम विभाग के मुताबिक, एमपी में 20 अक्टूबर से ठंड का असर और बढ़ेगा। हालांकि, दिन का तापमान 33-34°C डिग्री के बीच बना रहेगा। अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में दिवाली के करीब तापमान में बड़ी गिरावट आने की संभावना है।

अगले दो दिन में छत्तीसगढ़ से मानसून की वापसी पूरी तरह से हो जाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, अब प्रदेश में ड्राई हवा का असर दिखेगा, रात का तापमान गिरेगा। उत्तर-पूर्वी हवाओं ने छत्तीसगढ़ के बड़े हिस्से को कवर किया है।

आंध्र-प्रदेश में अगले तीन दिन भारी बारिश

मौसम विभाग ने 17 अक्टूबर तक आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसके कारण बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व में लो प्रेशर एरिया का बनना है। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाके, रायलसीमा, यानम में बिजली गिरने का भी अलर्ट जारी किया है। यहां 60 केएमपीएच की रफ्तार से हवा भी चलेगी। चित्तूर, कुर्नूल, कडप्पा और अनंतपुर जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है।

इस बीच, मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मौसम की स्थिति और उससे निपटने की उनकी तैयारियों पर जिला कलेक्टरों, अधिकारियों और मंत्रियों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंसिंग की। नायडू ने निर्देश दिया है कि जहां भारी बारिश होने की संभावना है, वहां रहने वाले लोगों को पहले से अलर्ट किया जाए। लोगों के मोबाइल पर मैसेज भेजें।

दिल्ली में पहले स्टेज का एंटी-पॉल्यूशन प्लान एक्टिव

दिल्ली एनसीआर में एयर क्वालिटी इंडेक्स लगातार खराब है। इसके चलते सोमवार सुबह 8 बजे से नोएडा समेत एनसीआर के सभी शहरों में स्टेज-1 का ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) को लागू किया जा रहा है। ये निर्णय कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट की एक बैठक के बाद लिया गया।

दिल्ली-एनसीआर में एयर क्वालिटी इंडेक्स 201 से 300 के बीच है। ऐसे में स्टेज-1 को लागू किया जा रहा है। इसके तहत कारखानों में जनरेटर पर रोक लगा दी गई है। साथ ही कंस्ट्रक्शन कार्यों और होटलों में तंदूर बैन कर दिया गया है। जैसे-जैसे प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा, पाबंदियों को बढ़ाया जाएगा। इसका दूसरा चरण 301 से 400 के बीच में होने पर लागू होगा। एक्यूआई 401 से 450 के बीच में होने पर तीसरे चरण पर निगरानी होगी। एक्यूआई 450 से ज्यादा होने पर चौथे चरण पर ग्रेप की पाबंदियां लागू होंगी। इस आदेश की कापी एनसीआर के सभी प्राधिकरण, जिला प्रशासन को भेज दी गई है।

मायके वालों के हस्तक्षेप से संयुक्त परिवार टूटा

पत्नी अपने लिए और पति भाई-पिता के लिए खाना बनाता था, कोर्ट ने तलाक की मंजूरी दी

सूरत, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरत की फैमिली कोर्ट ने एक व्यक्ति की तलाक याचिका मंजूर कर ली। पति की अर्जी मंजूर करते हुए कोर्ट ने कहा- इस मामले में साबित हुआ है कि पत्नी की क्रूरता का शिकार याचिकाकर्ता पति हुआ है। साथ ही कोर्ट ने पत्नी का वैवाहिक जीवन आबाद करने की अर्जी भी खारिज कर दी।

पति संयुक्त परिवार में रहता है, इसकी पूरी जानकारी होने के बावजूद शादी के बाद पत्नी ने सभी जिम्मेदारियों से हाथ ऊंचा कर पहली मंजिल पर अलग रसोईघर बना लिया और अपने लिए अलग खाना बनाने लगी, जबकि पति ग्राउंड फ्लोर की रसोईघर में अपने पिता और मंदबुद्धि भाई के लिए खाना बनाता था।

खाना बनाना हो या घर के अन्य काम, पत्नी कोई जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं थी, लेकिन अपने खर्च के पैसे जरूर लेती थी। पति को नौकरी के साथ-साथ घर के काम भी करने पड़ते थे। इससे तंग आकर आखिरकार उसने वकील प्रीति जोशी के जरिए कोर्ट में तलाक की अर्जी दी, जो मंजूर हो गया।

मामले की जानकारी के अनुसार सूरत के राकेश और अंकलेश्वर की रमीला (दोनों बदले नाम) की शादी साल 2017 में हुई। राकेश पिता और भाई के साथ संयुक्त परिवार में रहता था। शादी के बाद सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन धीरे-धीरे पत्नी ने घर के कामकाज और अन्य सभी जिम्मेदारियों से हाथ ऊंचा कर लिया।

मायके वालों के कहे में आकर विवाहिता ने ससुराल वालों से बुरा बर्ताव करना शुरू कर दिया। घर के सदस्यों का खाना बनाना बंद कर दिया और ग्राउंड फ्लोर के वर्षों पुराने रसोईघर में काम करना बंद कर पहली मंजिल पर अलग चूल्हा करके वहीं अपना खाना बनाने लगी।

जबकि पति अपने पिता और भाई के लिए ग्राउंड फ्लोर की रसोईघर में खाना बनाता था। इस तरह पति को नौकरी के साथ घर के कामों की भी जिम्मेदारी उठानी पड़ती थी। सुबह-शाम की चाय-नाश्ता, सब कुछ पति ही तैयार करता था।

पत्नी पहली मंजिल पर रहती थी और घर की सभी जिम्मेदारियां छोड़ दी थीं। खाना तो दूर, सफाई भी नहीं करती थी। पति काम पर जाता तब बुजुर्ग ससुर घर की साफ-सफाई करते थे, जिससे उन्हें कई परेशानी का सामना करना पड़ता था। पत्नी पहली मंजिल पर अलग रहती थी, लेकिन ब्यूटी पार्लर और अन्य खर्च पति से ही लेती थी। अगर पति पैसे नहीं देता तो उसके पूरे परिवार को दहेज केस में फंसाने की धमकी भी देती थी। आखिरकार पति ने तलाक के लिए अदालत में अर्जी दी, जबकि पत्नी ने वैवाहिक जीवन जारी रखने की अर्जी दी थी।

डीजी एस परमेश ने भारतीय तटरक्षक बल के नए प्रमुख का संभाला पदभार

कहा- इसे पूरी क्षमता से निभाना चाहता हूं

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले महीने से पूर्व महानिदेशक राकेश पाल के निधन के बाद से महानिदेशक के रूप में काम कर रहे डीजी एस परमेश ने आज भारतीय तटरक्षक बल के नए प्रमुख के तौर पर पद संभाल लिया है। उन्होंने पिछले तीन दशकों में संगठन में कई पदों पर रहते हुए शानदार सेवा की है। फ्लैग ऑफिसर नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन के पूर्व छात्र का पेशेवर इतिहास उपलब्धियों से भरा हुआ है और उन्होंने अपने सभी कामों में उत्कृष्ट और सराहनीय प्रदर्शन का ट्रैक रिकॉर्ड बनाया है। आज नई जिम्मेदारी संभालने से पहले उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वहीं नए पद को संभालने के दौरान भारतीय तटरक्षक बल के प्रमुख महानिदेशक एस परमेश ने कहा, भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक का पदभार संभालना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक सम्माननीय जिम्मेदारी है, जिसे मैं अपनी पूरी क्षमता से निभाना चाहता हूं। मैं भारतीय तटरक्षक बल के समग्र विकास और प्रगति के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाने का इरादा रखता हूं। मैं तटरक्षक बल को सभी मोर्चों पर आगे बढ़ाने के लिए तीन प्रमुख स्तंभों ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता को अपनाना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा कि मेरी प्राथमिकता समुद्री क्षेत्र में, भारतीय नौसेना और समुद्री पुलिस के साथ घनिष्ठ सहयोग और सहकारिता मेरे लिए अनिवार्य होगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि समुद्री सुरक्षा की सभी परिसंपत्तियों पर अच्छी तरह ध्यान दिया जाए।

पूर्व आरएसएस प्रमुख वेलिंगकर को एचसी से राहत

सेंट फ्रांसिस जेवियर टिप्पणी मामले में मिली अग्रिम जमानत

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व प्रमुख सुभाष वेलिंगकर को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गोवा पीठ वेलिंगकर को सेंट फ्रांसिस जेवियर के बारे में उनके बयान से कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के मामले में अग्रिम जमानत दे दी।

न्यायमूर्ति बीपी देशपांडे की एकल पीठ ने अग्रिम जमानत के लिए मुख्य याचिका तथा पीड़ित पक्षों द्वारा दायर पांच अन्य हस्तक्षेप याचिकाओं का निपटारा किया। पीठ ने 10 अक्तूबर को वेलिंगकर को थोड़ी राहत दी थी।

क्या है मामला?

बता दें, बिचोलिम पुलिस ने राज्य में अलग-अलग थानों में पूर्व आरएसएस नेता के खिलाफ शिकायत दर्ज होने के बाद धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में उनके खिलाफ छह

अक्तूबर को एक मामला दर्ज किया था। पुलिस ने आप विधायक क्रूज सिल्वा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत का संज्ञान लिया था, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

नोटिस का पालन करने की वजह से मिली अग्रिम जमानत

हाईकोर्ट में हस्तक्षेप याचिका के माध्यम से आम आदमी पार्टी (आप) विधायक सिल्वा का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील अमित पालेकर ने आज कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 35 के तहत वेलिंगकर को नोटिस जारी किए गए थे, जिसका उन्होंने 10 अक्तूबर और 11 अक्तूबर को जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अनुपालन किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि चूंकि वेलिंगकर ने नोटिस का अनुपालन किया है, इसलिए सरकारी वकील ने भी पीठ के समक्ष कहा कि उनकी गिरफ्तारी की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने कहा, 'अतः कानून के अनुसार, हाईकोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि मुख्य आवेदन (अग्रिम जमानत के लिए) और सभी हस्तक्षेप याचिकाओं का निपटारा किया जाता है।'

यह मांग भी की गई

सुनवाई के दौरान पालेकर ने कहा कि वेलिंगकर के वकील ने यह भी अनुरोध किया था कि अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय द्वारा मामले की योग्यता पर दिए गए बयानों को हटा दिया जाए। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने आठ अक्टूबर को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। वकील ने कहा कि न्यायाधीश ने निचली अदालत द्वारा अपने फैसले में की गई कुछ टिप्पणियों को हटा दिया।

गोवा के सेंट फ्रांसिस जेवियर पर वेलिंगकर के बयान से छह अक्तूबर को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था। मुख्य विरोध प्रदर्शन मडगांव शहर में हुआ, जहां पूरे दिन राजमार्ग अवरुद्ध रहा तथा प्रदर्शनकारियों ने उनकी गिरफ्तारी की मांग की। सेंट फ्रांसिस जेवियर के पवित्र अवशेष पुराने गोवा के 'बेसिलिका ऑफ बोम जीसस' में संरक्षित हैं।

'पीएम के तीसरे कार्यकाल में तीन गुना अधिक करनी होगी मेहनत', वैष्णव बोले- पीएम ने तय किया लक्ष्य

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रौद्योगिकी पर भारतीय गुणवत्ता प्रबंधन फाउंडेशन (आईएफक्यूएम) संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा- कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक लक्ष्य निर्धारित किया है और इस बार आपको उनके पहले और दूसरे कार्यकाल के मुकाबले तीन गुना अधिक मेहनत करनी होगी, तीन गुना अधिक और तीन गुना अधिक प्रयास करने होंगे। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि मानसिकता में बदलाव आया है जिससे हमें उम्मीद और विश्वास है कि 2047 तक हम एक विकसित राष्ट्र बन सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि- विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त करने का क्या अर्थ है, इस पर विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, तीन प्रमुख तत्व हैं, पहला है एक बहुत ही समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज। विकसित भारत होने का दूसरा बड़ा तत्व है सामाजिक भौतिक और डिजिटल अवसंरचना का होना। तीसरा है मापदंडों को प्राप्त करना, जो मापने योग्य पैरामीटर हैं, 18,000 डॉलर प्रति व्यक्ति आय, 2047 तक 30 ट्रिलियन नाममात्र जीडीपी।

वहीं आगे जिस रोडमैप का पालन करने की जरूरत है, उस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, आज, हम 4 ट्रिलियन नाममात्र से बस थोड़ा पीछे हैं, प्रति व्यक्ति $3,000 नाममात्र से बस चार कम हैं। इसका मतलब है कि हमारे पास एक रास्ता है जहां हमें अगले 25 वर्षों में लगभग 6 गुना, 11 गुना बढ़ने की जरूरत है। उस गति से विकास अतीत में कई देशों की तरफ से हासिल किया गया है। यह कुछ ऐसा है जो किया गया है, जिसका प्रदर्शन किया गया है,

जो संभव है, जो करने योग्य है।

उन्होंने आगे कहा कि, इसके लिए बहुत मजबूत नींव, बहुत सावधानी से सोची-समझी रणनीति, सावधानीपूर्वक क्रियान्वयन और विकास की एक कड़ी प्रक्रिया की जरूरत है, जो चुनावों के चक्र से परे हो। यही हम प्रयास कर रहे हैं। यही वह है जिस पर हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी पिछले 10 वर्षों से लगातार ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, उन्होंने ठीक यही किया है। यदि आप इसके पीछे की विचार प्रक्रिया को देखें, तो विचार प्रक्रिया में चार स्तंभ शामिल हैं। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहला स्तंभ सामाजिक, डिजिटल और भौतिक बुनियादी ढांचे में निवेश है, उन्होंने कहा, कई उदाहरण हैं। हमने 5जी डिजिटल बुनियादी ढांचे का तेजी से रोलआउट देखा है। हमने यूपीआई का निर्माण, डिजिटल क्रेडिट का निर्माण, राष्ट्रीय स्वास्थ्य जैसे प्लेटफार्मों का निर्माण और लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म देखा है। ये सभी ऐसे प्लेटफॉर्म हैं जो तकनीक को अंतिम मील तक ले गए हैं। वह डिजिटल बुनियादी ढांचा है, भौतिक कई उदाहरण हैं। कई लोगों ने अतीत में बात की है कि पिछले 10 वर्षों में लगभग 58,000-54,000 किलोमीटर सड़क की लंबाई जोड़ी गई है। पिछले 10 वर्षों में 31,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े गए हैं। दूसरा बड़ा स्तंभ समावेशी विकास है। तीसरा स्तंभ विनिर्माण और नवाचार के बारे में है।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास संपन्न

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी चेतना मास समारोह के अंतर्गत हिंदी में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि ने भाग लिया। इसके अलावा उक्त चेतना मास के दौरान हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

संस्थान में आज हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् गान से हुआ। डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत

किया तथा संस्थान में संपन्न राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने आयोजित विविध कार्यक्रमों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक ने संस्थान में राजाभाषा कार्यान्वयन को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा श्रीमती जी सरस्वती, आहरण एवं संवितरण अधिकारी को वार्षिक नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए।

तत्पश्चात उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सहभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र तथा निर्णायकों को स्मृति चिह्न प्रदान किए। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। संस्थान में संपन्न पूरे हिंदी चेतना मास समारोह के कार्यक्रमों का संचालन एवं समन्वय डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ.महेश कुमार के द्वारा किया गया।

अयोध्या के मिल्कीपुर में भी होगा चुनाव?

अयोध्या, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)।अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर चुनाव गोरखनाथ बाबा की याचिका के कारण स्थगित है। याचिका अवधेश प्रसाद द्वारा दाखिल एफिडेविट के खिलाफ है। गोरखनाथ बाबा अब याचिका वापस लेने की सोच रहे हैं। चुनाव का ऐलान याचिका वापसी के बाद हो सकता है। चुनाव आयोग यह प्रक्रिया जल्द शुरू करेगा। अयोध्याः उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर मंगलवार को चुनाव आयोग ने उपचुनाव का ऐलान कर दिया। हालांकि, अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर चुनाव का ऐलान नहीं किया गया। इसके पीछे पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा की वह याचिका थी, जो अवधेश प्रसाद के चुनाव के खिलाफ हाई कोर्ट में दाखिल की गई थी। अब खबर है कि गोरखनाथ बाबा ने अपनी वह याचिका वापस लेने का फैसला किया है ताकि मिल्कीपुर में फिर से चुनाव हो सकें। इस प्रोसेस में एक या दो दिन का समय लग सकता है। उसके बाद हो सकता है कि मिल्कीपुर में भी चुनाव का ऐलान कर दिया जाए। गोरखनाथ बाबा के वकील ने कहा कि चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र, झारखंड विधानसभा चुनाव और यूपी में उपचुनाव का ऐलान किया।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 16 अक्टूबर- 2024

देश विरोधी ताकतों की हार में छिपा है राष्ट्रवाद का संदेश

सुरेश गांधी

बेशक, 370 का खात्मा कर भाजपा ने देश ही नहीं दुनिया भर में ऐतिहासिक काम किया है। यह अलग बात है कि वहां उसे आशा के अनुरुप सफलता नहीं मिली। लेकिन जिस तरीके से विधानसभा चुनाव में जमात-ए-इस्लामी, पीडीपी व अवामी इत्तेहाद पार्टी के प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गयी, वह देश के लिए सुखद संकेत है। खासकर तब, जब देश पिछले चार दशकों से आतंकवाद की आग में सुलगता रहा है। मतलब साफ है इस केंद्र शासित प्रदेश के भविष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच की जीत है। जनता द्वारा अलगाववादियों, आतंकवादियों, चरमपंथियों और उनके संरक्षकों का वोटरुपी ताकत से जो हस्र किया है, उससे साफ है वहां की आवाम को भारतीय लोकतंत्र में विश्वास है। वहां भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। उसे नेशनल कांफ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और कांग्रेस को मिले मतों से ज्यादा मत मिले हैं। ''यह लोकतंत्र की जीत है। जम्मू कश्मीर के अवाम की जीत है। कश्मीर की जनता ने राज करने वालों और काम करने वालों के अंतर को पहचाना है। ''लोगों ने देखा है कि जम्हूरियत उनके दरवाजे पर विकास की दस्तक दे सकती है। लोगों की लोकतंत्र में आस्था पनपी है।''कुलगाम, शोपियां, पुलवामा और सोपोर जैसे इलाकों में बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान किया। जबकि 2018 के पंचायती चुनाव में इन इलाकों में महज 1.1 प्रतिशत मतदान हुआ था। खासकर अलगाववादियों को उस क्षेत्र में भी हार का समाना करना पड़ा जहां से हिजबुल मुजाहिद्दीन के कमांडर बुरहान वानी का ताल्लुक था। वर्ष 2016 में एक मुठभेड़ में वह मारा गया था। उस इलाके में अपने भडक़ाऊ भाषणों से कश्मीर घाटी में नफरत की आग फैलाने वाले सरजन बरकाती और एजाज अहमद गुरु जैसे प्रत्याशी को पांच सौ मतों के नीचे ही सिमट जाना इस बात का संकेत है कि मतदाताओं ने उन लोगों को सिरे से नकार दिया जो केंद्र शासित प्रदेश में अशांति फैलाने की कोशिशों में जुटे रहते हैं। हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा था, "राहुल गांधी के बाद की पीढ़ियां भी अनुच्छेद 370 बहाल नहीं कर पाएंगी। अगर अलगाववादियों और पाकिस्तान ने "शांतिपूर्ण कश्मीर को अशांत करने की योजना बनाई" तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। "आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों का वही हश्र होगा जो (संसद हमले के दोषी) अफजल गुरु का हुआ था।" पीएम मोदी ने पत्थरबाजी और गोलियों को खत्म कर दिया। लेकिन ये तीनों दल जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से जीवित करना चाहते हैं। किसी के पास जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को फिर से जीवित करने की शक्ति नहीं है।" यहां जिक्र करना जरुरी है कि कश्मीर घाटी ने वह दौर भी देखा है जब अलगाववादियों के आह्वान पर आए दिन बंद होता था। एक आवाज पर पूरी घाटी थम जाती थी। धीरे-धीरे ऐसे लोगों को समर्थन मिलना बंद होता गया। चुनाव में अलगाववाद समर्थकों की हार उन विदेशी ताकतों के मुंह पर करारा तमाचा भी है जो देश में अशांति फैलाने के लिए मौके की तलाश में रहती हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने खुद कहा है, जनादेश 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के खिलाफ है लेकिन यह जनादेश कश्मीर की जनता द्वारा अलगाववाद और कश्मीर बनेगा पाकिस्तान का नारा देने वालों के खिलाफ भी है। यह जनादेश अवामी इत्तिहाद पार्टी और प्रतिबंधित जमाते इस्लामी के खिलाफ भी है, क्योंकि प्रतिबंधित जमाते इस्लामी का समर्थित एक भी उम्मीदवार चुनाव नहीं जीत पाया जबकि संयुक्त राष्ट्र की सिफारिशों में कश्मीर मसले के समाधान की वकालत कर रहे इंजीनियर रशीद के लिए अपनी लंगेट सीट को बचाना मुश्किल हो गया था। जबकि पिछले विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक 28 सीटें जीतकर सरकार बनाने वाली महबूबा मुफ्ती की पीडीपी भी इस बार महज तीन सीटों पर सिमट गई। पीडीपी को भी कट्टरपंथी पार्टी माना जाता है।

पांच महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में पीडीपी की सबसे बड़ी नेता महबूबा मुफ्ती स्वयं हार गई थीं। इस बार उनकी पुत्री को विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। पीडीपी भी उन्हीं सीटों पर जीती है, जो आतंकवाद प्रभावित हैं। कश्मीर घाटी में जेईआई के या जेईआई समर्थित जो उम्मीदवार मैदान में अपनी किस्मत आजमाने उतरे थे उनमें से कुछ प्रमुख सैयार रेशी (कुलगाम), एजाज अहमद मीर (जैनापोरा), डॉ तलत मजीद (पुलवामा), अब्दुल रेहमान शाला (बारामुला), मजूर कलू (सोपोर) और कलीमुल्ला लोन (लंगेट) शामिल थे। इसके अलावा सरजन बरकाती (गांदरबल और बीरवाह) और अफजल गुरु के भाई एजाज गुरु (सोपोर) भी मैदान में उतरे थे जो कट्टर अलगाववादी विचारधारा से संबंध रखते थे। लेकिन कश्मीर की अवाम ने इन सबकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। बता दें जहां जमात को किसी भी सीट पर जीत हासिल नहीं हुई है वहीं एआईपी की ओर से मैदान में उतारे गए 38 उम्मीदवारों में से 37 हार गए और केवल लंगेट सीट पर उसे कामयाबी हासिल हुई है। जैनापोरा से जमात समर्थित एजाज अहमद मीर नेकां के शौकत हुसैन गनई से 13,233 वोटों से हारे, जिन्हें 28,251 वोट हासिल हुए। एजाज वाची से पीडीपी विधायक रह चुके हैं और इस बार टिकट न मिलने पर मैदान में निर्दलीय उतरे। बाद में जमात ने उन्हें समर्थन देने का फैसला लिया था। कुलगाम से जमात के सैयार रेशी करीब 7,838 वोटों से सीपीआईएम के एमवाई तारिगामी से हारे। पांचवीं बार जीतने वाले तारिगामी को 33,634 वोट प्राप्त हुए। पुलवामा से डॉ। तलत मजीद पीडीपी के वहीद पर्रा से 22,883 वोटों से हारे, जिन्हें 24,716 वोट मिले। बारामुला से अब्दुल रहमान शाला नेकां के जावेद बेग से 20,555 वोटों से हारे। बेग को 22,523 वोट मिले। सोपोर में जमात ने पूर्व हुर्रियत नेता मंजूर कलू को समर्थन दिया था जो नेकां के इरशाद अहमद कार से 26,569 वोटों से हारे, उन्हें कुल 406 वोट प्राप्त हुए। अफजल गुरु के भाई एजाज गुरु को नोटा से भी कम 129 वोट हासिल हुए। लंगेट से पीएचडी स्कॉलर कलीमुल्ला लोन को जमात ने समर्थन दिया, पर वह इंजीनियर रशीद के भाई और एआईपी प्रत्याशी खुर्शीद अहमद से हार गए। सरजान बरकाती बीरवाह व गांदरबल से लड़े पर जीत नहीं पाए।

गांदरबल में उन्हें 418 वोट पड़े और वे उमर से 32,046 वोटों से हारे। कश्मीर के लिए ये एक बड़ा बदलाव है। पांच साल पहले जब आर्टिकल 370 की समाप्ति को लेकर अटकलें लग रही थीं, महबूबा मुफ्ती का अत्यंत गैरजिम्मेदाराना बयान आया था। 29 जुलाई 2017 को महबूबा मुफ्ती ने कहा था कि अगर आर्टिकल 370 हटा तो कश्मीर घाटी में कोई भारत का झंडा थामने वाला नहीं मिलेगा। जिस समय महबूबा ने ये बयान दिया था, उस वक्त वो जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री थीं। ध्यान रहे कि ये बयान उस महबूबा का था, जिनके पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री बनने से पहले केंद्रीय गृह मंत्री भी रह चुके थे। महबूबा का ये बयान शर्मनाक था। उससे भी शर्मनाक तब, जब महबूबा ने आर्टिकल 370 की समाप्ति के सवा साल बाद अक्टूबर 2020 में बयान दिया कि जब तक जम्मू-कश्मीर में वापस आर्टिकल 370 नहीं लग जाता, वो तिरंगा नहीं फहराएंगी। हुर्रियत का खेल खत्म हो जाने के बाद खुद को कश्मीर में अलगाववाद की सबसे बड़ी झंडाबरदार के तौर पर पेश करने में लगीं महबूबा को अपने बयानों पर शायद पांच साल बाद भी शर्म न आए। लेकिन वहां की जनता ने बता दिया कि हर कश्मीरी को तिरंगा पसंद है। देश के प्रति उनकी भावना अटूट है। राष्ट्रगान और तिरंगे के प्रति सम्मान को उनसे कोई जुदा नहीं कर सकता। गर्व की बात है जिस हुर्रियत की जगह लेने को बेचैन हैं महबूबा और जिस हुर्रियत के कार्यालय में बैठकर कभी कश्मीर को भारत से अलग करने की साजिश रची जाती थी, उसके गेट पर भी भारत का तिरंगा टंगे होने वाली तस्वीर देश और दुनिया ने वायरल होते हुए देखी, महबूबा ने भी देखी होगी। दुनिया भी देख रही है तिरंगामय कश्मीर को। कश्मीर के युवा अब अलगाववाद की राह छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। वो रोजगार, खुशहाली और बेहतर कल के बारे में सोच रहे हैं, न कि पाक प्रायोजित आतंकवाद की राह पकड़ने के बारे में। जो इक्का-दुक्का अब भी भटक रहे हैं, उनके लिए अब हालात आसान नहीं रह गये हैं।

मुंबई में लौटा दाउद का दौर?

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री एवं एनसीपी के ताकतवर मुस्लिम नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में विजय दशमी की रात पटाखे छोड कर जब गाडी में बैठ रहे थे तो उन्हें गोली मार दी गई। तुरंत ही उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। विधानसभा चुनाव की घोषणा के ठीक पहले इस तरह की हत्या को लेकर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इस घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है, इसलिए पुलिस भी उसी कडी में आगे बढ़ रही है। बहरहाल बाबा सिद्दीकी की मुंबई के बांद्रा इलाके में हुई हत्या को लेकर अब सियासी बयानबजी भी खूब हो रही है। अचानक इस हत्या ने सबसे बड़े चुनावी मुद्दे का रूप ले लिया है, जो स्वाभाविक है। विधानसभा चुनावों के ऐन पहले हुई इस हत्या ने न केवल सबको सकते में डाल दिया बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया कि क्या देश की वित्तीय राजधानी एक बार फिर गैंगवॉर और अंडरवर्ल्ड के खौफ वाले दाउद इब्राहिम के दौर में पहुंच गया है। बता दें की दाउद के दौर में सड़कों पर शूटआउट, गैंगवॉर और बड़े कारोबारियों, बिल्डरों, फिल्मी हस्तियों को धमकियां, वसूली, यहां तक कि हत्या भी मुंबई के लिए आम बात हो गई थी। नब्बे के दशक के उस दौर का खौफ आज भी आम मुंबईकरों के मन गहरे तक समाया है। लेकिन समय बदला, दाउद खुद ही देश छोड कर भाग गया। तब से कुछ तो मुंबई पुलिस की सख्ती और कुछ आर्थिक गतिविधियों के स्वरूप में आए तेज बदलाव ने उस दौर को अतीत कूडेदान में डाल दिया। बाबा सिद्दीकी की हत्या से वही डरावना अतीत अचानक वर्तमान में दस्तक देने लगा है। बाबा को हत्या के लगभग पंद्रह दिन पहले ही धमकी दी गई थी। धमकी पर ध्यान न दिए जाने के बाद वाय-लेवल पुलिस सुरक्षा से लैस बाबा सिद्दीकी के नजदीक पहुंच कर हत्यारों ने गोलियों की बरसात कर दी। यह खौफनाक मंजर अपराधियों के बढ़े हुए मनोबल के साथ ही पुलिसिया तंत्र की कमजोरी को भी दर्शाता है। शुरुआती रिपोर्टों में अपराध को अंजाम देने और उसकी जिम्मेदारी लेने के अंदाज के आधार पर इसे लॉरेंस बिश्नोई गैंग की करतूत बताया जा रहा है। हो सकता है यह सच हो, लेकिन 'सलमान खान का साथ देना' इतनी बड़ी वारदात का कारण होगा, यह बात किसी के गले नहीं उतर रही है। ध्यान रहे, इन चुनावों में धारावी री-डिवेलपमेंट प्रोजेक्ट एक बड़ा मुद्दा बना है। खुद बाबा सिद्दीकी भी ईडी जांच के घेरे में थे। उन पर महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन पद के दुरुपयोग का आरोप था। इस मामले में 462 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त हो चुकी है। कहीं हत्या के कारणों का सुराग यहीं तो नहीं छुपा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जांच में हत्या के इन बिंदुओं पर भी ध्यान दिया जाएगा। मगर सबसे बड़ी चुनौती है देश की आर्थिक राजधानी में कानून-व्यवस्था की स्थिति को मजबूती से बनाए रखने की। हाल के दिनों में मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में ऐसी कई घटनाएं हो चुकी हैं जिनसे यह संकेत मिल रहा है कि पुलिस-प्रशासन की कानून-व्यवस्था पर पकड़ ढीली पडती जा रही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी इस घटना के बाद सबसे पहले यही कहा कि गैंगवॉर जैसे हालात किसी भी सूरत में नहीं बनने देना है। उनके ये शब्द ही सरकार और प्रशासन की सबसे बड़ी कसौटी हैं जो कितने खरे उतरते हैं यही देखना है?

लाइक-कमेंट के चक्कर में मौत की रील

डॉ. सत्यवान सौरभ

युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आ भा सी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज़्यादा लाइक्स के चक्कर में ख़ुद को जोखिम में डाल रहे हैं। भारत में टिकटॉक पर बैन लगने के बाद रील्स और मीस बनाने का चलन सामने आया।

इसके बाद लोग इंस्टाग्राम पर वीडियो डालने लगे। रील्स में इंफॉर्मेशनल, फनी, मोटिवेशनल और डांस समेत कई तरह के वीडियो होते हैं। रील्स एक तरह का इंस्टाग्राम पर शॉर्ट वीडियो होता है। शुरुआत में यह रील्स 30 सेकंड का होता था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 90 सेकंड का कर दिया है। रील बनाने का युवाओं के बीच ऐसा क्रेज आजकल है कि वह कहीं भी रील बनाने लग जाते हैं। कई बार इस रीलबाजी के चक्कर में लोग अपना ही नुक़सान भी करा बैठते हैं। सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने के शगल के कारण युवा ज़िन्दगी में रील बनाने का क्रेज बढ़ता जा रहा है। कब यह शौक सनक की हद तक पहुँच जाता है, पता ही नहीं चलता। नियमों को ताक पर रखकर रील बनाने के जुनून में जान तक गंवा देते हैं। शहर में ही युवाओं को फ़ेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक, फ्लाई ओवर पर, चलती रेल में कोच के डिब्बे के बीच खड़े होकर या बाइक चलाते हुए रील बनाते देखा जा सकता है।युवा अभी रियल और रील लाइफ जी रहा है। एक असल दुनिया है और एक आभासी दुनिया। युवा इस आभासी दुनिया यानी रील पर ज़्यादा लाइक्स के चक्कर में ख़ुद को जोखिम में डाल रहे हैं। कई युवा रील को रोचक बनाने के चक्कर में पानी के बीच उतर रहे हैं तो कई युवा टूटी दीवारों पर चढ़कर रील बना रहे हैं। वैसे तो रील्स बनाने का खुमार हर वर्ग के लोगों को है, लेकिन इसमें खासकर 16 से 40 वर्ष के युवा वर्ग में ये क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय होने या अपने फॉलोअर्स बढ़ाने के जुनून में लोग इतने खो जाते हैं कि कुछ अलग हटकर दिखाने के चक्कर में ख़ुद के साथ-साथ कई बार दूसरों तक की जान से खिलवाड़ कर डालते हैं। लोकप्रियता हासिल करने के लिए कभी कोई रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के सामने पहुँच जाता है तो कभी कोई बहुमंजिला इमारत पर खड़े होकर वीडियो बनाता है। कभी वाहन चलाते समय स्टंटबाजी, कभी सड़कों व चौक-चौराहों पर डांस, स्टंट करना, सिलीसेढ़ और बाँध पर खड़े होकर रील्स बनाना। कभी किसी पहाड़ पर खड़े होकर अजीब हरकतें करना। कहीं झरनों व जलाशयों के बीचोंबीच जाकर पानी में बेपरवाह मस्ती करते हुए रील्स बनाना। कभी रेलवे ट्रैक पर जाकर या प्लेटफार्म या चलती ट्रेन में दरवाजे पर खड़े होकर रील्स बनाना।रील लाइफ की तुलना से युवाओं का आत्मसम्मान प्रभावित हो रहा है। सोशल मीडिया की दुनिया में परफेक्ट दिखने की होड़ में जब उनकी पोस्ट को वांछित प्रतिक्रिया नहीं मिलती, तो वे निराश हो जाते हैं। इसका सीधा असर उनकी मानसिक स्थिति पर पड़ता है, जिससे वे और ज़्यादा सोशल मीडिया पर सक्रिय हो जाते हैं और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि इस समस्या से निपटने के लिए अभिभावकों और शिक्षकों को मिलकर युवाओं को वास्तविक जीवन के महत्त्व का अहसास कराना चाहिए। टेलेंट है तो बहुत से विषय हैं रील बनाने केयदि किसी में टेलेंट है तो जान को जोखिम में डालने वाली रील बनाने की बजाय मोटिवेशनल, संगीत, नृत्य, तकनीकी ज्ञान, सेहत से जुड़ी टिप्स, धर्म, विज्ञान, फिटनेस, हास्य-व्यंग्य, खान-पान सहित सैकड़ों विषयों पर रील बनाकर ख्याति अर्जित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश में अमन-चैन से कौन खेल रहा है?

मनोज कुमार अग्रवाल

उत्तर प्रदेश के बहराइच में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान 13 अक्टूबर को दंगा आगजनी हुई हमलावरों ने जलूस में शामिल एक हिन्दू युवक की गोली मारकर हत्या कर दी । इससे कुछ दिन पहले भी यूपी के कई और शहरों में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान विवाद के मामले सामने आए हैं।यह सभी वारदात एक ही पैटर्न पर है जिनमें बहराइच कुशीनगर गोंडा कौशांबी समेत कई जिलों में बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय की आस्था से जुड़ी दुर्गा पूजा और मूर्ति विसर्जन के दौरान गड़बड़ी फैलाने और उत्पात मचाने का कुत्सित प्रयास किया गया है वह बताता है कि यूपी में भी कुछ जहरीली ताकतें मौजूद हैं जो यूपी को बांग्लादेश बनाने पर आमादा हैं । क्या यूपी में हिन्दू त्योहार मनाना दूसरे समुदाय की आंखों की किरकिरी बन गया है? आपको बता दें कि यूपी के बहराइच जिले के महराजगंज इलाके में रविवार को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के जुलूस के दौरान पत्थरबाजी, फायरिंग और आगजनी हुई। इस घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई।

यूपी के कुशीनगर जिले में मां दुर्गा का प्रतिमा ले जाते समय पथराव की खबर सामने आई जिसमें कई लोग घायल हुए और मां दुर्गा का प्रतिमा भी छतिग्रस्त कर दिया गया। मामला कुशीनगर के पडरौना नगर पालिका अंतर्गत छावनी नगर का है जहां पर मौके पर पहुंची कई थानों की फोर्स ने मामले को काबू में किया। पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया और उनके खिलाफ केस दर्ज किया।श्रद्धालु पडरौना से मां दुर्गा का प्रतिमा लेकर अपने गांव गनेशी पट्टी और भिसवा लाला जा रहे थे इसी समय छावनी में कुछ लोगों ने छत और घरों से मां दुर्गा की प्रतिमा और श्रद्धालुओं पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। लोग घायल हुए और प्रतिमा भी क्षतिग्रस्त हुई जिसके बाद दो पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। हालांकि पुलिस ने मामला संभाला। यूपी के कौशाम्बी जिले में 12 अक्टूबर को मूर्ति विसर्जन के दौरान गुलाल उड़ाने को लेकर दो समुदायों आपस में भिड़ गए। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के नारा गांव में घटना में हुई झड़प देखते ही देखते विवाद में तब्दील हो गई। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट और पत्थरबाजी हुई। सूचना के बाद डीएम और एसपी कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे गए और मामले को काबू में किया। दरअसल, मूर्ति विसर्जन करने के लिए दुर्गा प्रतिमा लेकर निकले लोग गांव में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान कुछ लोगों पर इमामबाड़ा पर गुलाल उड़ाने का आरोप लगा। इसका विरोध करते हुए दूसरे समुदाय के लोगों ने हंगामा किया फिर दोनों पक्षों में हिंसक झड़प शुरू हो गई। कई लोग घायल हुए और फिर तोड़फोड़ और पत्थरबाजी भी हुई। मौके पर भारी पुलिस फोर्स भी तैनात करनी पड़ी। इससे पहले गोंडा में दशहरा पर देर शाम गोंडा शहर के एक इलाके में हालात तनावपूर्ण हो गए। नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला बड़गांव में नूरामल मंदिर से आगे तकिया मस्जिद और घोसियाना मोहल्ले करीब पत्थरबाजी शुरू हो गई जिससे हालात बिल्कुल खराब हो गए। सूचना मिलते ही इलाके मौके पर पुलिस बल और पीएसी के जवानों तैनात किए गए। दरअसल, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान मस्जिद के आसपास वाले दो और तीन मंजिला घरों से पत्थरबाजी करने का श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया और इसका विरोध किया इसके लिए प्रदर्शन और हो हल्ला शुरू कर दिया। कंट्रोल रूम से संदेश मिलते ही एसपी विनीत जायसवाल मौके पर खुद पहुंच गये और हालात को नियंत्रित करने की कोशिश की। यहां आपको बता दें कि बीती 29 सितंबर को यति नरसिंहानंद द्वारा पैगंबर हजरत मुहम्मद पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर शुरू हुआ विवाद अब तक थमा नहीं है। इसके विरोध में रविवार 13 अक्टूबर को महापंचायत का आयोजन किया गया जाना था पर प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। महापंचायत को लेकर जुटे लोगों को पुलिस ने खदेड़ दिया। इस मामले को लेकर गाजियाबाद में तनावपूर्ण माहौल पैदा हो।डासना देवी मंदिर के पास बीते 4 अक्टूबर, शुक्रवार देर रात तो हालात ऐसे हो गए कि भीड़ इकट्ठी हो गई और पुलिस ने मौके से 150 से ज्यादा लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। वेव सिटी थाने में डासना चौकी इंचार्ज की शिकायत पर सुबह मुकदमा दर्ज कर लिया गया। गाजियाबाद के डासना मंदिर के पुजारी यति नरसिंहानंद के बयान का विवाद सहानपुर जा पहुंचा जहां पर मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा विरोध ज्ञापन देने के दौरान पुलिस पर पथराव का आरोप लगा और इस मामले में बड़ी कार्रवाई भी की गई। सहारनपुर के शेखपुरा कदीम गांव में हुई इस घटना को लेकर पुलिस द्वारा 13 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोप है कि पुलिस को निशाना बनाकर पथराव किया गया जिसमें कई पुलिस गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। हमलावर भीड़ को काबू में करने की कोशिश करते रहे। पुलिस ने फिर हल्के बल प्रयोग से उन्हें खदेड़ दिया था। दरअसल यति के बयान को मुद्दा बनाकर समूचे यूपी को सांप्रदायिक हिंसा और आगजनी का माहौल बनाने की कोशिश की गई। इस सबका ही नतीजा है कि षडयंत्र कारी प्रदेश में एक खास समुदाय की नफरत की भावना को भड़काने में कामयाब रहे और उसकी परिणति बहराइच में दुर्गा मूर्ति विसर्जन यात्रा पर हुई पत्थरबाजी व गोलीबारी के रूप में हुई। इस मे एक युवक रामगोपाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के विरोध में भी प्रदर्शन हिंसक हो गया । पुलिस आंसू गैस और लाठीचार्ज करके प्रदर्शन को कंट्रोल करने का प्रयास कर रही है जिसका वीडियो सामने आया है। महसी के महाराजगंज इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत पर लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इलाके में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। बहराइच की घटना के दूसरे दिन 14 अक्टूबर सोमवार को भी बहराइच में विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया। अस्पताल और दुकानों में आग लगा दी गई। बहराइच जिले के एक गांव में रविवार को हुई सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में पुलिस ने एक शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले में करीब 30 लोगों को हिरासत में लिया गया है। हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती के बाद लापरवाही बरतने वाले हरदी थाने के प्रभारी और चौकी इंचार्ज को सस्पेंड कर दिया गया है। मामला हरदी थाना इलाके के रेहुआ मंसूर गांव का है। मिली जानकारी के अनुसार यहां रविवार की शाम मां दुर्गा की मूर्ति विसर्जन के लिए निकली थी। जुलूस जब महराजगंज बाजार में पहुंचा और लोग जयकारा लगाते हुए अब्दुल हमीद के घर के सामने से जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने मूर्तियों पर पथराव शुरू कर दिया।

यूपी उप चुनाव में बीजेपी का पिछड़ा-दलित दांव

अजय कुमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव के लिए भाजपा द्वारा 09 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम की घोषणा से बीजेपी की सहयोगी पार्टियों निषाद पार्टी,अपना दल और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता बीजेपी से नाराज हो गये हैं। बीजेपी ने एक मात्र सीट जो सहयोगी दल के लिये छोड़ी है वह रालोद के खाते में गई है। नौ सीटों पर बीजेपी के चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व ने किया है। इतना ही नहीं लगे हाथ इन सीटों के लिए नौ प्रत्याशियों के नाम को भी फाइनल कर दिया है। उप चुनाव पार्टी के पुरानों की जगह नए चेहरों को ही अधिक मौका दिया जाएगा। वहीं पिछड़ों और दलित नेता पर इस बार पार्टी ने काफी विश्वास जताया है। हालांकि इन प्रत्याशियों के नाम की घोषणा उप चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद की जाएगी। बीजेपी आलाकमान द्वारा पश्चिमी यूपी की मीरापुर सीट को रालोद को लिये छोड़ा है। यहां 2022 में भी रालोद यहां से जीती थी। जबकि नौ सीटों पर भाजपा अपने सिंबल पर चुनाव लड़ेगी,इसमें से एक सीट पर संजय निषाद की पार्टी के नेता को भी बीजेपी के सिंबल से चुनाव लड़ाये जाने की चर्चा चल रही है।कुल मिलाकर बीजेपी ने इस बार सहयोगियों की बजाये अपने ऊपर ज्यादा विश्वास जताया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल की मौजूदगी में प्रत्याशियों के नाम तय किये गये हैं। बैठक में तय किया गया है कि सभी सीटों की जातीय समीकरण को देखते हुए ही नए चेहरों को उतारा जाएगा। यह भी तय किया गया है उप चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद ही उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी। संभावना है कि 20 अक्टूबर तक या इससे पहले ही उप चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है। इसलिए अपनी तैयारियों को और तेज किया जाए। बैठक में एक-एक सीट पर जातीय समीकरण और मौजूदा मुद्दों पर भी चर्चा हुई । प्रदेश के नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व को अब तक की तैयारियों की जानकारी दी और बताया किए पहले चरण के प्रचार, संपर्क और संवाद का कार्यक्रम पूरा हो चुका है। साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा सभी सीटों पर किए गए कार्यक्रमों, विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ ही अब तक की गई जनसभाओं की भी जानकारी दी गई। वहीं, केन्द्रीय नेतृत्व को 8-9 सीटें जीतने का भरोसा भी दिया गया है। बैठक में सपा और बसपा द्वारा उतारे गए उम्मीदवारों के लिहाज से रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई। खास कर उन सीटों पर चुनाव जीतने को लेकर अधिक प्रभावी तरीके से काम करने पर सहमति बनी है, जो सीटें सपा का कब्जा है।बीजेपी आलाकमान ने कटेहरी, मिल्कीपुर और मझवां सीट को लेकर सबसे अधिक माथापच्ची की। सूत्रों का कहना है कि मिल्कीपुर सुरक्षित सीट बीजेपी द्वारा कोई दलित चेहरा तो कटेहरी और मझंवा सीट पर पिछड़ा समाज के नेताओं को ही उतारा जाएगा। दरअसल मिल्कीपुर और कटेहरी सीट जीतना भाजपा के लिए सबसे अधिक प्रतिष्ठा का सवाल है और मुख्यमंत्री खुद इन दोनों सीटों की जिम्मेदारी अपने कंधे पर ले रखी है। इसलिए भाजपा इन दोनों सीटों पर कोई खतरा मोल नहीं नहीं लेना चाहती है। बीजेपी के भीतर 9 सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति बनने के बाद कटेहरी और मझवां सीटों पर दावेदारी करने वाले संजय निषाद को मनाने की जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को सौंपा गया है। केन्द्रीय गृहमंत्री ने तीनों नेताओं को संजय निषाद को समझाने को कहा है। दरअसल इन दोनों सीटों पर निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने दावा कर रखा है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा निषाद को सिर्फ एक सीट देने पर विचार कर रही है, वह भी प्रत्याशी भाजपा के ही सिंबल पर ही चुनाव लड़ेगा। हालांकि निषाद इस फार्मूले पर सहमत नहीं हैं। वहीं, संजय निषाद का कहना है कि गठबंधन धर्म का पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2022 के चुनाव में कटेहरी और मझवां निषाद पार्टी को दी गई थी, तो इस बार क्यों नहीं। जब 2022 में मीरापुर सीट जीतने की वजह से यह सीट फिर से रालोद की जा रही है तो उन्हें भी दोनों सीटें मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लगातार बात हो रही है। कोई हल जरूर निकलेगा।

वे सिर्फ़ दिखते हैं, लेकिन अपने नहीं लगते

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जब हम छोटे थे, तो हमारे सपने भी बड़े हुआ करते थे। ज़िन्दगी के हर मोड़ पर एक नई दुनिया देखते थे, जहाँ हम सब कुछ बदल सकते थे। स्कूल की छुट्टी के बाद घर आते ही हमारे मन में नए सपने जन्म लेते थे—कुछ ऐसे सपने जो न सिर्फ़ हमें, बल्कि दुनिया को भी नई दिशा दे सकते थे। एक समय था जब हम सुपरमैन बनकर इंसाफ़ करते थे, या फिर रजनीकांत की तरह एक ही किक में गुंडों को धूल चटाते थे। ये सपने हमेशा हक़ीक़त से परे होते थे, लेकिन अपनी मासूमियत में वो सच जैसे लगते थे। लेकिन आज, बड़े होकर समझ आया कि असल ज़िन्दगी में सपने नहीं, काम चलते हैं। जब हम ऑफिस में जाते हैं, तो वो सपने, जो कभी ज़िन्दगी का हिस्सा हुआ करते थे, किसी कोने में दब जाते हैं। सुपरमैन बनकर दुनिया को बचाने के बजाय, हम अब एक कर्मचारी बनकर फाइलों के ढेर में खो जाते हैं। रजनीकांत के एक्शन की जगह अब बॉस का मेल पढ़ने में ऊर्जा लगाते हैं। असल दुनिया के गुंडे नहीं, बस डेडलाइन्स और टार्गेट्स से निपटना होता है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि सपनों का वो बचपन बस एक बीती कहानी थी, जो अब ज़िन्दगी के हिसाब-किताब के बीच कहीं खो गई है। बचपन में हमेशा कहा जाता था कि पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब। हर माँ-बाप के सपने में उनके बच्चे के लिए एक अच्छी नौकरी होती थी, एक 'सेटल्ड' लाइफ़ का सपना होता था। उस समय हमें भी लगता था कि अगर हम पढ़ाई में अच्छे हैं, तो आगे चलकर सब कुछ अपने आप बदल जाएगा। पर असल में जब हमने नौकरी शुरू की, तो समझ आया कि यह दुनिया फाइल घिस-घिस कर जीने वाली है। नवाब तो दूर की बात है, हम क्लर्क बनकर अपनी ज़िन्दगी की फाइल ही घिस रहे हैं। अब हर सुबह जब ऑफिस के लिए निकलते हैं, तो जो ऊर्जा हमारे अंदर होती है, वो रास्ते में ट्रैफिक के साथ गुज़र जाती है। सिग्नल पर रुकते वक्त, हम अपने सपनों को फिर से याद करते हैं, लेकिन आजकल की ज़िन्दगी में वो सपने वहीं सिग्नल पर अटक जाते हैं। ट्रैफिक की भीड़, हॉर्न का शोर, और वक़्त के पीछे भागते लोग—सब कुछ एक जैसा लगने लगता है। हर दिन एक ही कहानी बन गई है, एक रूटीन जो कभी ख़त्म नहीं होती। ज़िन्दगी को जीने के लिए नहीं, सिर्फ़ बिताने के लिए वक़्त बचा है। और वही पार्क जहाँ हम कभी पेड़ों पर चढ़कर सपने देखा करते थे, आज वहाँ एक बड़ा मॉल खड़ा है। वक़्त के साथ पेड़ ग़ायब हो गए, और लोगों के सपने भी छोटे होते गए।

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते।

धर्म-दर्शन-अध्यात्म

पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।

बुधवार, 16 अक्टूबर -2024 7

स्वतंत्र वार्ता, हैदराबाद

शरद पूर्णिमा की किरणें अमृतमयी, खीर खाने का महत्व, शुभ मुहूर्त, और पूजा विधि

शरद पूर्णिमा हिन्दू धर्म में एक महत्वपूर्ण तिथि है, जिसे आश्विन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इसे कोजागरी पूर्णिमा या रास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। शरद पूर्णिमा की रात को विशेष रूप से देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। माना जाता है कि इस रात देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो लोग इस दिन पूजा पाठ करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

इस दिन चन्द्रमा अपने सम्पूर्ण रूप में होता है और उसकी किरणों में विशेष औषधीय गुण होते हैं। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात को चन्द्रमा की किरणें अमृतमयी होती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती हैं।

शरद पूर्णिमा तिथि

पंचांग के मुताबिक, आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 16 अक्टूबर दिन बुधवार को रात 08 बजकर 41 मिनट पर शुरू होगी। अगले दिन 17 अक्टूबर दिन गुरुवार को शाम 04 बजकर 53 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में शरद पूर्णिमा का पर्व 16 अक्टूबर को ही मनाया जाएगा।

शरद पूर्णिमा शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, शरद पूर्णिमा पर चंद्रोदय शाम 5 बजकर 5 मिनट पर होगा। पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी की पूजा के लिए शुभ समय रात 11 बजकर 42 मिनट से रात 12 बजकर 32 मिनट तक रहेगा। इस समय पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होगी।

शरद पूर्णिमा पर खीर का महत्व

शरद पूर्णिमा की रात को खीर बनाने और उसे चंद्रमा की रोशनी में रखने की परंपरा है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा की किरणों में अमृत समान औषधीय गुण होते हैं। इसलिए शरद पूर्णिमा की रात को खीर को खुले आसमान के नीचे चांदनी में रखा जाता है, इसके बाद इस खीर का सेवन करने की परंपरा है, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी मानी जाती खीर को माता लक्ष्मी का प्रसाद भी माना जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा के दौरान खीर का भोग लगाया जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस साल शरद पूर्णिमा पर चांद की रोशनी में खीर रखने का समय रात में 8 बजकर 40 मिनट से है।

शरद पूर्णिमा पूजन विधि

शरद पूर्णिमा पर लक्ष्मी माता और चंद्रमा की पूजा विशेष महत्व रखती है। इस दिन मां लक्ष्मी, चंद्रमा और भगवान विष्णु की पूजा करने से धन, सुख, और समृद्धि की प्राप्ति होती है। शरद पूर्णिमा के दिन सबसे पहले सूर्योदय के समय स्नान करें और शुद्ध वस्त्र धारण करें। घर के पूजा स्थल को साफ और सजाएं। व्रत रखने का संकल्प लें। पूजा के लिए घर के उत्तर-पूर्व दिशा में या किसी खुले स्थान में एक चौकी रखें और उस पर सफेद वस्त्र बिछाएं। चौकी पर माता लक्ष्मी, भगवान विष्णु और चंद्रमा की तस्वीर या प्रतिमा स्थापित करें। पूजन के लिए सामग्री में शुद्ध जल, दूध, चावल, गंगा जल, धूप, दीपक, कपूर, फूल, प्रसाद (विशेषकर खीर), पान के पत्ते, सुपारी रखें। चौकी पर रखी देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की मूर्ति को दूध, गंगा जल से स्नान कराएं। इसके बाद फूल, चावल, धूप, दीप और कपूर जलाकर आरती करें। चंद्रमा की पूजा करें अर्घ्य देने के लिए एक लोटे में जल, चावल और फूल डालकर चंद्रमा को अर्पण करें। रात में चंद्रमा की पूजा के बाद खीर को प्रसाद के रूप में परिवारजनों के बीच बांटे और खुद भी सेवन करें।

वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी कब है? इस योग में पूजा करने का होगा बेहद लाभ

कृष्ण और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को भगवान गणेश की पूजा के लिए विशेष माना जाता है। कहा जाता है कि इस तिथि पर बप्पा की पूजा का सार्थक फल भक्तों को मिलता है। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी की तारीख करीब आ रही है। ऐसे तो साल में 12 विनायक चतुर्थी और 12 संकष्टी चतुर्थियां होती हैं। लेकिन कार्तिक महीने में पड़ने वाली चतुर्थी को सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। बता रहे हैं कि 2024 की वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी कब है और इस दिन पूजा के विधि-विधान समेत शुभ मुहूर्त क्या हैं।

वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी कब है?

हिंदू पंचांग की मानें तो हर महीने की चौथी तिथि को भगगान गणेश को समर्पित माना जाता है। कहा जाता है कि इस दिन भगवान गणेश की पूजा करने का भक्तों को बेहद शुभ लाभ मिलता है। इस दिन लोग भगवान गणेश के नाम का व्रत भी रखते हैं। वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी की तारीख की बात करें तो 20 अक्टूबर 2024 को वक्रतुंड संकष्टी चतुर्थी मनाई जाएगी। खास बात ये है कि 2024 को करवा चौथ के व्रत के दिन ही संकष्टी चतुर्थी मनाई जाती है।

संकष्टी चतुर्थी के उपाय

संकष्टी चतुर्थी के दिन गणेश वंदना और गणेश चालीसा का पाठ करने से इंसान के दुख-दर्द दूर होते हैं। इस दिन सुबह नहा-धोकर भगवान की पूजा करने का महत्व है। उन्हें गेंदे का फूल चढ़ाना शुभ माना जाता है। इसके अलावा इस दिन अगर गणेश भगवान की पूजा के दौरान उन्हें सिंदूर चढ़ाएं तो इसका भी काफी महत्व माना जाता है। सिंदूर हमेशा से ही गणेश भगवान का प्रिय रहा है। इसके अलावा इस दिन शमी के पेड़ की पूजा करने का विशेष फायदा होता है। कहा जाता है कि शमी का पेड़ गणेश जी का पसंदीदा है। इस दिन अगर शमी के पेड़ के पत्ते उन्हें अर्पित किए जाएं तो भगवान खुश होते हैं और भक्तों के सारे कष्टों को वे हर लेते हैं।कार्तिक चतुर्थी का महत्व और समय वक्रतुंड संकष्टी 2024 की शुरुआत 20 अक्टूबर 2024 को सुबह 06 बजकर 46 मिनट से होगी और इसका समापन अगले दिन 21 अक्टूबर 2024 को सुबह 04 बजकर 16 मिनट पर होगी। इस दौरान चंद्रोदय के समय की बात करें तो इसका समय रात को 07 बजकर 54 मिनट का है।

कबाड़

कबाड़ घर की वो जगह है जहां पर सबसे ज्यादा गंदगी होती है। घर में ऐसा देखा गया है कि लोग सालभर का कबाड़ इकट्ठा किए हुए होते हैं। इसमें फटे कपड़े से लेकर अखबार, कार्डबोर्ड समेत और भी रद्दी का सामान होता है। लेकिन इसे हमेशा दिवाली के पहले ही हटा देना चाहिए। दिवाली के पहले की सफाई में इन सामान को घर से बाहर निकाल देना चाहिए। साफ-सफाई से माता रानी खुश होती हैं और उनकी कृपा भक्तों पर बरसती है।

कब है 2024 की दिवाली

दिवाली का त्योहार कार्तिक अमावस्या के दिन ही मनाया जाता है। इस त्योहार की बहुत मान्यता है और इस दिन लोगों का उत्साह अलग ही लेवल पर होता है। 2024 में दिवाली की डेट को लेकर काफी कन्फ्यूजन देखने को मिल रही है। हिंदू पंचांग के मुताबिक कार्तिक अमावस्या की शुरुआत 31 अक्टूबर के दिन दोपहर 03 बजकर 52 मिनट पर होगी और इसका समापन 01 नवंबर 2024 को शाम 06 बजकर 16 मिनट पर होगा। ऐसे में ज्योतिषों का मानना है कि दिवाली का त्योहार 01 नवंबर 2024 के दिन ही मनाना शुभ होगा।

शरद पूर्णिमा पर ना करें इन चीजों का दान, नहीं तो झेलना पड़ सकता है नुकसान

हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा मनाई जाती है। ये दिन हिंदू पंचांग के हिसाब से बहुत शुभ माना गया है। कहा जाता है कि शरद पूर्णिमा के दिन सच्चे मन से अगर भगवान की पूजा की जाए तो इसका फल भक्तों को मिलता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विशेष महत्व है। इसके अलावा इस दिन मां लक्ष्मी और चंद्र देव की भी पूजा की जाती है। आइये जानते हैं कि साल 2024 में शरद पूर्णिमा किस दिन पड़ रही है और इस दिन किन चीजों का दान करने का विशेष लाभ भक्तों को मिलता है और इस दिन किन चीजों का दान करने से बचना चाहिए।

शरद पूर्णिमा की तारीख और मुहूर्त

इस बार आश्विन पूर्णिमा की शुरुआत 16 अक्तूबर 2024 को रात 08 बजकर 40 मिनट पर होगी और 17 अक्तूबर 2024 को शाम के 04 बजकर 55 मिनट पर इसका समापन होगा। इसलिए उदया तिथि की मानें तो शरद पूर्णिमा 16 अक्टूबर को मनाई जाएगी। इस दिन चांद के प्रकाश के नीचे खीर खाने का विशेष महत्व माना जाता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से इंसान के जीवन के सारे रोग खत्म हो जाते हैं और उसके घर में सुख-समृद्धि आती है।

शरद पूर्णिमा का महत्व

धार्मिक मान्यताओं की मानें तो शारदीय नवरात्रि के खत्म होने के बाद शरद पूर्णिमा का त्योहार पड़ता है। इस दिन को हिंदू पंचाग में सबसे फलदायक और सबसे शुभ दिन माना जाता है। कहा जाता है कि इस दिन की पूजा का शुभ फल भक्तों को जरूर मिलता है। इस दिन चांत अपनी पूरी 16 कलाओं में विद्दमान रहता है और उसकी किरणों से अमृत बरसता है।

शरद पूर्णिमा पर ना करें इन चीजों का दान

शरद पूर्णिमा के दिन को दानपूर्ण के लिहाज से भी काफी अच्छा माना गया है। कहा जाता है कि इस दिन कुछ चीजों का दान करना बहुत शुभ होता है। लेकिन इस दिन कुछ ऐसी चीजें भी हैं जिनका दान नहीं करना चाहिए। कहा जाता है कि इस दिन भूल कर भी नमक नहीं दान करना चाहिए। हिंदू धर्म में नमक को नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। ऐसे में इस दिन नमक दान करने से दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस दिन दही का दान भी नहीं किया जाता है। कहा जाता है कि इस दिन दही दान का काम करना शुभ नहीं होता है। इससे जीवन में तल्खियां और खटास बढ़ती है।

शरद पूर्णिमा पर क्या दान करें

शरद पूर्णिमा का दिन एक बेहद शुभ दिन है और इस दिन दान करने की मनाही नहीं है। इस दिन खीर का बहुत महत्व है। इस दिन खुद भी खीर का सेवन करना चाहिए और इसका दान भी करना चाहिए। इसके अलावा इस दिन चावल और गुढ़ का भी दान किया जा सकता है।

15 नवंबर की डेट जैसे जैसे आ रही है नजदीक, शनि देव का मूड हो रहा ठीक,इन राशियों को देंगे आशीर्वाद

महज एक महीने के बाद शनि देव वक्री से मार्गी हो जाएंगे। शनि देव अगले महीने 15 नवंबर को मार्गी हो जाएंगे। शनि देव इस समय कुंभ राशि में विराजमान हैं। शनि का कुंभ राशि में मार्गी होना या सीधी चाल चलना इन राशियों के लिए लाभकारी साबित होने वाला है। हर ग्रह अपने निश्चित समय के बाद अपनी चाल में परिवर्तन करता है। शनि ग्रह जून में व्रकी हुए थे। 139 दिन वक्री चाल चलने के बाद दिवाली के बाद इन राशियों का गोल्डन टाइम शुरु होने वाला है।

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए 15 नवंबर के बाद का समय शानदार रहने वाला है। बिजनेस करने वालों को सफलता मिलेगी। आपके नए आइडिया आपके बिजनेस को आगे तक लेकर जाएंगे। शनि का मार्गी होना आपको करियर में ग्रोथ दिलाएगा। आपका हाथ कोई बड़ी डील लग सकती है, लव लाइफ के लिहाज से भी यह समय आपके लिए शुभ साबित होगा।

कर्क राशि

15 नंवबर को शनि की चाल में परिवर्तन का असर कर्क राशि वालों पर भी दिखाई देगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। लंबे समय से पेंडिंग चल रहे कार्यों को गति मिलेगी। करियर में ग्रोथ जो रुकी हुई थी, प्रमोशन होने की संभावना है। हेल्थ के लिहाज से यह समय आपके लिए अच्छा रहेगा। शनि देव का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए 15 नवंबर के बाद का समय शानदार साबित होने वाला है। कन्या राशि वालों पर शनि देव की कृपा बनी रहेगी। अगर आप लंबे समय से किसी बात को लेकर तनाव में चल रहे थे, तो आपको उसका समाधान मिल जाएगा और आपकी किस्मत खुल सकती है। लाइफ में बदलाव नजर आएंगे। फैमली में खुशियां वापस आएंगे। मतभेद और विवाद समाप्त होंगे।

मकर राशि

मकर राशि वालों के लिए 15 नवंबर के बाद का समय शुभ साबित होने वाला है। अगर आपने कहीं इंवेस्टमेंट कर रखा है तो आपको उससे लाभ हो सकता है। शनि आपके लिए सुनहरे अवसर लेकर आने वाले हैं। लक का साथ मिलेगा और जीवन में खुशियां आएंगी।

रमा एकादशी को भगवान विष्णु की पूजा से सारे पाप कर्मों से मिलती है मुक्ति

हिन्दू धर्म में रमा एकादशी हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। रमा एकादशी को बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है। इसके अलावा जीवन में आने वाली बाधाएं खत्म होती हैं और घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। इस दिन भक्त भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, व्रत रखते हैं और भजन-कीर्तन करते हैं। रमा एकादशी एक पवित्र व्रत है। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख-शांति आती है।

रमा एकादशी तिथि

पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 27 अक्टूबर दिन रविवार को सुबह 05 बजकर 23 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 28 अक्टूबर को सुबह 07 बजकर 50 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार, रमा एकादशी का व्रत 28 अक्टूबर दिन दिन सोमवार को किया जाएगा। रमा एकादशी के अगले दिन यानी 29 अक्टूबर को सुबह 06 बजकर 31 मिनट से लेकर 10 बजकर 31 मिनट के मध्य पारण किया जा सकता है।

रमा एकादशी पूजा विधि

रमा एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर साफ कपड़े धारण करें फिर घर के मंदिर की साफ-सफाई करें और एक चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाएं।चौकी पर दीपक जलाएं और विष्णु भगवान की प्रतिमा स्थापित करें।भगवान विष्णु की मूर्ति का गंगा जल से अभिषेक करें। श्री हरि को पुष्प, फल और तुलसी दल अर्पित करने के बाद व्रत का संकल्प लें। अंत में आरती करके भोग लगाएं और पूजा का समापन करें। पूजा खत्म होने के बाद गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न और प्रसाद वितरित करें।रमा एकादशी की कथा राजा मुचुकुंद से जुड़ी है। राजा मुचुकुंद एक बहुत ही धार्मिक राजा थे। उन्होंने अपने पूरे राज्य में एकादशी का व्रत रखने का आदेश दिया था। उनके राज्य में सभी लोग एकादशी का व्रत करते थे।

एक बार राजा मुचुकुंद के पुत्र शोभन की मृत्यु हो गई। उनकी पत्नी चंद्रभागा ने अपने पति के शरीर को दाह संस्कार के लिए तैयार किया, लेकिन जब वह शव को अग्नि में डालने जा रही थी, तो उसने सोचा कि अगर वह भी अपने पति के साथ चली जाएगी तो उसे मोक्ष मिल जाएगा। इसीलिए उसने भी अग्नि में कूदने का निश्चय कर लिया।तभी एक ब्राह्मण ने उसे रोककर एकादशी व्रत का महत्व बताया। ब्राह्मण ने कहा कि अगर वह एकादशी का व्रत करेगी तो उसे मोक्ष मिल जाएगा। चंद्रभागा ने ब्राह्मण की बात मान ली और एकादशी का व्रत करना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद उसे स्वप्न में भगवान विष्णु दर्शन हुए और उन्होंने उसे वरदान दिया कि वह अपने पति के साथ स्वर्ग में जाएगी।

रमा एकादशी का महत्व

मान्यता है कि रमा एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु की कृपा से लोगों के सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह व्रत मन को शांत करता है और आध्यात्मिक विकास में मदद करता है। साथ ही इस व्रत को करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। रमा एकादशी का व्रत रखने से साधक के जीवन में खुशियों का वास होता है। इसके अलावा पैसों की कमी और पापों से छुटकारा मिलता है।

दिवाली को बचे हैं 15 दिन

सफाई के वक्त घर से फौरन हटा दें ये 4 चीजें, खुल जाएगी किस्मत

हिंदू धर्म में दिवाली के त्योहार को विशेष माना गया है। कहा जाता है कि इस दिन लक्ष्मी मां की आराधना करने से लाभ मिलता है और घर में सुख-समृद्धि आती है। दिवाली के दिन सफाई का भी विशेष महत्व है। क्योंकि लक्ष्मी मां भी उसी घर में प्रवेश करती हैं जिस घर में साफ-सफाई होती है। लेकिन घर में सिर्फ साफ-सफाई होना ही जरूरी नहीं है। लक्ष्मी मां के आपके घर में प्रवेश ना करने के और भी कारण हो सकते हैं। इसमें एक कारण है घर में कुछ ऐसी चीजों का होना जिससे मां लक्ष्मी क्रोधित होती हैं और घर में प्रवेश नहीं करती हैं। ऐसे में भक्तों को पूजा का लाभ नहीं मिलता है। बता रहे हैं कुछ ऐसी चीजें जिन्हें आपको दिवाली से पहले सफाई के वक्त अपने घर से हटा देना चाहिए।

पुराने जूते-चप्पल

कई लोग घरों में कुछ पुराने सामान को फेंकने के बजाय उसे इकट्ठा करते जाते हैं। ऐसा करना ठीक नहीं माना जाता है। कहा जाता है कि अपने घर से पुराने जूते-चप्पल को दिवाली की सफाई के दौरान हटा दें। इससे घर से दरिद्रता जाती है और सुख-सम्पत्ति में बढ़ावा देखने को मिलता है।

टूटे हुए कांच

टूटा हुआ कांच नकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। कहा जाता है कि कभी भी अगर आपके घर में टूटे कांच हों तो उसे संभालकर रखने के बजाय बाहर फेंक देना चाहिए। सबसे ज्यादा नकारात्मकता टूटे हुए कांच और शीशे से ही फैलती है। ऐसे में लक्ष्मी का का वास घर में नहीं होता है।

पुरानी मूर्तियां

कई सारे लोग ऐसे हैं जो घर की पुरानी या फिर टूटी हुई मूर्तियों को विसर्जित करने के बजाय अपने घर में ही रखते हैं। लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। कहा जाता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर में तकलीफें बढ़ती है।

कबाड़

कबाड़ घर की वो जगह है जहां पर सबसे ज्यादा गंदगी होती है। घर में ऐसा देखा गया है कि लोग सालभर का कबाड़ इकट्ठा किए हुए होते हैं। इसमें फटे कपड़े से लेकर अखबार, कार्डबोर्ड समेत और भी रद्दी का सामान होता है। लेकिन इसे हमेशा दिवाली के पहले ही हटा देना चाहिए। दिवाली के पहले की सफाई में इन सामान को घर से बाहर निकाल देना चाहिए।

साफ-सफाई से माता रानी खुश होती हैं और उनकी कृपा भक्तों पर बरसती है।

कब है 2024 की दिवाली

दिवाली का त्योहार कार्तिक अमावस्या के दिन ही मनाया जाता है। इस त्योहार की बहुत मान्यता है और इस दिन लोगों का उत्साह अलग ही लेवल पर होता है। 2024 में दिवाली की डेट को लेकर काफी कन्फ्यूजन देखने को मिल रही है। हिंदू पंचांग के मुताबिक कार्तिक अमावस्या की शुरुआत 31 अक्टूबर के दिन दोपहर 03 बजकर 52 मिनट पर होगी और इसका समापन 01 नवंबर 2024 को शाम 06 बजकर 16 मिनट पर होगा। ऐसे में ज्योतिषों का मानना है कि दिवाली का त्योहार 01 नवंबर 2024 के दिन ही मनाना शुभ होगा।

बच्चों की लंबी आयु व तरक्की के लिए महिलाएं करती हैं अहोई अष्टमी निर्जला व्रत

हिन्दू धर्म में हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को अहोई अष्टमी का पर्व बड़े ही उत्साह से मनाया जाता है. इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने बच्चों की लंबी आयु, तरक्की और खुशहाली के लिए अहोई अष्टमी का व्रत रखती हैं. इस शुभ दिन अहोई माता की पूजा करने के साथ-साथ निर्जला व्रत रखा जाता जाता है. जहां कुछ लोग इस व्रत का पारण तारों को अर्घ्य देने के बाद करते हैं, तो कुछ लोग सूर्य देव को अर्घ्य देने के बाद व्रत खोलते हैं.

अहोई अष्टमी तिथि

पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 24 अक्टूबर दिन गुरुवार को सुबह 01 बजकर 08 मिनट पर शुरू हो रही है और अगले दिन 25 अक्तूबर दिन शुक्रवार को सुबह 01 बजकर 58 मिनट पर समाप्त होगी. उदयातिथि के अनुसार, अहोई अष्टमी का पर्व 24 अक्टूबर दिन गुरुवार को मनाया जाएगा.

अहोई अष्टमी शुभ मुहूर्त

अहोई अष्टमी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त शाम के समय 05 बजकर 42 मिनट से लेकर 06 बजकर 59 मिनट तक रहेगा. वहीं तारों को देखने का समय शाम में 06 बजकर 06 मिनट है, जबकि चंद्र देव को अर्घ्य देने का समय रात में 11 बजकर 55 मिनट तक है.

अहोई अष्टमी व्रत के नियम

अहोई अष्टमी की पूजा प्रदोष काल में करने का विधान है. इस दिन सुहागिन महिलाएं अन्न-जल कुछ भी ग्रहण न करके निर्जला व्रत करती है और अपनी संतान की लंबी आयु और जीवन में तरक्की के लिए माता भगवती से प्रार्थना करती हैं. इस दिन सभी माताएं सूर्योदय से पहले जगती हैं और स्नान कर विधि विधान अहोई माता की पूजा-अर्चना करती हैं. फिर शाम के समय विधि-विधान पूजा की जाती है. इस समय अहोई अष्टमी की कथा सुनी जाती है. इसके बाद रात में तारों या चंद्रमा की पूजा के बाद महिलाएं अपना व्रत खोलती हैं.

अहोई अष्टमी पूजा विधि

अहोई अष्टमी के दिन सुहागिन महिलाएं सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर व्रत का संकल्प लें.

पूजा के स्थान पर एक चौकी पर अहोई माता की प्रतिमा स्थापित करें.

फिर अहोई माता को दीप, धूप, फल, फूल, अक्षत, दूध और मिठाई अर्पित करें.

दो मोतियों और धागे की मदद से पेंडेंट बनाएं, जिसे गले में धारण करें.

पूजन के बाद अहोई माता की व्रत कथा अवश्य सुनें.

घी का दीपक माता के सामने जलाएं और फिर उनकी आरती करें.

तारों या चंद्रमा को जल से अर्घ्य देकर व्रत का पारण करें.

'आपकी मेड की शक्ल शाहिद कपूर से मिलती है', दिया था करारा जवाब

प्रियंका चोपड़ा अब भले ही विवादों से दूर रहती हैं, लेकिन सालों पहले उनका नाम भी खूब सुर्खियों में आया था। सालों पहले उनके घर पर इनकम टैक्स की रेड पड़ी थी और उनके घर पर शाहिद कपूर मौजूद थे। खबर थी कि जिस वक्त इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उनके घर पहुंचा तो दरवाजा शाहिद कपूर ने खोला था। इस बात को लेकर 'आप की अदालत' में रजत शर्मा ने उनसे सवाल किए तो प्रियंका नाराज हो गईं और उन्होंने कहा कि ये बहुत ही घटिया बात है।

इनकम टैक्स की रेड की खबर को उन्होंने सच बताया था, लेकिन उनके घर पर शाहिद पहले से मौजूद थे और दरवाजा उन्होंने ही खोला था इस बात से प्रियंका ने इनकार किया। एक्ट्रेस ने कहा था, "मुझे यह बात बताने में कोई शर्म नहीं है कि रेड हुई थी। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट बहुत रिस्पॉन्सिबल डिपार्टमेंट है। अगर ये खबर आई थी तो जाहिर है सच होगी।"

बिफर गईं प्रियंका

इस बात के बाद जब रजत शर्मा ने उनसे पूछा कि उनके घर का दरवाजा किसने खोला था? प्रियंका ने इस पर कहा, "सबके घर पर हमारे घर में जो हमारी हेल्प करता है वो ही दरवाजा खोलता है और मेरे घर पर मेरी मेड रंजीता है।" रजत शर्मा ने पूछा, "आपकी मेड की शक्ल शाहिद कपूर से मिलती है?" ये बात सुनकर प्रियंका असहज हुईं और फिर उन्होंने कहा, "न्यूजपेपर ने इसके बारे में लिखा था, जाहिर सी बात है वो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के साथ मेरे घर पर आए होंगे। उन्होंने देखा होगा किसने दरवाजा खोला है।"प्रियंका की बात सुनकर वहां बैठी ऑडियंस हंसने लगी, ये देखते ही प्रियंका ने कहा,"हम लोग हंस रहे हैं मजाक कर रहे हैं इस बारे में, लेकिन वास्तव में ये बहुत घटिया बात है। ये आप किसी लड़की के बारे में बात कर रहे हैं, जो अपने पेरेंट्स के साथ घर पर रहती है। मैं भी किसी की बेटी हूं, किसी की बहन हूं और ये बात बिल्कुल गलत है कि आप इतनी घटिया खबर, वो भी जिस तरह से पेश की गई, आप लिख रहे हैं। "

प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा, "जी हां! शाहिद मेरा पड़ोसी है वो तीन मिनट दूर रहता है। जैसे ही ये बात हुई घर पर,मेरी मम्मी घर पर नहीं थीं,मेरे नाना की बरसी थी एक साल की तो वो झारखंड गई थीं। मेरे डैड दूसरे घर पर थे, क्योंकि वो सुबह-सुबह काम पर जाते हैं। मुझे नहीं पता था किसे कॉल करना है, जिसको भी मैं फोन करती वो कम से कम 20-25 मिनट लगा देता। मैंने शाहिद को कॉल किया और बहुत शांति से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने उसे वहां रुकने दिया। इस बात को न मैंने कभी मना किया न ही झुठलाया है।"

क्या है मामला?

प्रियंका चोपड़ा के घर जब इनकम टैक्स की रेड पड़ी थी, उस वक्त शाहिद कपूर के साथ उनका नाम जोड़ा जाता था। दोनों ने साल 2009 में आई फिल्म 'कमीने' में साथ काम किया था और 2011 में प्रियंका के घर आयकर विभाग का छापा पड़ा था। ऐसा कहा जाता है कि एक्ट्रेस के घर जब आयकर विभाग की टीम पहुंची थी तो दरवाजा शाहिद ने खोला था और वो तौलिए में थे।

अतुल परचुरे ने टीवी से लेकर फिल्मों तक किया था शानदार काम

अभिनेता अतुल परचुरे का 57 साल की उम्र में 14 अक्तूबर निधन हो गया। अतुल पिछले कुछ सालों से कैंसर से जंग लड़ रहे थे। अतुल के निधन पर कई दिग्गज बॉलीवुड सितारों ने श्रद्धांजलि दी है। अभिनेता के अंतिम दर्शन करने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे भी उनके आवास पर पहुंचे।

मराठी सिनेमा के लोकप्रिय कलाकार थे अतुल

अतुल परचुरे मराठी सिनेमा के लोकप्रिय कलाकार थे, जो कई हिंदी टेलीविजन शो और फिल्मों में दिखाई दिए। उन्होंने 'द कपिल शर्मा' कॉमेडी शो में यादगार भूमिका निभाई। अतुल कैंसर से जूझ रहे थे। अतुल परचुरे के अंतिम दर्शन करने के लिए राज ठाकरे उनके आवास पर पहुंचे।

टीवी से लेकर फिल्मों तक किया शानदार काम

अभिनेता अतुल परचुरे ने टेलीविजन और फिल्मों दोनों जगह ही अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 'आरके लक्ष्मण की दुनिया', 'जागो मोहन प्यारे', 'यम हैं हम', 'बड़ी दूर से आए हैं', 'द कपिल शर्मा शो' और कई मराठी धारावाहिकों और लोकप्रिय कॉमेडी शो में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। टीवी के अलावा अभिनेता हिंदी और मराठी फिल्मों में दिखाई दिए, जहां अपनी कॉमेडी और कॉमिक टाइमिंग से वह दर्शकों के पसंदीदा बन गए। अभिनेता की अंतिम विदाई में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है।

श्रेयस तलपड़े बोले- बहुत याद आएंगे

अतुल परचुरे के अंतिम संस्कार में अभिनेता श्रेयस तलपड़े भी आए। इस दौरान उन्होंने अतुल से जुड़ी यादें साझा कीं। श्रेयस ने कहा, 'सबको हंसाने वाला कलाकार इस तरह चला जाएगा, यकीन नहीं हो रहा'। श्रेयस ने कहा, 'अतुल का बिल्लू बारबर का एक सीन है, मैं जब भी उदास होता हूं वह सीन देख लेता हूं'।

इस बीमारी से जूझ रही हैं आलिया भट्ट 'जिगरा' के प्रमोशन के दौरान किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने एक बार से इस कथन को सही साबित कर दिया है कि 'शादी के बाद करियर खत्म नहीं होता'। शादी के बाद एक्ट्रेस ने 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' जैसी फिल्मों में काम किया और इसमें उन्हें खूब सराहा गया। इसके बाद एक्ट्रेस 'जिगरा' को लेकर चर्चा में थीं, जिसे हाल ही में रिलीज किया गया। फिल्म का बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन कुछ ठीक नहीं है लेकिन, इसके रिव्यू काफी पॉजिटिव हैं। फिल्म में आलिया के काम की जितनी तारीफ की जाए वो कम होगी। इन सबके बीच फिल्म के प्रमोशन के दौरान ही एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि वो एक गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। चलिए बताते हैं इसके बारे में।

दरअसल, 'जिगरा' की रिलीज के बीच आलिया भट्ट हाल ही में प्रमोशन के लिए पहुंची थीं। इस दौरान एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म, कैरेक्टर और प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर ढेर सारी बातें की। इसी बातचीत में आलिया ने बताया कि उन्हें अब पता चला है कि वो अटेंशन डिफीसिटएट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर नाम की बीमारी से जूझ रही हैं।

इस बातचीत में आलिया ने अपनी बीमारी को लेकर बताया कि वो बचपन से ही जोन आउट हो जाती हैं। वो स्कूल और क्लासरूम में या किसी कंवर्सेशन के बीच में ही जोन आउट हो जाती हैं। 'जिगरा' एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने कुछ दिनों पहले एक साइकोलॉजिकल टेस्ट करवाया, जिसमें पता चला कि वो अटेंशन डिफीसिटएट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर के स्पेक्ट्रम में बहुत हाई हैं। उन्हें अटेंशन डिफीसिटएट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर है। वो बताती हैं कि इसकी वजह से वो कभी-कभी बातचीत के बीच ही गुस्सा हो जाया करती थीं। उन्होंने जब इसके बारे में अपने दोस्तों को बताया तो आलिया को उनके दोस्तों ने कहा कि उन सबको इसके बारे में पहले से ही पता था।

इसके पहले आलिया भट्ट अपनी ननद करीना कपूर के चौट शो 'व्हाइट वुमन वांट्स' में शिरकत की थी। इस दौरान उन्होंने बातचीत में बताया था कि वो एंग्जाइटी से जूझ रही हैं। उन्होंने बताया था कि जब पैपराजी ने आलिया और रणबीर के साथ राहा की पहली फोटो पोस्ट की थी तो वो काफी नाराज हो गई थीं। क्योंकि आलिया नहीं चाहती थीं कि उनकी बेटी का चेहरा लोगों के सामने आए।

क्या है अटेंशन डिफीसिटएट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर?

बहरहाल, अगर अटेंशन डिफीसिटएट हाइपरएक्टिव डिसऑर्डर के बारे में बात की जाए तो ये एक न्यूरोडेवेलपमेंटल स्थिति है, जो कि अक्सर बचपन में हो जाती है और ये बच्चे के बड़े होने तक रहती है। इसकी वजह से पीड़ित के रोजाना के काम काज और जीवन काफी प्रभावित होते हैं।

इसकी वजह से किसी काम में ध्यान रखने में मुश्किलें आती हैं। इस बीमारी की वजह से एक्ट्रेस ने अपनी शादी में मेकअप आर्टिस्ट को 2 घंटे तक तैयार करने के लिए मना कर दिया था। वो 45 मिनट से ज्यादा कुर्सी पर नहीं बैठ सकती हैं। इसकी वजह से वो कम से कम मेकअप करती हैं।

अदा शर्मा को सुशांत सिंह राजपूत के घर पर महसूस हुई उनकी मौजूदगी?

एक्ट्रेस अदा शर्मा लंबे समय से अपनी फिल्मों के साथ-साथ उस घर को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वो शिफ्ट हुई हैं। ये वो ही घर है जहां सुशांत सिंह राजपूत रहा करते थे, इसी घर में उनका शव पड़ा मिला था। अदा शर्मा से अक्सर सवाल किए जाते हैं कि क्या उन्हें इस घर में डर लगता है या कभी उन्हें सुशांत की मौजूदगी महसूस हुई। अब उन्होंने इन सवालों के खुलकर जवाब दिए हैं।

अदा शर्मा ने सुशांत सिंह राजपूत के घर के बारे में बात की। उनसे पूछा गया कि वो सुशांत के घर पर रहने लगी हैं, वहां उन्हें कैसी वाइब आती है? उनसे सवाल किया गया कि कई लोग सपने में सुशांत को सपने में देख चुके हैं, क्या उन्हें कभी उस घर में कुछ महसूस हुआ?

इस पर अदा ने कहा, "अगर आप मुझसे पूछ रहे हैं कि डरावनी चीजें या डर लगा मुझे, तो बिल्कुल नहीं। डरने वाली बात बिल्कुल नहीं है। अगर आप सच्चे हो आप अच्छे हो तो लाइफ में डरना नहीं चाहिए।"

सुशांत के बारे में कही ये बात

अदा ने कहा कि सुशांत को उनके काम के लिए याद किया जाना चाहिए। "मुझे लगता है कि सुशांत को उनके काम के लिए, उनकी फिल्मों, उनकी परफॉर्मेंस के लिए याद किया जाना चाहिए। उनके इंटरव्यू के लिए याद किया जाना चाहिए, जो भी उन्होंने किया है उनकी लाइफ में, वो बहुत ही टैलेंटेड एक्टर है। बतौर एक्टर मुझे लगता है कि आपको आपके काम के लिए पहचाना जाना चाहिए। इसके लिए नहीं कि किसी और ने कुछ कहा और वो हेडलाइन बन गया। मुझे लगता है कि आप सब उनके इंटरव्यू देखें और उनके इंटरव्यू में से हेडलाइन लेकर फिर उनकी हेडलाइन बनाएं।"

अदा के लिए लकी है सुशांत का घर

फिल्मी ज्ञान को दिए इंटरव्यू में भी अदा ने इस बारे में बात की और कहा कि वो नहीं चाहती कि वो इस मामले में कुछ भी बोले। इसके साथ ही कहा कि उनके लिए सुशांत का घर लकी है। उनसे पूछा गया कि ये नया घर उनके लिए क्या लेकर आया, क्या उनके साथ कुछ अच्छा हुआ?

इस सवाल पर अदा ने कहा कि इस साल में उनकी चौथी फिल्म आ रही है और उन्हें लगता है कि वो ब्लेस्ड हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का प्यार और आशीर्वाद ही इंसान को आगे ले जाता है और उनके लिए भी लोगों का प्यार ही काम आ रहा है।

ऑनलाइन ठगी के खिलाफ मेटा चलाएगा जागरुकता अभियान, आयुष्मान खुराना भी बने इसका हिस्सा

तकनीक में उन्नति के साथ-साथ कई तरह के ठगी की घटनाओं में भी बढ़ोतरी हुई है। इसे देखते हुए मेटा ने एक नया सुरक्षा अभियान ठगी से बचाओ अभियान शुरु किया है। इसके तहत लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचने और सुरक्षित डिजिटल उपयोग को बढ़ावा देने को लेकर लोगों को शिक्षित किया जाएगा। इसके लिए मेटा ने बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ साझेदारी की है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से मेटा का ये अभियान शुरु किया गया है, जो देश में ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराधों से निपटने के सरकार के लक्ष्य का समर्थन करता है।

साइबर सुरक्षा के तहत लोगों का जागरुक करना है लक्ष्य

इस अभियान के तहत लोगों को आम जीवन में होने वाले ठगी को लेकर सतर्क रहने और किसी भी तरह की कार्रवाई करने से पलहे सावधानी बरतने के लिए प्रोत्साहित करता है। फिल्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर मौजूद सुरक्षा सुविधाओं को लेकर भी जागरुक करती है, जो लोगों को ऑनलाइन सुरक्षा नियंत्रण रखने में सक्षम बनाती है। वीडियो में, आयुष्मान खुराना शादी में आए वो मेहमान बने हैं, जो काफी सतर्क है। वो धोखाधड़ी के शिकार होने के कगार पर खड़े लोगों से मिलते हैं और तुरंत एक्शन लेते हुए हास्यपूर्ण अंदाज में उन्हें बचाते हैं। इस दौरान मेटा की सुरक्षा सुविधाओं जैसे टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, ब्लॉक और रिपोर्ट, व्हाट्सएप की ग्रुप प्राइवेसी सेटिंग्स का भी उल्लेख किया जाता है। इसमें बताया जाता है कि कैसे मेटा की ये सुविधाएं लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी और खतरों से बचाने में मदद करता है।

बढ़ते ऑनलाइन ठगी के इस दौर में सतर्क रहना जरूरी- आयुष्मान

इस अभियान की शुरुआत पर टिप्पणी करते हुए आयुष्मान खुराना ने कहा कि लोगों को अब काफी सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा,"आज के डिजिटल दौर में, ऑनलाइन ठगी और धोखाधड़ी की बढ़ती संख्या के साथ, जो कभी-कभी बहुत ही विश्वसनीय लगती है, वहां महत्वपूर्ण है कि हम सतर्क रहें और खुद को सुरक्षित रहने के तरीके के बारे में शिक्षित करें। मैं मेटा की सुरक्षा पहल का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, जिसका उद्देश्य लोगों को संभावित साइबर घोटालों से खुद को सुरक्षित रखने के प्रति जागरुक करना है। अभिनेता ने आगे कहा,₹ ये महत्वपूर्ण है कि आप कोई भी कार्य करने से पहले दो बार सोचे और मेटा के सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करें, जिससे आप अपनी ऑनलाइन सुरक्षा को नियंत्रित कर सकते हैं।

इस जागरुकता अभियान में कई तरह की ठगी की घटनाओं को दिखाया गया है, जिनमें व्यक्तिगत खातों और गोपनीय जानकारी से समझौता करने वाले ओटीपी स्कैम, पैसों की ठगी को लेकर किसी तरह उकसाना, गलत रिटर्न का वादा करने वाले ट्रेडिंग और निवेश से जुड़े स्कैम, नकली लोन एप्प आदि स्कैम शामिल हैं।

15 साल की उम्र में विधवा बनी, रानी चटर्जी ने फिल्म इंडस्ट्री को लेकर किया खुलासा, कहा- 'मेरा पैकअप तो 2006 में ही होना था'

भोजपुरी सिनेमा की हॉट और बोल्ड एक्ट्रेस रानी चटर्जी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने पहली ही फिल्म से काफी पॉपुलैरिटी हासिल की थी। उनकी पहली फिल्म 15 साल की उम्र में आई थी। वो पहली बार मनोज तिवारी के साथ फिल्म 'ससुरा बड़ा पईसावाला' के जरिए बड़े पर्दे पर नजर आई थीं। इसमें दोनों स्टार्स की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था और फिल्म ने कमाई के मामले में भी नया रिकॉर्ड बनाया था। ऐसे में एक्ट्रेस फिल्मों के साथ-साथ अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। वो कई बार दावा कर चुकी हैं कि इंडस्ट्री के बड़े एक्टर्स उनके साथ काम नहीं करना चाहते थे। यहां तक कि उन्हें फिल्मों से भी निकलवाया गया है। इन सबके बीच रानी ने एक बार फिर से फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बात की है और खुलासा किया है कि उन्हें कैसे-कैसे रोल ऑफर किए जाते थे। साथ महिला प्रधान फिल्मों का सिलसिला कैसे शुरू हुआ।

दरअसल, भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी हाल ही में आंचल दुबे के पॉडकास्ट में पहुंची थीं। इस दौरान रानी ने अपने करियर को लेकर खुलकर बात की और कई खुलासे किए। इसी पॉडकास्ट की एक छोटी क्लिप भोजपुरी एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज से शेयर किया है। इसमें उन्हें फिल्म इंडस्ट्री और बड़े एक्टर्स को लेकर बात करते हुए देखा जा सकता है। रानी कहती हैं, 'सोचो मैं 15 साल की उम्र में मैं एक विधवा का रोल कर रही हूं बंधन टूटे ना में। तो इस तरह के रोल्स आते थे हीरोज की जो स्टार्स की फिल्में होती थीं। कई फिल्मों से मुझे हटाया गया। मैंने कई बार जिक्र किया है ऑडियंस के सामने और मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है कि मैं अपना दुखड़ा सुनाऊं वो वुमन कार्ड प्ले करूं। क्योंकि बहुत पुरानी बातें हैं।'

इसके साथ ही रानी चटर्जी ने भोजपुरी में महिला प्रधान फिल्मों शुरुआत को लेकर आगे कहा, 'मुझे लगता है कि अगर ये महिला प्रधान फिल्मों का सिलसिला शुरू नहीं होता तो मेरा पैकअप तो 2006 में ही होना था।' इसके अलावा रानी ने फिल्म इंडस्ट्री में सीनियरिटी को लेकर भी कहा, 'अगर रवि किशन, मनोज तिवारी और निरहुआ फिल्म इंडस्ट्री के सीनियर हैं तो रानी चटर्जी, रिंकू घोष और पाखी हेगड़े भी सीनियर एक्ट्रेस हैं। आपको इज्जत देनी है और देनी पड़ेगी।' इसके साथ ही अवॉर्ड शो को लेकर कहती हैं, 'ये सब फेक हैं।'

आपको बता दें कि रानी चटर्जी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में महिला प्रधान फिल्में करने के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। वो अपनी फिल्मों में एक्शन भी करती हैं और रोमांस भी। इंडस्ट्री की ऐसी महिला कलाकार हैं, जो अपने बूते से फिल्मों को हिट कराती हैं। उन्हें भोजपुरी की 'लेडी सिंघम' भी कहा जाता है। वैसे तो ये उनकी फिल्म का टाइटल है, जिसमें उन्होंने शक्ति कपूर के साथ काम किया था। रानी ने इस फिल्म में जमकर एक्शन किया था, जिसके बाद उनका नाम लेडी सिंघम पड़ गया था।

इतना ही नहीं, रानी चटर्जी टीवी रियलिटी शोज का भी हिस्सा रह चुकी हैं। वो 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे शोज में नजर आ चुकी हैं। वहीं, ओटीटी पर 'मस्तराम' जैसी सीरीज में बोल्डनेस का तड़का लगा चुकी हैं।

रेणुका स्वामी मर्डर केस में कन्नड़ एक्टर दर्शन की जमानत याचिका खारिज

रेणुका स्वामी हत्याकांड में बेंगलुरु की सेशन कोर्ट ने कन्नड़ एक्टर दर्शन थगदीपा और उनकी महिला मित्र पवित्रा गौड़ा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इस मामले में 6 आरोपी थे जिसमें से 2 को जमानत मिल गई है जबकि 4 आरोपियों की जमानत खारिज कर दी गई है। सेशन कोर्ट ने दर्शन और पवित्रा गौड़ा के अलावा नागराज और लक्ष्मण की जमानत याचिका खारिज कर दी है। जबकि आरोपी रविशंकर और दीपक को जमानत मिल गई है।

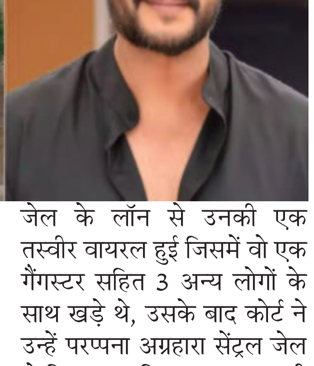

एक्टर दर्शन का एक फैन उनसे मिलने के लिए टैडी बियर के रूप में पहुंचा था। पीले रंग के इस टेडी को बाहर रोक दिया गया। ये फैन शिवमोगा के सागर का रहने वाला है, जिसका नाम कार्तिक बताया गया। कार्तिक दर्शन के बड़ा फैन है और उनसे मुलाकात करने के लिए टेडी बनकर पहुंच गया। टेडी ने हाथ में एक साइनबोर्ड लिया था, जिस पर लिखा था, "हम आपका इंतजार कर रहे हैं।" टेडी को देखकर वहां भीड़ लग गई थी।

47 साल के एक्टर दर्शन फिलहाल बेल्लारी जेल में हैं। जेल के लॉन से उनकी एक तस्वीर वायरल हुई जिसमें वो एक गैंगस्टर सहित 3 अन्य लोगों के साथ खड़े थे, उसके बाद कोर्ट ने उन्हें परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल से शिफ्ट कर दिया गया था। सभी आरोपियों को अलग-अलग जेल में रखा गया है।

रेणुकास्वामी को उनके होमटाउन चित्रदुर्ग से अगवा किया गया था और कथित तौर पर दर्शन और उनके गिरोह के सदस्यों ने उन्हें प्रताड़ित कर उनका मर्डर कर दिया था। पीड़िता ने कथित तौर पर मामले के मुख्य आरोपी और अभिनेता की दोस्त पवित्रा गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे, जिससे अभिनेता नाराज हो गया था। कथित तौर पर इसी की वजह से रेणुकास्वामी की हत्या हुई थी। रेणुकास्वामी का शव 9 जून को बेंगलुरु के सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के पास एक स्टॉर्मवॉटर ड्रेन के पास मिला था। सितंबर में, बेंगलुरु पुलिस ने इस मामले में दर्शन और गौड़ा सहित 17 लोगों पर आरोप लगाते हुए 3,991 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया था।

पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत और खुशहाल बनाती हैं ये बातें

20 अक्तूबर 2024 को करवा चौथ मनाया जा रहा है। ये त्योहार पति-पत्नी के प्रेम, उनके जन्मों के बंधन और शादी के रिश्ते का प्रतीक है। हिंदू धर्म में पति-पत्नी का रिश्ता सात जन्मों का माना जाता है। जिसमें अग्नि को साक्षी मानकर दो लोग एक दूसरे से जुड़ जाते हैं। लेकिन अक्सर उनके बीच खटपट होना या विवाद देखा जाता है। कई बार ये छोटी मोटी खटपट इतनी बढ़ जाती हैं कि रिश्ते में दूरियां आने लगती हैं। अगर आप नहीं चाहते कि आपका रिश्ता खराब हो तो जीवनसाथी के साथ मिलकर अपने बीच की समस्याओं का हल निकालें।

अपने कमजोर होते रिश्तों को मजबूत बनाएं और दूरियों को खत्म करें। इसके लिए यहां कुछ तरीके बताए जा रहे हैं, जिन्हें पति-पत्नी का रिश्ता हमेशा खुशहाल और मजबूत बना रहेगा। करवा चौथ पर केवल पूजा न करें, बल्कि रिश्ते में प्रेम और लगाव को बनाए रखने का प्रयास भी करें।

सम्मान

किसी भी रिश्ते में सम्मान होना जरूरी है। यह किसी भी मजबूत रिश्ते के लिए जरूरी है। सिर्फ माता-पिता या बड़ों के लिए ही नहीं, अपने से छोटों और पति-पत्नी के रिश्ते में भी सम्मान अहम होता है। इससे रिश्ते में महत्व बना रहता है। सम्मान प्यार की भावना और रिश्ते में सुरक्षा के भाव को उत्पन्न करता है। कभी-कभी किसी रिश्ते में प्यार बहुत होता है पर वह रिश्ता चलता नहीं क्योंकि उस रिश्ते में सम्मान नहीं होता है।

भरोसा

भरोसा किसी भी रिश्ते की नींव होता है। अगर यह कमजोर हुआ तो पूरा रिश्ता ही कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए कहा जाता है कि किसी भी रिश्ते में सबसे अहम चीज भरोसा है। अपने जीवनसाथी पर विश्वास करते हैं तो रिश्ता और मजबूत हो जाता है। आपके पार्टनर को ये पता होना चाहिए कि आप उनपर दुनिया में सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं। इससे आपका रिश्ता और भी मजबूत होता है और कभी भी कमजोर नहीं पड़ता है।

ईमानदारी

अपने रिश्ते में ईमानदार होना बहुत जरूरी है। अगर आप नहीं चाहते कि आपका रिश्ता कमजोर पड़े तो अपने पार्टनर से झूठ बोलना बंद कर दें। उनके प्रति ईमानदार रहें। क्योंकि, किसी भी रिश्ते को सबसे ज्यादा नुकसान झूठ पहुंचता है। रिश्ते को खुशहाल बनाए रखने के लिए एक दूसरे से सच बोलना, रिश्ते में ईमानदार रहना सीखें।

माफी मांगें

गलतियां होना सामान्य है लेकिन अपनी गलती को अपनाकर उनके लिए माफी मांगना बहुत जरूरी है। अगर आपसे कोई गलती हुई है तो अपने पार्टनर से माफी मांगने में झिझक महसूस न करें। उन्हें ये भी समझाएं कि किन परिस्थितियों में आपसे गलती हुई। उन्हें विश्वास दिलाएं कि आगे से आप प्रयास करेंगे कि ऐसी गलती न हो। हालांकि महत्वपूर्ण ये भी है कि अगर पार्टनर से कोई गलती हो जाए तो खुले दिल से माफ करने के लिए तैयार करें। बार-बार गलती का अहसास न दिलाएं, बल्कि गलती से सबक लेने की सलाह दें।

समय बिताएं

नई-नई शादी हुई हो या कई साल बीत गए हों, पति-पत्नी एक दूसरे को समय जरूर दें। एक दूसरे के साथ वक्त बिताएं। कहीं घूमने जाएं, छुट्टी पर किसी ट्रिप का प्लान बना सकते हैं। हालांकि अगर आप पैसे और समय को व्यय करने से बचना चाहते हैं तो भी घर पर रहकर पार्टनर के साथ अच्छा वक्त बिता सकते हैं। इसके लिए घर पर एक दूसरे के कामों में हाथ बंटाएं। साथ नाश्ता, लंच या मूवी देखें।

रिश्तेदारों की इन पांच सलाहों से पति-पत्नी के बीच का रिश्ता हो सकता है खराब

रिश्तेदारों की कुछ सलाह ऐसी भी होती हैं, जो आपके रिश्ते को बिगाड़ सकती हैं और पति के साथ बॉन्डिंग अच्छी होने के बजाय खराब हो सकती है। एक अच्छे रिश्ते की खासियत होती है उसमें मौजूद पॉजिटीविटी, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करने के साथ-साथ खुश भी रखती है। अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो इसका मतलब है कि आपके रिश्ते में कहीं न कहीं टूटने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। आपसी मनमुटाव की ये बातें परिजनों या रिश्तेदारों को पता चलती हैं तो वे सलाह देने लगते हैं। लेकिन रिश्तेदारों की कई ऐसी सलाहें होती हैं, जो रिश्ते को बनाने के बजाय टूटने के कगार पर पहुंचा देती हैं।

समय के साथ सब ठीक हो जाएगा

रिश्तेदारों द्वारा दी गई इस सलाह को मान कर आप हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठ सकतीं कि समय के साथ सब ठीक हो जाता है, क्योंकि कई बार समय हाथ से निकल जाता है और रिश्ते बिगड़ते चले जाते हैं। इसलिए जब आपके रिश्ते में थोड़ी-सी भी कड़वाहट आए तो आपको आपस में चीजें ठीक करने की कोशिश करनी चाहिए।

ससुराल छोड़ने का मशविरा

आपसी रिश्ते बिगड़ने पर रिश्तेदारों की यह खास सलाह होती है कि ससुराल छोड़ दो। उनके अनुसार, सास-ससुर से अलग रहने से सब ठीक हो जाता है। लेकिन आप अपना रिश्ता बरकरार रखना चाहती हैं तो रिश्तेदारों की इस सलाह को न मानें।

प्रेग्नेंसी प्लान करो

आपके खराब हो रहे रिश्ते की खबर जब रिश्तेदारों को लगती है तो आमतौर पर उनकी पहली सलाह होती है कि अब प्रेगनेंसी प्लान कर लो, सब ठीक हो जाएगा। प्रेगनेंसी प्लान करने से पहले अपने रिश्ते को ठीक करना ही बेहतर होगा। बच्चे को जन्म देने का फैसला आप दोनों का ही होना चाहिए, न कि रिश्तेदारों का।

घर के काम औरतों को ही शोभा देते हैं

औरत ही घर का अधिकांश काम कर लेती है। लेकिन अगर कभी आपने रिश्तेदारों के सामने पति को छोटे-से काम में भी मदद करने के लिए कह दिया तो फिर वह अक्सर यह ताना मारेंगे कि घर का काम पुरुषों का नहीं होता है और यही बात वह अन्य लोगों से भी कहेंगे। इस तरह यह बात घर के बाहर चली जाएगी कि आपके घर में तो आदमी काम करते हैं। इस ताने से पति के व्यवहार में भी बदलाव आता है। ऐसे में आप उनसे खुल कर बात करें।

आत्मसम्मान की बात है तो झुकना मत

आपके आपसी मतभेद की बात रिश्तेदारों को पता चलते ही कई सलाहकार आपको सलाह देने आ जाएंगे कि आत्मसम्मान है तो झुकना मत। उनकी इस तरह की सलाह पर आप बिल्कुल ध्यान न दें, क्योंकि उनकी ऐसी सलाह भी आपके अच्छे-भले रिश्ते को बिगाड़ सकती है। रिश्ते को बनाए रखने के लिए कई बार छोटी-छोटी बातों को अनदेखा भी करना पड़ता है।

बड़ा फैसला लेने से पहले

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. एस. धनंजय कहती हैं, अगर आपको लगता है कि ससुराल में पर्याप्त प्यार नहीं मिल रहा है तो पहले इसका कारण जानें। क्या आप सास-ससुर के साथ माता-पिता, ननद के साथ बहन, देवर के साथ भाई जैसा व्यवहार कर रही हैं और उन्हें सम्मान दे रही हैं? ससुराल में कोई आपके साथ कैसा व्यवहार करता है, यह उसके व्यक्तित्व को दर्शाता है।

आप दुनिया में हर किसी को संतुष्ट नहीं कर सकतीं। बस, एक बात का ध्यान रखें कि आप किसी का अपमान न करें। अगर आपके साथ कोई अप्रिय व्यवहार होता है तो एकांत में चर्चा करें और शांत भाव से पति को बताएं। बड़ा फैसला लेने से पहले सास-ससुर और माता-पिता से चर्चा जरूर करें और बात न बने तो मनोवैज्ञानिक की सलाह लें।

एक्सरसाइज नहीं करने के साइड एफेक्ट जानते हैं आप?

मेंटल हेल्थ होगी प्रभावित, इस एक अंग को भी होगा भारी नुकसान

क्सपर्ट अक्सर कहते हैं कि लंबी उम्र तक स्वस्थ और निरोगी जीवन जीने के लिए बेहद जरूरी है शारीरिक रूप से एक्टिव रहना बहुत जरूरी है. इसके लिए वर्कआउट, एक्सरसाइज को डेली रूटीन में शामिल करना आवश्यक होता है. एक्सरसाइज करने से न सिर्फ शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, बल्कि हड्डियां मजबूत बनी रहती हैं. आप कई तरह के रोगों से बचे रहते हैं. शरीर में जमी एक्स्ट्रा चर्बी घटती है, जिससे मोटापा कम होता है. वजन कंट्रोल में रहता है. हार्ट डिजीज, हाई कोलेस्ट्रॉल कम होता है. लेकिन, आजकल जिस तरह की लाइफस्टाइल लोग जी रहे हैं, उसमें कई तरह की बीमारियों के होने का खतरा बढ़ रहा है. लोग कम उम्र में ही हार्ट अटैक से मर रहे हैं. मोटापा, डायबिटीज से ग्रस्त हो रहे हैं. चलिए जानते हैं एक्सरसाइज न करने के क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं.

एक्सरसाइज न करने के नुकसान

वजन बढ़ सकता है: जब आप सारा दिन बैठे-बैठे खाते रहेंगे, एक ही जगह घंटों बैठकर ऑफिस में काम करेंगे तो शरीर कई तरह की बीमारियों से जकड़ जाएगा. आपके ज्वाइंट्स में दर्द शुरू हो सकता है. वजन बढ़ सकता है. शरीर में एक्स्ट्रा कैलोरी जम होने से मोटापा बढ़ सकता है.

हार्ट हो सकता है बीमार: टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, जब आप बिल्कुल भी एक्सरसाइज नहीं करते हैं तो आपका हार्ट अपना काम सही से करने में अक्षम हो जाता है. इससे हार्ट सही से पंप नहीं करता है. जब आप एक्सरसाइज करते हैं तो हार्ट पंप भी करता है और एक्टिव भी रहता है. एरोबिक और कार्डियो एक्सरसाइज करने से हार्ट रेट सही रहता है और हृदय रोग कम होते हैं.

मांसपेशियां होती हैं कमजोर: जब आप एक्सरसाइज नहीं करते, रेगुलर फिजिकली एक्टिव नहीं रहते हैं तो आपकी हड्डियां और मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं. एक्सरसाइज नहीं करने से मसल्स की कोशिकाएं सही शेप में नहीं रहती हैं. इससे मसल्स स्ट्रेंथ में भी कमी आती है, जिससे आपको मांसपेशियों में दर्द और कमजोरी महसूस हो सकती है. आपको शारीरिक रूप से ऊर्जा की कमी महसूस होगी.

क्या आप जानते हैं कि एक्सरसाइज और अच्छी नींद का भी आपस में ताल्लुक है? जी हां, यदि आप हेवी एक्सरसाइज करते हैं या फिर ब्रिस्क रन करते हैं सोने से पहले तो आप थके हुए होते हैं. इससे बेड पर जाते ही नींद अच्छी और जल्दी आती है. इस तरह आप बिल्कुल भी स्ट्रेचिंग नहीं करते, चलते-फिरते नहीं ये आपकी नींद को भी प्रभावित करता है.

एक्सरसाइज को एक बेहतरीन स्ट्रेसबस्टर और स्लीप इंड्यूसर कहा जाता है. यदि आपको एंजायटी, स्ट्रेस की समस्या है तो आप डेली फिजिकली एक्टिव रहकर इन समस्याओं से पीछा छुड़ा सकते हैं.

कई बार एक्सरसाइज नहीं करने से ब्लड शुगर लेवल भी प्रभावित होता है. लगातार बैठे रहने की आदत से कई लोगों में डायबिटीज होने की आशंका बढ़ जाती है. टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड शुगर लेवल फिजिकल एक्टिविटी न होने के कारण हो सकता है. ऐसे में डायबिटीज से बचे रहना चाहते हैं तो एक्सरसाइज हर दिन जरूर करें.

शक की वजह से बिगड रहा है आपका रिश्ता तो करें ये काम

अगर आप अपने पार्टनर पर हर छोटी-छोटी बात पर शक करते हैं, और शक की वजह से ही उनसे लड़ते-झगड़ते हैं तो थोड़ा सावधान हो जाएं। वैसे तो पार्टनर्स के बीच हंसी-मजाक और छोटी-मोटी नोंक-झोंक रिश्ते को मजबूत बनाती है लेकिन जब रिश्ते में शक पैदा होने लगता है, तो इसे कमजोर होने में भी देर नहीं लगती। शक और लगातार होने वाले झगड़े आपके रिश्ते को कमजोर कर सकते हैं।

यदि आपके रिश्ते भी शक की वजह से ही खराब हो रहे हैं तो आपको संभलने की जरूरत है। यहां हम आपको पांट ऐसी टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने के बाद आप अपने रिश्ते को और मजबूत बना सकते हैं। इन टिप्स को अपनाकर आप अपने मन के शक को भी दूर कर लेंगे।

अपने आप को समझें

अगर आप अपने पार्टनर पर शक करने लगे हैं तो पहले आप अपने आप से बात करें और समझें कि क्या यह शक करना ठीक है? अपनी भावनाओं को भी समझना

बहुत जरूरी है। आप अपने आपको समझेंगे तभी तो अपने पार्टनर को समझाएंगे की आप क्या फील कर रहे हैं और ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं।

पार्टनर से करें बात

अपने पार्टनर से बात करें और उसे अपने दिल की बात बताएं। इस बारे में खुल कर अपनी बात रखें। इसके साथ ही अपने पार्टनर की बातों को भी समझें। उनकी बात को ध्यान से सुनें और समझें वो आपसे क्या कहना चाहते हैं। जब आप अपने पार्टनर से दिल खोल कर बात करते हैं, इससे रिश्ते में भरोसा और प्यार दोनों ही बढ़ता है।

साथ समय बिताएं

अपने व्यस्त समय से थोड़ा समय निकाल कर एक-दूसरे के साथ वक्त बिताएं और दिल खोल कर बात करें। एक साथ कहीं घूमने जाएं और साथ रहें। इससे आपका शक भी कम होगा। अपनी कमजोरी को मानें और अपने पार्टनर को बताएं कि आप क्या सोच रहे हैं। जब घूमने जाएं तो उस दौरान ही आप अपनी भावनाओं को अपने पार्टनर को भी समझाएं ।

काउंसलर के पास जाएं

अगर आपका रिश्ता बहुत खराब हो गया है और टूटने की कगार में है तो आप काउंसलर के पास जा सकते हैं। उनकी मदद ले सकते हैं। शक करना बुरी बात नहीं है, पर जरूरत से ज्यादा और हर बात पर शक करना गलत बात है। इस वजह से आपका रिश्ता खतरे में पड़ सकता है या टूटने की कगार पर आ सकता है ।

दोस्त जैसे रहें

अपने पार्टनर से बात करें उनको अपने मन का हाल बताएं। उनके साथ दोस्त जैसे रहें, उन पर भरोसा करें। उनकी बातों को समझें उनको दोस्त जैसे ही समझें। साथ घूमने जाएं और साथ समय बिताएं।

घर के किचन में रखी दालचीनी में मिलाएं यह चीज, रातों-रात निखर जाएगा चेहरा

घर से बाहर रहने यानी दिनभर की भागदौड़ से स्किन पर कई परेशानियां आने लगती हैं. प्रदूषण और धूप से चेहरे पर टैनिंग आने लगती है, जिससे चेहरे का निखार कम होते जाता है और वह बेजान लगने लगता है. इसे सही करने के लिए आप घरेलू नुस्खों की मदद ले सकते हैं. दालचीनी का यूज बहुत किया जाता है, जो फेस पैक के रूप में इस्तेमाल होता है. रसोई में मौजूद दालचीनी आपके स्किन को रातों-रात निखार सकती है.

बस इसको कुछ चीजों में मिक्स करके लगाना होगा. आइए जानते हैं कैसे...

दालचीनी और शहद

आप दालचीनी पाउडर को अपने फेस पर शहद में मिक्स करके लगा सकते हैं. इसका मिश्रण स्किन को मॉइस्चराइज करता है और झुर्रियों को कम करने में मदद करता है. इस पैक को नेक एरिया पर लगाना न भूलें.

दालचीनी और नींबू का रस

दालचीनी पाउडर में नींबू रस मिलाकर आप फेशियल पेस्ट बना

सकते हैं. यह पेस्ट स्किन को ब्राइट करने के लिए बहुत मददगार है. इतना ही नहीं, यह स्किन के काले दाग-धब्बों को हटाता है.

दालचीनी में गुलाब जल

दालचीनी पाउडर को गुलाब जल में मिलाकर भी स्किन पर लगाया जा सकता है. गुलाब जल

स्किन के PH लेवल को नॉर्मल करता है. इसके अलावा इसका मिश्रण स्किन को ठंडक पहुंचाता है और तनाव को कम करता है.

दालचीनी में एलोवेरा जेल

स्किन के लिए एलोवेरा जेल बहुत फायदेमंद है. यह स्किन की हर समस्या में काम आता है. पिंपल और टैनिंग हटाने के लिए इसको कई घरेलू नुस्खों में यूज किया जाता है. अगर आपकी स्किन रूखी-सूखी है तो दालचीनी और एलोवेरा का मिश्रण लगा सकते हैं. यह स्किन को हाइड्रेट करता है और जलन को शांत करता है.

दालचीनी और चंदन का पाउडर

दालचीनी और चंदन पाउडर को मिलाकर आप इसका पेस्ट लगा सकते हैं. इसका पेस्ट आपके स्किन को ठंडक पहुंचाता है और त्वचा को स्मूद बनाता है.

धोने के बाद काले कपड़ों पर रह जाते हैं डिटर्जेंट के धब्बे? कैसे पाएं इनसे छुटकारा

जब आप कपड़े धोने के लिए डिटर्जेंट ज्यादा मात्रा में लेते हैं और इसके हिसाब से पानी कम होता है, तो ऐसे में कपड़ों पर डिटर्जेंट के धब्बे रह जाते हैं।

साफ-सुथरे कपड़े पहनना हर किसी को पसंद होता है। यही वजह है कि लोग हर बार कपड़े पहनने के बाद उन्हें धोते जरूर हैं। इसके लिए कुछ लोग वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल करते हैं, तो कई हाथों की मदद से कपड़े धोते हैं। हालांकि, कई बार कपड़े धोने के बाद सूखने पर उनपर डिटर्जेंट के धब्बे रह जाते हैं। खासकर काले कपड़ों के साथ ऐसा ज्यादा होता है।

वहीं, धुलाई के बाद कपड़ों पर रह जाने वाले ये डिटर्जेंट के धब्बे ना केवल दिखने में भद्दे लगने लगते हैं, बल्कि इनके चलते नए कपड़े भी सालों पुराने जैसे नजर आने लगते हैं और फिर इनसे छुटकारा पाना भी मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी अक्सर इस तरह की समस्या से परेशान रहते हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए मददगार हो सकता है। यहां हम आपको कुछ बेहद आसान टिप्स बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप कपड़ों पर रह जाने वाले डिटर्जेंट के इन धब्बों से छुटकारा

पा सकते हैं।

इससे पहले जान लेते हैं कि आखिर ये धब्बे होते क्यों हैं?

कपड़ें धोने के बाद उनपर डिटर्जेंट के धब्बे रह जाने के पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। जैसे-

डिटर्जेंट की ज्यादा मात्रा

जब आप कपड़े धोने के लिए डिटर्जेंट ज्यादा मात्रा में लेते हैं और इसके हिसाब से पानी कम होता है, तो ऐसे में कपड़ों पर डिटर्जेंट के धब्बे रह जाते हैं।

ज्यादा देर तक कपड़े भिगोना

डिटर्जेंट और पानी में ज्यादा देर तक कपड़ों को भिगोकर रखने से भी इनपर दाग रह जाते हैं। ऐसे में बहुत देर तक कपड़ों को डिटर्जेंट वाले पानी में न रखें।

सही धुलाई

इन सब से अलग कपड़ों को सही तरीके से न धोने या धोते समय कपड़ों को पानी में अच्छी तरह न निकालने पर भी इनपर डिटर्जेंट के निशान रह जाते हैं।

इन निशान को हटाने के लिए क्या करें?

विनेगर

अगर आपके कपड़ों पर डिटर्जेंट के धब्बे रह गए हैं, तो इन्हें हटाने के लिए एक बोतल को आधा पानी से भर लें और फिर इसमें बराबर मात्रा में सफेद सिरका मिलाएं। पानी और सिरके को आपस में अच्छी तरह मिला लें और फिर इसे दाग वाले हिस्से पर स्प्रे करें। इसके बाद कपड़े को हाथों की मदद से रगड़ लें। ऐसा करने पर दाग साफ हो सकते हैं।

रबिंग अल्कोहल

अगर दाग ज्यादा हैं, तो इन्हें साफ करने के लिए आप कपड़ों को 10 से 15 मिनट के लिए रबिंग अल्कोहल में भिगोकर रख सकते हैं। इसके बाज सादे पानी से धो लें। ऐसा करने से भी कपड़ों से डिटर्जेंट के धब्बे साफ हो सकते हैं।

नींबू

इन सब से अलग कपड़ों से डिटर्जेंट के दाग हटाने के लिए आप नींबू की मदद भी ले सकते हैं। इसके लिए नींबू को बीच से काटकर इसे दाग वाले हिस्से पर हल्का रगड़ें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें। ऐसा करने से भी कपड़ों से सर्फ के दाग साफ हो सकते हैं।

देश पहले से 6 गुना ज्यादा मोबाइल बना रहा है

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2024 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश पहले से 6 गुना ज्यादा मोबाइल बना रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि देश क्वालिटी सर्विस पर ध्यान दे रहा है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में स्पेस मिशन के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि देश का स्पेस मिशन भी तेजी से काम कर रहा है। पीएम मोदी ने बताया कि देश में सभी जिले 5जी सर्विस से जुड़ गए हैं। नेशनल मोबाइल कांग्रेस एक टेक इवेंट है। इस बार इसका 6वां आयोजन हो रहा है। इसका आयोजन 18 अक्टूबर तक होगा। इस इवेंट में दुनियाभर के 120 से ज्यादा देश हिस्सा ले रहे हैं। साथ ही इसमें 400 से ज्यादा एग्जीबिटर और करीब 900 स्टार्टअप भी मौजूद हैं। साथ ही इसमें 190 से ज्यादा देशों के तीन हजार से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। इस इवेंट के उद्घाटन समारोह में पीएम मोदी के साथ केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहे।

ऑप्टिकल फाइबर में बनाई अलग पहचान

पीएम मोदी ने देश में ऑप्टिकल फाइबर को लेकर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले 10 साल में जितना ऑप्टिकल फाइबर बिछाया है, उसकी लंबाई धरती और चंद्रमा के बीच की दूरी से भी आठ गुना अधिक है।उन्होंने कहा कि 2 साल पहले मोबाइल कांग्रेस में ही हमने 5जी लॉन्च किया था, आज भारत का करीब-करीब हर जिला 5जी सर्विस से जुड़ चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी मार्केट बन चुका है और अब हम 6जी टेक्नॉलजी पर भी तेजी से काम कर रहे हैं।

इक्विटी और ऑपर्च्युनिटी का माध्यम बना टेलीकॉम

पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में भारत की मोबाइल और टेलीकॉम यात्रा पूरी दुनिया के लिए स्टडी का विषय है। उन्होंने कहा कि दुनिया में मोबाइल और टेलीकॉम को एक सुविधा के रूप में देखा गया, लेकिन भारत का मॉडल कुछ अलग रहा है। भारत में हमने टेलीकॉम को सिर्फ कनेक्टिविटी का नहीं, बल्कि इक्विटी और ऑपर्च्युनिटी का माध्यम बनाया। ये माध्यम आज गांव और शहर, अमीर और गरीब के बीच की दूरी को मिटाने में मदद कर रहा है।

'उपग्रह कंपनियों को भी स्पेक्ट्रम खरीदनी चाहिए', सुनील मित्तल ने पीएम की मौजूदगी में की बडी मांग

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल ने भी मंगलवार को इस बात की वकालत की कि उपग्रह कंपनियों को लाइसेंस शुल्क का भुगतान करने के साथ-साथ अपनी दूरसंचार सेवाओं के लिए 'एयरवेव' खरीदना चाहिए जैसा कि पुरानी कंपनियां करती हैं, ताकि इस क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध हो सके। इससे पहले, मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो ने पिछले हफ्ते दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को पत्र लिखकर दूरसंचार नियामक ट्राई की इस सिफारिश का विरोध किया था कि सैटेलाइट ब्रॉडबैंड को नीलाम न करके, आवंटित किया जाए। भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल के प्रमुख मित्तल ने 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' में कहा कि मौजूदा दूरसंचार कंपनियां उपग्रह सेवाओं को सुदूर क्षेत्रों तक पहुंचा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में मित्तल ने कहा, ''और जो उपग्रह कंपनियां शहरी क्षेत्रों में आकर खुदरा ग्राहकों को सेवा देने की महत्वाकांक्षा रखती हैं, उन्हें भी बाकी लोगों की तरह दूरसंचार लाइसेंस के लिए भुगतान करना चाहिए। उन पर भी समान शर्तें लागू होनी चाहिए।'' मित्तल ने कहा, ''उन्हें (सैटेलाइट कंपनियों को) भी दूरसंचार कंपनियों की तरह स्पेक्ट्रम खरीदनी चाहिए, उन्हें दूरसंचार कंपनियों की तरह लाइसेंस के लिए भुगतान करना चाहिए। मित्तल ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों के नेटवर्क को सुरक्षित किया जाना चाहिए। एलन मस्क की स्टारलिंक और अमेजन के प्रोजेक्ट कुइपर जैसी वैश्विक कंपनियां सरकार के फैसले के तहत प्रशासनिक आवंटन का समर्थन करती हैं।

आठ साल में 2जी से 5जी के दौर में; 6जी में और बेहतर होंगे'

आकाश अंबानी बोले- मोदी हैं तो मुमकिन है

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। नए भारत में, मोदी जी के भारत में, अब पहले की तरह काम नहीं होता। 1.45 अरब भारतीयों की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए विश्व स्तरीय सेवाएं देने के उद्देश्य से सरकार और उद्योग के बीच एक असामान्य तालमेल है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी ने ये बातें वर्ल्ड टेलीकम्यूनिकेशन स्टैन्डर्डाइजेशन असेंबली (डब्ल्यूटीएसए 2024) में कही। आकाश अंबानी ने कहा, युवा भारत के प्रतिनिधि के रूप में, मैं युवाओं के साथ आपके अविश्वसनीय जुड़ाव और असंभव दिखने वाले लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें प्रेरित करने के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ। आकाश अंबानी ने इस दौरान हिंदी में कहा, मोदी है तो मुमकिन है...। आकाश अंबानी ने विदेशी अतिथियों के लिए यह बात अंग्रेजी में भी दोहराई।आकाश अंबानी ने कहा, दुनिया उस देश से हैरान है जो आठ साल पहले 2जी की गति से रेंग रहा था और अब 5जी की गति से आगे बढ़ रहा है। मैं प्रधानमंत्री को आश्वस्त करना चाहूंगा कि 6जी में भारत का रिकॉर्ड और भी बेहतर होगा। आकाश अंबानी ने कहा कि यूपीआई दुनिया की नंबर वन डिजिटल भुगतान प्रणाली बन गई है। आज, भारत दुनिया का एकमात्र बड़ा देश है जहां मोबाइल डेटा की कम कीमतों के बावजूद सबसे तेज़ इंटरनेट है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश एम अंबानी ने मंगलवार को कहा कि भारत को अधिकतम आत्मनिर्भर प्रयासों और पूरी रणनीति के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता को तत्काल अपनाना चाहिए। आईएमसी और आईटीयूडब्ल्यूटीएसए 2024 के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए अंबानी ने सरकार से डेटा सेंटर नीति 2020 के मसौदे को आपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने का भी आग्रह किया ताकि भारतीय डेटा भारत के डेटा केंद्रों में ही रहे।उन्होंने कहा, ...भारत में बहुभाषी डेटा उत्पादन का पैमाना और गति, जो एआई क्रांति को आगे बढ़ाएगी, तेजी से बढ़ने वाली है। हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह डेटा सेंटर नीति के 2020 के मसौदे को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाए। भारतीय डेटा भारत के डेटा केंद्रों में ही रहना चाहिए। ऐसा सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है। अंबानी ने एआई को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कृषि और विनिर्माण सहित हर क्षेत्र में परिवर्तन के लिए एक क्रांतिकारी उपकरण बताया।

500000 नौकरियां देगा टाटा ग्रुप

इन सेक्टर में दिए जाएंगे सबसे ज्यादा जॉब

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप ने अपनी 5 साल की रणनीति तय कर ली है। इसके तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में टाटा ग्रुप करीब 5 लाख जॉब पैसा करेगा। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि देश का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर 7।4 फीसदी की रफ्तार से बढ़ रहा है। इसमें करीब 13 लाख जॉब पैदा हुए हैं। टाटा ग्रुप ने भी सेमीकंडक्टर , इलेक्ट्रिक वेहिकल , बैटरी और इससे जुड़े उद्योगों में करीब 5 लाख नौकरियां देने का फैसला किया है।

विकसित भारत का सपना पूरा करने में मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर का अहम रोल

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने मंगलवार को इंडियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि हम भारत को विकसित देश बनने का सपना देख रहे हैं। इसे पूरा करने में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर अहम रोल निभाने वाला है। हम इस सेक्टर में नौकरियां पैदा किए बिना विकसित भारत का लक्ष्य पूरा नहीं कर सकते। हर महीने करीब 10 लाख लोग भारत की वर्कफोर्स का हिस्सा बन जाते हैं। इसलिए हमें देश के भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा नौकरियां पैदा करनी होंगी।

सेमीकंडक्टर में बड़े निवेश कर रहा टाटा ग्रुप, ईवी-बैटरी निर्माण में भी मिलेंगे जॉब

उन्होंने कहा कि टाटा ग्रुप ने सेमीकंडक्टर सेक्टर में बड़े निवेश किए हैं। हम इससे जुड़े अन्य सेक्टर में भी निवेश बढ़ाएंगे। अगले 5 साल में 5 लाख नौकरियां पैदा करना हमारा लक्ष्य है। टाटा ग्रुप ने असम में एक बड़ा सेमीकंडक्टर प्लांट लगाया है। इसके अलावा ईवी और बैटरी निर्माण में भी हम काम कर रहे हैं। फिलहाल अगले 5 साल की योजना को अंतिम रूप देने पर काम चल रहा है। इसके डिटेल हम बाद में बताएंगे। हालांकि, हम ज्यादा से ज्यादा नौकरियां पैदा करने पर ध्यान दे रहे हैं। साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में करीब 5 लाख एसएमई भी पैदा होंगे।

चंद्रशेखरन ने कहा कि हमें पैदा करने होंगे 10 करोड़ जॉब

एन चंद्रशेखरन ने कहा कि हमें 10 करोड़ जॉब पैदा करने हैं। अगर हम 5 लाख डायरेक्ट जॉब पैदा करेंगे तो इनकी मदद से कई गुना इनडायरेक्ट नौकरियां सामने निकलकर आएंगी। नेशनल स्टेटिस्टिकल ऑर्गनाईजेशन की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2022 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 11 लाख नौकरियां पैदा हुई थीं, जो कि वित्त वर्ष 2023 में बढ़कर 13 लाख हो गई हैं। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला राज्य महाराष्ट्र है। इसके बाद गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश का नंबर आता है।

11 जरूरी दवाओं की कीमतों में होगा इजाफा

एनपीपीए ने कहा- उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए दी गई मंजूरी

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने आठ दवाओं के ग्यारह अनुसूचित यौगिकों की कीमतों में 50 प्रतिशत इजाफे की मंजूरी दे दी है। एनपीपीए के अनुसार इस कदम का मकसद सार्वजनिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय 8 अक्तूबर को प्राधिकरण की बैठक के दौरान औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के पैरा 19 के तहत दी गई असाधारण शक्तियों का उपयोग करते हुए किया गया। इस कदम का उद्देश्य सस्ती दवा उपलब्ध कराने के जनादेश से समझौता किए बिना इन दवाओं के निर्माण की वित्तीय व्यवहार्यता को बनाए रखना है। एनपीपीए का पहला उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आवश्यक दवाएं उचित मूल्य पर उपलब्ध हों। हालांकि, दवा निर्माताओं की ओर से सक्रिय फार्मास्युटिकल सामग्री (एपीआई) की बढ़ती लागत, उत्पादन खर्च में वृद्धि और विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव के कारण मूल्य संशोधन की मांग की थी। जिन दवाओं की कीमतों में वृद्धि को मंजूरी दी गई है उनमें अस्थमा, ग्लूकोमा, थैलेसीमिया, तपेदिक और मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसी स्थितियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली दवाएं शामिल हैं। इन दवाओं का उपयोग अक्सर सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में प्रथम-पंक्ति उपचार के रूप में किया जाता है, और मूल्य समायोजन का उद्देश्य उत्पादन चुनौतियों के कारण दवाओं की कमी या अनुपलब्धता को रोकना है। देश में प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए इन दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। मूल्य वृद्धि से प्रभावित दवाओं की सूची में बेंजिल पेनिसिलिन 10 लाख आईयू इंजेक्शन, एट्रोपिन इंजेक्शन 0.6 एमजी/एमआई, इंजेक्शन के लिए स्ट्रेप्टोमाइसिन पाउडर (750 एमजी और 1000 एमजी) साल्बुटामोल टैबलेट (2 एमजी और 4 एमजी) और रेस्पिरेटर सॉल्यूशन (5 एमजी/एमआई), पिलोकार्पाइन 2 प्रतिशत ड्रॉप्स, सेफैड्रोक्सिल टैबलेट 500 एमज, इंजेक्शन के लिए डेसफेरियोक्सामाइन 500 एमजी और लिथियम टैबलेट 300 एमजी शामिल हैं। 2019 और 2021 ऐसे कदम उठाए गए थे।

रिलायंस, टाटा स्टील और बजाज फाइनेंस के स्टॉक में बिकवाली से बाजार पर बना दबाव, सेंसेक्स-निफ्टी गिरकर हुआ क्लोज

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंगलवार के कारोबारी सत्र में सुबह के ट्रेड के दौरान शानदार शुरुआत के बावजूद दिन में बिकवाली आ गई और बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है। ऑटो आईटी और फार्मा स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बाजार में ये गिरावट आई है। हालांकि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी के चलते रौनक दिखी। बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 153 अंकों की गिरावट के साथ 81,820 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 71 अंकों की गिरावट के साथ 25057 अंकों पर क्लोज हुआ है। आज केकारोबार में बैंकिंग, एफएमसीजी, रियल एस्टेट, मीडिया, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखी गई। जबकि ऑटो, आईटी, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, कमोडिटीज के स्टॉक्स में बिकवाली रही। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी के चलते निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 121 अंकों के उछाल के साथ तो स्मॉल कैप इंडेक्स 211 अंकों के उछाल के साथ क्लोज हुआ है। बीएसई के 30 शेयरों में 9 स्टॉक्स तेजी के साथ जबकि 21 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 18 तेजी के साथ और 30 गिरावट के साथ बंद हुए और दो स्टॉक्स के भाव में कोई बदलाव नहीं देखने को मिला है। तेजी वाले शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक 1.95 फीसदी, भारती एयरटेल 1.26 फीसदी, एशियन पेंट्स 1.20 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 0.71 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.68 फीसदी, एचसीएल टेक 0.58 फीसदी, एनटीपीसी 0.27 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है। गिरने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस 2.47 फीसदी, रिलायंस 2.05 फीसदी, टाटा स्टील 1.58 फीसदी, टेक महिंद्रा 1.07 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.01 फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.80 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। सेंसेक्स-निफ्टी के गिरावट के साथ बंद होने के बावजूद बाजार के मार्केट कैप में उछाल रहा है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 463.88 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ है जो पिछले सत्र में 463.62 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था। यानि आज के सत्र में 26000 करोड़ रुपये के बढ़त के साथ मार्केट कैपिटलाइजेशन रहा है।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट : सोना 314 गिरकर 75,687 पर आया

चांदी 448 सस्ती होकर 89,578 प्रति किलो बिक रही

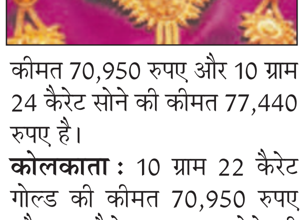

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 15 अक्टूबर को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 314 रुपए गिरकर 75,687 रुपए पर आ गया। इससे पहले इसके दाम 76,001 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, चांदी की कीमत में आज बड़ी गिरावट है। ये 448 रुपए गिरकर 89,578 रुपए प्रति किलो हो गई। इससे पहले चांदी 90,026 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,550 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,440 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,950 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,440 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,440 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,000 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,450 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 70,950 रुपये है।

सबसे बड़ा खतरा, यहां से गुजरता है दुनिया का 20% तेल, थमी नहीं तोपें तो लगेगी महंगाई की आग!

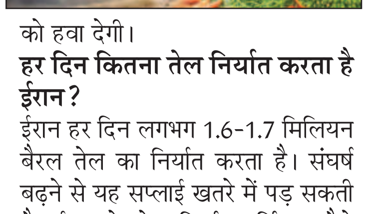

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)।इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष से पूरी दुनिया में तेल सप्लाई पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। इस जंग के बढ़ने से न सिर्फ तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। अलबत्ता, पूरे मध्य पूर्व में अशांति फैल सकती है। दुनिया का 20% तेल होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यह एक महत्वपूर्ण शिपिंग रूट है। इस क्षेत्र में किसी भी तरह की रुकावट से ग्लोबल तेल सप्लाई पर सीधा असर पड़ेगा। यह दुनियाभर में महंगाई को हवा देगी। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल आयात करता है। कच्चे तेल पर उसकी निर्भरता एक गंभीर मुद्दा है। यह देश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर असर डालता है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण ऊर्जा की खपत लगातार बढ़ रही है। तेल आयात के कारण देश का इम्पोर्ट बिल बढ़ता है। इससे व्यापार घाटे में बढ़ोतरी होती है। रुपये का मूल्य कमजोर होता है। यानी तेल कीमतों में किसी भी तरह की तेजी भारत के लिए अच्छी नहीं है। यह महंगाई को हवा देगी।

हर दिन कितना तेल निर्यात करता है ईरान?

ईरान हर दिन लगभग 1.6-1.7 मिलियन बैरल तेल का निर्यात करता है। संघर्ष बढ़ने से यह सप्लाई खतरे में पड़ सकती है। ईरान के तेल निर्यात टर्मिनल जैसे खार्ग द्वीप और सिरी द्वीप उसके निर्यात के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। जंग बढ़ने पर ये टर्मिनल निशाने पर आ सकते हैं। ईरान की प्रमुख गैस निर्यात पाइपलाइनों को भी निशाना बनाया जा सकता है। इनमें तुर्की जाने वाली तबरेज-अंकारा पाइपलाइन शामिल है। यह पाइपलाइन हर साल 9-10 बीसीएम प्राकृतिक गैस का परिवहन करती है। यह ईरान के कुल निर्यात का एक बड़ा हिस्सा है। कुल मिलाकर, तेल सप्लाई में लगभग 1.6-1.7एमबीपीडी की गिरावट देखने को मिली सकती है। वहीं, 17-20 बीसीएफ प्राकृतिक गैस निर्यात खतरे में पड़ सकता है। यह स्थिति पहले से ही धीमी आर्थिक विकास से जूझ रही दुनिया के लिए चिंता का विषय है।

भारत भी नहीं रहने वाला है अछूता

इन स्थितियों से भारत भी अछूता नहीं रह सकता है। इसका सबसे बड़ा खतरा महंगाई के तौर पर सामने आ सकता है। खाने का सामान महंगा होने से सितंबर में पहले ही खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.49 फीसदी पर पहुंच गई। इससे पिछले महीने यह 3.65 फीसदी पर थी। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई सितंबर में उछलकर 9.24 फीसदी हो गई। यह इससे पिछले महीने अगस्त में 5.66 फीसदी और एक साल पहले इसी महीने में 6.62 फीसदी थी। भारतीय रिजर्व बैंक को खुदरा महंगाई दर दो फीसदी घट-बढ़ के साथ चार फीसदी पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। केंद्रीय बैंक ने महंगाई को टारगेट के अनुरूप लाने के मकसद से पिछले सप्ताह पेश मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किया था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125

सूर्योदय - 06-13
सूर्यास्त. - 17-49

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या मे	कन्या..	04-13 बजे
चंद्र-	मीन मे	तुला...	06-17 बजे
मंगल	मिथुन मे	वृश्चिक	08-27 बजे
बुध-	कन्या मे	धनु-	10-41 बजे
गुरु-	वृष मे	मकर...	12-47 बजे
शुक्र-	वृश्चिक मे	कुंभ--	14-38 बजे
शनि-	कुंभ मे	मीन-	16-15 बजे
राहु-	मीन मे	मेष---	17-52 बजे
केतु-	कन्या मे	वृष---	19-36 बजे
		मिथुन	21-37 बजे
		कर्क--	23-50 बजे
		सिंह---	02-01 बजे

दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 20-40 तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - आश्विन शुक्ल , बुधवार 16 October
नक्षत्र - उ.भाद्रपद 19 -17 तक रेवती
योग - धुव्र 10-09 तक उप व्याघात
करण- गर 19-31 तक उप वणिज
विशेष:- शरद पूर्णिमा व्रत क्षीरपान
व्रत -त्योहार - कोजागरी व्रत लक्ष्मींद्र पूजा

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:01 से 13:29 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:13 - 07:38	शुभ	उत्पात	17:49 - 19:25	अशुभ
अमृत	07:38 - 09:06	शुभ	शुभ	19:25 - 20:57	शुभ
काल	09:06 - 10:34	अशुभ	अमृत	20:57 - 22:29	शुभ
शुभ	10:34 - 12:01	शुभ	चंचल	22:29 - 24:02*	शुभ
रोग	12:01 - 13:29	अशुभ	रोग	00:02 - 01:34	अशुभ
उत्पात	13:29 - 14:57	अशुभ	काल	01:34 - 03:06	अशुभ
चंचल	14:57 - 16:25	शुभ	लाभ	03:06 - 04:38	शुभ
लाभ	16:25 - 17:49	शुभ	उत्पात	04:38 - 06:13	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे । पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे हालाँकि ये कदम कुछ मुशिकल हो सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप उस पैसे के साथ काफी लापरवाह है जो आपने अपनी जरूरत के लिए बचाया है , लेकिन आपको भविष्य में अपनी वित्तीय सुरक्षा के लिए , अपनी असाधारण आदतों को नियंत्रित करना होगा । आप अपने निवेश के बारे में एक विशेषज्ञ से परामर्श करें जो आपको धन के बारे में उचित परामर्श दे सके जिससे धन की वृद्धि हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आपको अपना कठोर और मजाकिया दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है, बेहतर होगा कि आप लोगों की भावनाओं से सम्बन्ध स्थापित करे और साथ ही साथ ये जानने की भी कोशिश करे कि वे क्या चाहते हैं और कौन सा रास्ता उन्होंने अपनाया है ! ध्यान देने योग्य बात ये है की आपको समझना होगा की चीज़े कैसे कार्य कर रही है बजाय की आप अपना तरीका अपने सहकर्मियों पर थोपे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे । एक स्वस्थ मन एक स्वस्थ शरीर में रहता है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है इसलिए आज किसी भी प्रमुख कैरियर निर्णय लेने से बचें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप अपने करियर में जो कुछ भी चाहते थे , वह सब कुछ आज आपके रास्ते में आएगा । चाहे वह प्रसिद्धि, ताक़त , पैसा या पद हो , आप अब सब कुछ पाने के लिए एक आदर्श स्थिति में हैं। बस कड़ी मेहनत करते रहे और अन्य लोगों की राय का सम्मान करे और जो भी आपने अपनी इच्छा शक्ति के बलबूते किया है , वो सब आपका होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप संसाधनो से पूर्ण हैं और आज आप अगर गंभीरता से काम करते हैं तो धन कमाने का ऐसा अवसर आपको मिल सकता है जिसमे आपको ख़ुशी महसूस होती है । इस बात की भी संभावना है की आप कला की अभिरुचि को आगे बढ़ाने के लिए अपनी नौकरी छोड़ सकते हैं । आपको विवेक से कार्य करना है , परन्तु अपने दिल की सुनने की वजह से आपके धन और वित्त पर कोई असर नहीं पडेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है । आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे । आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चो को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये , इसलिए आगे बढे और योजना को अंजाम दे !

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप अपने वित्त के संबंध में दुविधा की स्थिति में रहेंगे । विरोधाभासी ग्रहों के प्रभाव की वजह से अलग अलग दिशाओं में आपका अंतर्मन भागेगा । आप महंगी खरीदारी के बारे में सोचेंगे , लेकिन आखिरी समय में अंतिम निर्णय लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। इस तरह की दुविधा आपके निवेश में भी प्रतिबिंबित होगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप एक आकर्षक आभा और मीठी वाणी के स्वामी है । इन अलंकारो की वजह से आप अपना रास्ता खुद बना सकते है । आपका बच्चों का सा रवैया हर जगह खुशी फैलाता है और सबके लिए बहुत आसान परिस्थितियों का निर्माण होता है , और आप अपने चुटकुलों और हास्य से सबके मनोविज्ञान को प्रभावित करते है , जो आपके मुख मंडल से अनायास ही निकल पड़ते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

क्या पंजाब में भगवंत मान के पर कतर रहे केजरीवाल

पावरफुल पदों पर भरोसेमंदों को बिठाने की तैयारी, दिल्ली चुनाव पर नजर

दिल्ली, 15 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'भगवंत मान पंजाब में केजरीवाल की पहली पसंद कभी थे ही नहीं। दूसरी पसंद का राज्य में स्कोप नहीं था। इसलिए सीएम की कुर्सी भगवंत मान को सौंपने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।' आम आदमी पार्टी के एक पूर्व पदाधिकारी ये बात पूरे दावे से कहते हैं। पंजाब में भगवंत मान आम आदमी पार्टी का सबसे लोकप्रिय चेहरा हैं। पार्टी में दैनिक भास्कर के एक सोर्स बताते हैं, अब अरविंद केजरीवाल भगवंत मान की ताकत कम करने में जुटे हैं। केजरीवाल और भगवंत मान के रिश्ते अरविंद केजरीवाल के जेल जाने और लोकसभा चुनाव के लिए फंड न मिल पाने से ज्यादा बिगड़ गए।

सोर्स के मुताबिक, लोकसभा चुनाव के बाद इसका असर दिखने भी लगा है। केजरीवाल ने भगवंत मान पर लगाम कसनी शुरू कर दी है। इसके लिए दिल्ली से दो खास लोगों को बड़ी जिम्मेदारी देकर पंजाब भेजने की तैयारी है। इनमें एक विजय नायर हैं, जो पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के करीबी हैं। वहीं दूसरे बिभव कुमार हैं, जो अरविंद केजरीवाल के सबसे भरोसेमंद लोगों में से एक हैं। ये दोनों हाल में जेल से छूटे हैं।

अब दो सवाल हैं

1. क्या पंजाब में भगवंत मान की ताकत कम करने की कोशिश हो रही है?

2. क्या दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल पंजाब में पकड़ मजबूत कर रहे हैं, ताकि चुनाव में फंड और रिसोर्स के मामले में पार्टी कमजोर न पड़े।

स्वाति मालीवाल से मारपीट के आरोपी, प्रमोशन देने की तैयारी

सोर्सेज के मुताबिक, बिभव कुमार को पंजाब सरकार में अहम पद देने की तैयारी हो चुकी है। उन्हें सीएम भगवंत मान का चीफ एडवाइजर या फिर ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) बनाने की इंटरनल प्रोसेस लगभग पूरी हो चुकी है।

बिभव कुमार अरविंद केजरीवाल के भरोसेमंद लोगों में से एक हैं। केजरीवाल के घर स्वाति मालीवाल से बदसलूकी के आरोप में बिभव जेल गए थे। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले में चुप्पी साधे रखी। उनका ये कदम पूर्व सीएम के पक्ष में गया।

उन्हें दिल्ली सरकार में पीए रखने पर सवाल उठते और विपक्ष को मौका मिल जाता। इसलिए केजरीवाल ने उन्हें पंजाब में बड़ी जिम्मेदारी देने का फैसला लिया है। इस नियुक्ति से दो मकसद पूरे होंगे। पहला बिभव कुमार को दोबारा बड़ी जिम्मेदारी मिल जाएगी और दूसरा उनके जरिए सीएम भगवंत मान पर कंट्रोल किया जा सकेगा।

केजरीवाल की आंख-कान थे बिभव, पार्टी के फाउंडर मेंबर भी

बिभव कुमार पार्टी के फाउंडर मेंबर्स में से एक हैं। केजरीवाल के आंख कान की तरह हमेशा एक्टिव रहते थे। स्वाति मालीवाल केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बिभव जब तक आरोपी हैं, तब तक वे दिल्ली के सीएम हाउस नहीं जा सकते। इसके अलावा पीए के पद पर उनकी बहाली नहीं की जा सकती है।

पंजाब के सीएम की टीम में संभालेंगे नई जिम्मेदारी

विजय नायर पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के करीबी हैं। सोर्सेज के मुताबिक, मनीष सिसोदिया की ओर से विजय

नायर का नाम पंजाब में खास पोजिशन के लिए प्रपोज किया गया था। ये प्रपोजल मंजूर भी कर लिया गया है।

विजय नायर शराब घोटाला केस में 23 महीने जेल में रहे थे। दिसंबर, 2022 में ईडी ने उनके खिलाफ शराब घोटाला केस में चार्जशीट दाखिल की थी। इस केस में आरोपी अमित अरोड़ा की रिमांड कॉपी में ईडी ने दावा किया था कि आप नेताओं के लिए विजय नायर और दूसरे लोगों को 'साउथ ग्रुप' ने 100 करोड़ की रिश्वत दी थी। विजय नायर जेल जाने से पहले आम आदमी पार्टी में कम्युनिकेशन हेड थे। फिलहाल उनके पास कोई पद या जिम्मेदारी नहीं है।

विजय नायर को 27 सितंबर, 2022 को दिल्ली शराब घोटाला केस में गिरफ्तार किया गया। इस केस में ये पहली गिरफ्तारी थी। जांच एजेंसी के हाथ शराब घोटाले की सबसे पहली कहानी नायर के जरिए ही सामने आई।

विजय नायर आप से 2014-15 से जुड़े हुए हैं। तब उनका प्रोफाइल सोशल मीडिया स्ट्रैटजिस्ट, फंड रेजर और पार्टी के लिए इवेंट मैनेजर का था। 2019 में नायर का प्रोफाइल बदला और उन्हें कैंपेनिंग का जिम्मा दिया गया। विजय नायर इस काम में भी अच्छे नंबरों से पास हुए। लिहाजा, 2020 में उनका प्रमोशन हो गया।

इसके बाद वे एडवाइजर के तौर पर भी पार्टी में स्थापित हो गए। पॉलिसी मैटर, चुनाव प्रचार और घोषणा पत्र में भी उनका दखल शुरू हो गया। अब दिल्ली में विधानसभा चुनाव को 3-4 महीने ही बचे हैं। ऐसे में विजय नायर पंजाब में अहम पद पर रहते हुए फंड रेजर, इलेक्शन स्ट्रैटजिस्ट और सोशल मीडिया कैंपेनिंग का मोर्चा संभालेंगे।

आम आदमी पार्टी के लिए दोनों क्यों जरूरी

दिल्ली में फरवरी तक विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। पार्टी के बड़े नेता कई महीनों तक जेल में रहे। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी के सामने चुनौती है कि वो एंटी इनकम्बेंसी खत्म करने के लिए मजबूत स्ट्रैटजी बनाए। चुनाव में फंड की जरूरत भी होगी। ऐसे में बिभव कुमार और विजय नायर अहम हो जाते हैं।

सोर्सेज के मुताबिक, दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के पास भले ही फंड और दूसरे रिसोर्स की कमी हो, लेकिन पंजाब में इसकी कमी नहीं है। दिल्ली चुनाव में पंजाब सरकार की ताकत और फंड को कैसे दिल्ली में लगाया जाए, बिभव कुमार और विजय नायर इसी रणनीति पर काम करेंगे।

भगवंत मान के ओएसडी और उनके खास लोगों में से एक ओंकार सिंह को 23 अगस्त, 2024 को हटा दिया गया। ओंकार सिंह, भगवंत मान के बेहद करीबी माने जाते हैं। मान की सीट धुरी में वे बहुत एक्टिव थे। मान के सीएम बनने बाद उनकी सीट का सारा काम ओंकार के जिम्मे ही था। इस सीट को जिताने के लिए मान की पत्नी गुरप्रीत कौर लगातार फील्ड में थीं। गुरप्रीत कौर के लिए रणनीति बनाने और उसे एग्जीक्यूट करने का काम ओंकार सिंह के ही जिम्मे था। सोर्स बताते हैं कि ओंकार सिंह भगवंत मान के आगे दिल्ली के सीएम और उनकी टीम की नहीं सुनते थे। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में उन्हें हटाने की वजह काम में लापरवाही बताई गई। कहा गया कि एक अहम फाइल के मामले में लापरवाही बरतने पर ओंकार सिंह को हटाया गया। सोर्स के मुताबिक, ये फाइल दिल्ली के किसी ऑर्डर की थी, जिसे सही समय पर सीएम तक नहीं पहुंचाया गया।

जनसंपर्क विभाग में ओएसडी रहे मंजीत सिंह सिद्धू को 2023 में हटाया गया था। वे भगवंत मान के बेहद करीबी बताए जाते हैं। हालांकि, मंजीत सिंह सिद्धू को केजरीवाल की गिरफ्तारी से पहले ही हटा दिया गया था।

कहा जाता है कि सिद्धू भी दिल्ली के मुखिया और उनकी टीम को खटकते थे। इसके अलावा भी सीएम भगवंत मान के स्टाफ में लगातार बदलाव हो रहे हैं। सोर्स के मुताबिक, खाली हुए इन्हीं दो पदों पर बिभव कुमार और विजय नायर बैठेंगे। इससे पंजाब की हर बात दिल्ली तक पहुंचती रहेगी। आतिशी के शपथ ग्रहण समारोह से भी पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान नहीं पहुंचे थे। उम्मीद की जा रही थी कि केजरीवाल उन्हें बुलाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भगवंत मान को न्योता तक न देना केजरीवाल का कड़ा मैसेज था।

दरअसल, पंजाब का सीएम बनने के बाद से कई मोर्चों पर भगवंत मान ने दिल्ली को निराश किया। केजरीवाल और पार्टी के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी का असर पंजाब में नहीं दिखा। गिरफ्तारी पर वहां न तो कोई बड़ा विरोध-प्रदर्शन हुआ, ना ही दिल्ली में विरोध जताने के लिए नेताओं का कोई बड़ा जत्था पहुंचा। सोर्स बताते हैं कि लोकसभा चुनाव में पंजाब सरकार से फंड के तौर पर पार्टी को कोई खास मदद नहीं मिली। माना जा रहा है कि आतिशी के शपथ समारोह में भगवंत मान को न्योता न देने के पीछे यही बड़ी वजह रही।

पंजाब में भगवंत मान की जगह दूसरे सीएम को नियुक्त करने की खबर भी मीडिया में आई। सोर्स बताते हैं कि ये खबर भी आम आदमी पार्टी की दिल्ली की सोशल मीडिया टीम के जरिए उड़वाई गई थी। दरअसल भगवंत मान बीमारी के कारण हॉस्पिटल में एडमिट थे।

केजरीवाल इस खबर के जरिए ये जानना चाहते थे कि मान को अगर सच में रिप्लेस किया जाए तो पंजाब में क्या प्रतिक्रिया होगी। इस खबर को न तो आम आदमी पार्टी ने मंजूरी दी और न ही इसका खंडन किया।

जिला बदर बदमाश कैसे खुला घूम रहा था

सूरजपुर डबल मर्डर पर पूर्व डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव का बड़ा सवाल

सूरजपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हुए हत्याकांड से जहां एक तरफ जनआक्रोश भड़का हुआ है। वहीं, दूसरी तरफ मौजूदा सरकार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल के घेरे में आ गई है। साथ ही इस घटना को लेकर राजनीति भी गरमाती जा रही है। इस घटना को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व डेप्युटी सीएम टीएस सिंह देव ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। टीएस सिंहदेव ने राजीव भवन में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि पूरे प्रदेश के जैसे सूरजपुर जिले में लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ गयी है। महिलायें, बच्चियां सुरक्षित नहीं है। एक अत्यधिक वीभत्स घटना परसों रात सूरजपुर में हुई, जहां एक जिलाबदर बदमाश ने पुलिसकर्मी हवलदार के घर में घुस कर उनकी पत्नी और उनकी लगभग 12-13 साल उम्र की बच्ची की नृशंस हत्या की। टीएस सिंहदेव ने कह कि घटनास्थल पर बड़ी मात्रा में खून जमा पाया गया। सीढ़ी से घसीट कर संभवतः लाश को नीचे लाया गया, गाड़ी में डाला गया। उनकी पत्नी के शरीर पर कम से कम 15 से 20 वार किए गए। इसके साथ ही पुत्री के भी शरीर में गले में चाहे तलवार की नोक से चाहे किसी धारदार औजार से हमले किए गए। ऐसी निर्ममता से हत्या की गई।

सिंहदेव ने कहा कि मेरे अनुसार जब मां के ऊपर हमला हो रहा होगा तो उसने अपनी बेटी को भाग जाने के लिए कहा होगा। लेकिन, बच्ची ने अपनी मां को बचाने के लिए संघर्ष किया। जब उसने देखा कि मां की हालत गंभीर हो चुकी है और वह बार बार भाग जाने की बात कह रही है। तब बच्ची दरवाजे की तरफ भागी होगी। फिलहाल इस मामले में दो बाते सामने आ रही है हालांकि पूरी बात जांच होने के बाद सामने आएगी। दरअसल, पूरी घटना रिंग रोड के ऊपर भरगवा गांव की है। रिंग रोड के पास सूरजपुर और भरगवा की सीमा लगती है। वहीं, पर हेड कॉन्स्टेबल ने रूम किराए पर लिया था। मकान का नीचे का भाग किसी दूसरे के पास है जो कि पुलिस रेलवे विभाग की कोई कर्मी है। वह छुट्टी पर चल रहे थे और वारदात वाले दिन वह मकान में मौजूद नहीं थे। आरोपी ने घर के दूसरे माले में पहुंच कर इस घटना को अंजाम दिया फिर शरीर को गाड़ी में डालकर दूर लेजाकर फेंक देता देता है। अभी जो मुझे जानकारी मिली है डिजायर गाड़ी में शरीर को डालकर पीढ़ा गांव है वहां से कुछ किलोमीटर दूर सूरजपुर वहां पर जाकर जो ट्रेड्स बने रहते हैं या तो गौठान इत्यादि में फेंक दिया जाता है।

हेड-कॉन्स्टेबल की पत्नी-बेटी का हत्या आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर पुलिस पकड़कर सूरजपुर लाई, सीएम साय बोले-उसकी गाड़ी में लगी है एनएसयूआई पदाधिकारी की नेम प्लेट

सूरजपुर/रायपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरजपुर में हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख की पत्नी और बेटी की हत्या मामले में फरार आरोपी कुलदीप साहू को बलरामपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। वह झारखंड के गोदरमाना से बस में सवार होकर अंबिकापुर आ रहा था। इसके बाद आरोपी को सूरजपुर पुलिस को सौंप दिया गया है।

वहीं जगदलपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, लोगों को कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए। इसके लिए शासन-प्रशासन और कानून है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी की गाड़ी में एनएसयूआई पदाधिकारी की नेम प्लेट गली है। इससे क्या अंदाजा लगाया जाए।

इससे पहले कुलदीप साहू से बलरामपुर साइबर सेल में पूछताछ और शिनाख्त की गई है। कुलदीप वारदात के बाद झारखंड भाग गया था। बताया जा रहा है कि बलरामपुर पुलिस ने उसे वहीं ट्रेस किया। इसके बाद

लगातार उसकी लोकेशन मॉनिटर कर रही थी। पुलिस ने बलरामपुर कोतवाली के सामने बस रुकवा कर गिरफ्तार किया है। आरोपी कुलदीप के साथ इस वारदात में अन्य लोगों के भी शामिल होने की आशंका है। शक के आधार पर पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। शहर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। दूसरी ओर तालिब शेख की पत्नी और बेटी के शवों को गृहग्राम मनेंद्रगढ़ लाया गया था। आज सुबह टीवी टावर रोड स्थित निवास से उनका जनाजा निकाला गया। एसपी ने भी जनाजे को कंधा दिया, फिर मौहारपारा कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। संयुक्त पुलिस परिवार ने कुछ देर पहले ही आरोपी कुलदीप पर इनाम की घोषणा की थी। आरोपी को पकड़ने वाले को 50 हजार और एनकाउंटर पर एक लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया गया था।

संयुक्त पुलिस परिवार के संयोजक उज्जवल दीवान ने वीडियो जारी कर कहा- जब पुलिस और पुलिस का परिवार ही सुरक्षित नही है तो जनता कैसे सुरक्षित रहेगी। सूरजपुर में हवलदार की पत्नी और बेटी के हत्यारों को किसी स्थिति में बख्शा नही जाएगा।

रविवार की रात सूरजपुर के आदतन बदमाश कुलदीप साहू ने चौपाटी में एक आरक्षक घनश्याम सोनवानी पर खौलता तेल डाल दिया था। उसकी तलाश में लगे पुलिसकर्मियों पर उसने गाड़ी चढ़ाने की कोशिश भी की। इनमें हेड कॉन्स्टेबल तालिब शेख भी शामिल था। रात में कुलदीप साहू ने तालिब शेख के घर घुसकर उसकी पत्नी मेहू फैज और बेटी आलिया की हत्या कर दी। पुलिस को मां-बेटी का शव पांच किलोमीटर दूर खेत में पड़े होने की सूचना सोमवार को ग्रामीणों ने दी। उनके घर में शवों को घसीटे जाने के निशान मिले हैं। आसपास के सीसीटीवी कैमरों को भी आरोपियों ने फोड़ दिया था। घटना की परिस्थितियों को देखते हुए हत्याकांड में एक से अधिक आरोपियों के शामिल होने की आशंका है।

जगदलपुर-रायपुर फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

उड़ान भरने के 12 मिनट बाद ही क्रैक हुई इंडिगो की विंडशील्ड, सभी 70 यात्री सुरक्षित

जगदलपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर से रायपुर उड़ान भर रही इंडिगो की फ्लाइट की मंगलवार को इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। उड़ान भरते ही फ्लाइट की विंड शील्ड (आगे की विंडो) का ग्लास टूट गया। इसके बाद दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर ही फ्लाइट को फिर से लैंड कराया गया। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट ने दोपहर 1 बजे रायपुर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन 12 मिनट बाद ही विंडो ग्लास में अचानक क्रैक आ गया। इसके बाद पायलट ने एटीसी(एयर ट्रैफिक कंट्रोल) को सूचना दी और फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। एयरलाइंस की टीम तकनीकी खराबी की जांच कर रही है। वहीं, इमरजेंसी लैंडिंग के बाद इंडिगो ने 70 यात्रियों में से कुछ के टिकट के पैसे वापस कर दिए हैं, जबकि कुछ यात्रियों ने अगले दिन की फ्लाइट के लिए टिकट बुक करा लिया है।

बारहवीं की छात्रा से गैंगरेप

फंदे से लटकता मिला एक्स-क्लासमेट, सूरजपुर में जहां हुआ दुष्कर्म वहीं मिली लाश, कांग्रेस ने गठित की जांच टीम

सरगुजा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरजपुर जिले में 12वीं की छात्रा से गैंगरेप का मुख्य आरोपी एक्स क्लासमेट फंदे पर लटकता मिला है। जंगल में जहां दुष्कर्म हुआ वहीं पेड़ पर कांता सिंह की लाश मिली है। वारदात में कांता सिंह के साथ 5 और आरोपी शामिल थे। दुष्कर्म के बाद लड़की को जमकर पीटा किया गया, बेहोश होने पर छात्रा को मृत समझकर आरोपी भाग निकले थे। मामला रामानुजनगर थाने का है। आरोप है कि सूरजपुर पुलिस ने जिले में सीएम का कार्यक्रम बताकर एफआईआर नहीं लिखी। इससे छात्रा को 2 दिन इलाज नहीं मिला। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने आईजी अंकित गर्ग को फोन कर नाराजगी जताई। इसके बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में छात्रा का इलाज शुरू हुआ। छात्रा की हालत गंभीर है।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिले के श्रीनगर में एक गांव की 12वीं की छात्रा सहेलियों के साथ दशहरा कार्यक्रम में पहुंची थी। दशहरा मैदान में रावण दहन के बाद वह सांस्कृतिक कार्यक्रम देख रहे थे। इस दौरान 9वीं, 10वीं में सहपाठी रहा युवक कांता सिंह मिला। दोनों में बातचीत हुई। इस दौरान छात्रा ने कांता सिंह से पानी मांगा। कांता ने छात्रा को पानी की बोतल लाकर दी। बताया जा रहा है कि कांता सिंह ने पानी की बोतल में कुछ मिला दिया था। पानी पीने के बाद छात्रा को नींद आने लगी। छात्रा ने सहेलियों से घर चलने को कहा। इस बीच आरोपी कांता ने कहा कि वह उसे घर छोड़ देगा। रेप पीड़िता के परिजनों ने बताया कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर छात्रा को बाइक पर बैठाकर गांव के बाहर जंगल तक ले गया। वहां उसके 5 और साथी पहुंच गए। सभी आरोपियों ने छात्रा से गैंगरेप किया। आरोपियों ने छात्रा पर जानलेवा हमला किया। सांस नहीं चलने पर मृत समझकर छात्रा को मौके पर छोड़कर भाग निकले।

परिजनों ने बताया कि छात्रा के घर नहीं लौटने पर उसकी खोजबीन में लगे थे। इसी दौरान रविवार सुबह छात्रा किसी तरह घिसटते हुए जंगल से बाहर आई। दिनभर परिजनों ने उसे घर पर रखा। होश आने पर सोमवार को परिजन ने रामानुजनगर पुलिस को घटना की सूचना दी। रामानुजनगर पुलिस ने रिपोर्ट नहीं लिखी। सूरजपुर एडिशनल एसपी संतोष महतो के मुताबिक युवती के पिता की रिपोर्ट पर रामानुजगंज थाने में 13 अक्टूबर को कांता सिंह के खिलाफ रामानुजनगर थाने में मारपीट का अपराध दर्ज किया गया है। उस समय युवती के पिता या छात्रा ने जो जानकारी दी, उसके हिसाब से एफआईआर लिखी गई है। परिजनों ने बताया कि छात्रा को लेकर श्रीगनर और उसके बाद सूरजपुर हॉस्पिटल पहुंचे। पुलिस रिपोर्ट नहीं होने के कारण अस्पतालों में उसका इलाज नहीं हुआ।

'गोकुलधाम' में घुसे 2 भालू, लोगों ने बचाई जान

कांकेर में लिफ्ट खोलने की कोशिश करते सीसीटीवी में दिखे, सीढ़ी से ऊपर भी चढ़े भालू

कांकेर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में एक बार फिर भालुओं का रिहायशी इलाके में घूसने का वीडियो सामने आया है। इस बार दो भालू एक अपार्टमेंट में ही घुस गए। काफी देर तक वे पार्किंग एरिया में घूसते रहे इस दौरान वे लिफ्ट के दरवाजे को खोलने की भी कोशिश की। भालुओं का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया जो वायरल भी हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, 13 अक्टूबर की रात कांकेर के श्रीराम नगर की गोकुलधाम सोसायटी का यह मामला है। जब लिफ्ट नहीं खुली तो भालू सीढ़ी में चढ़ते भी दिखे। दोनों भालू काफी देर तक पार्किंग एरिया में घूमते रहे।

इसी दौरान फ्लैट में रहने वाले दो युवक स्कूटी से भी पहुंचे। पहले पहुंचे युवक को भालू के होने की भनक काफी देर तक नहीं लगी, वह गाड़ी खड़ी कर मोबाइल में बात करने लगा। इसी बीच दूसरा युवक भी अंदर पहुंचा जैसे ही उसकी नजर सामने घूम रहे भालू पर पड़ी उसने भागकर अपनी जान बचाई। बता दें कि इससे पहले भी भालू रहवासी इलाकों में घुस चुके हैं। दरअसल, कांकेर शहर चारों ओर से पहाड़ियों से घिरा हुआ है। आस-पास के पहाड़ों में मौजूद वन्य प्राणी भोजन पानी की तलाश में शहर की ओर आ जाते हैं। कई पहाड़ियों को भालुओं का विचरण क्षेत्र घोषित किया गया है। पहले कलेक्ट्रेट परिसर के ऊपर भी भालू घूमते दिखा था।

सीएम हेमंत सोरेन ने पीएम मोदी को लिखा खुला पत्र

पूछा- बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये कब दोगे

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीख पता चलने में अब कुछ ही घंटे बचे हुए हैं। इस बीच, यहां के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुला पत्र लिखा है। उन्होंने केंद्र पर हमला बोलते हुए बकाया रुपयों का हिसाब मांगा। सोरेन ने कहा कि कोयला कंपनियों के बचे हुए 1.36 लाख करोड़ रुपये आप कब तक देंगे।

सोरेन ने इस बात पर भी जोर दिया कि वह राज्य के लिए 'विशेष बजट' की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने उचित बकाए का अनुरोध कर रहे हैं। इस बकाए के कारण झारखंड का विकास नहीं हो पा रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पीएम मोदी को एक खुला पत्र लिखा है। उन्होंने कहा, 'यह बकाया राशि हमारा अधिकार है। झारखंड विशेष बजट की मांग नहीं कर रहा है। हम सिर्फ अपने अधिकारों के लिए पूछ रहे हैं। हम हर हालत में अपना अधिकार लेकर रहेंगे।'

उन्होंने पत्र की शुरुआत में लिखा कि झारखंड की माताओं, बच्चों, युवा, वृद्ध, आदिवासी-मूलवासी, दलित, अल्पसंख्यक और विस्थापितों के विकास के लिए हमारा बकाया एक लाख छत्तीस हजार करोड़ रुपये कब मिलेगा? उन्होंने आगे कहा, 'मैं हेमंत सोरेन आपको (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) को खुला पत्र लिख रहा हूं। आपका ध्यान राज्य के समक्ष आ रही एक गंभीर समस्या की ओर आकर्षित कराना चाहता हूं। यह समस्या कोयला कंपनियों द्वारा राज्य के बकाया का भुगतान न करने से संबंधित है, जो हमारे राज्य के विकास में बाधक बन रही है।' उन्होंने बकाया राशि के बारे में जानकारी देते हुए कहा, 'कुल बकाया राशि लगभग 1,36,042 करोड़ रुपये है। इसमें शामिल हैं वॉश्ड कोयला रॉयल्टी के रूप में 2,900 करोड़ रुपये, पर्यावरण मंजूरी सीमा के उल्लंघन के लिए 32,000 करोड़ रुपये, भूमि अधिग्रहण मुआवजे के रूप में 41,142 करोड़ रुपये (38,460 करोड़ रुपये जीएम भूमि और 2,682 करोड़ रुपये एएमजेजे भूमि के लिए)।

चक्रधरपुर में ट्रेन से कट कर हाथी की मौत

चाईबासा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर रेल मंडल के बंडामुंडा में ट्रेन से कटकर बच्चा हाथी की मौत हो गई है।

हावड़ा-मुंबई मुख्य रेलवे लाईन के बंडामुंडा रेल खंड के ए-केबिन और आर-केबिन के बीच यह घटना तब हुई जब 27 जंगली हाथियों का झुंड यहां से कुदुर बहाल जंगल से उतर कर बंडामुंडा के पोखरा बहाल की ओर जाने के लिये रेलवे ट्रैक पार हो रहे थे। इस दौरान यहां से गुजर रही मालगाड़ी के चपेट में हाथियों का झुंड आ गया। जिसमें एक हाथी के बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हाथी के बच्चे की मौत के बाद अन्य हाथियों का झुंड रेलवे ट्रैक पर घंटों जमा रहा, जिससे रेल परिचालन भी घंटों ठप रहा। हाथियों का झुंड अभी भी रेलवे ट्रैक के आसपास जमा हुआ है।

निष्पक्ष चुनाव की गारंटी, लाल आतंक को बूथ से दूर रखेंगे सीआरपीएफ-बीएसएफ सहित सीएपीएफ के दस हजार जवान

रांची, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। नक्सल प्रभावित राज्य में दो चरणों के तहत चुनाव होंगे। पहले चरण का मतदान 13 नवंबर को होगा, जबकि दूसरे चरण की वोटिंग 20 नवंबर को होगी। चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराने के केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। झारखंड के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विधानसभा चुनाव के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो और बिना किसी भय के लोग, चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकें, इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अर्धसैनिक बलों के करीब 10000 जवानों की अग्रिम तैनाती कर दी है। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में सीआरपीएफ की 35 कंपनियां, बीएसएफ की 25, सीआईएसएफ की 10, आईटीबीपी की 15 और एसएसबी की 15 कंपनियां, झारखंड भेजी गई हैं।

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब महाराष्ट्र व झारखंड में विधानसभा चुनाव की तिथि घोषित की गई हैं। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर में भी शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न कराया है। वहां पर तीन चरणों में विधानसभा चुनाव हुआ था। सभी उम्मीदवारों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराई गई। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए विशेष रणनीति तैयार की थी।

खेल-खेल में बच्चियों ने पी ली कीटनाशक

सिमडेगा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिमडेगा के जलडेगा थाना क्षेत्र में तीन नाबालिग़ मासूम बच्चियों ने मक्खी मारने की दवा धोखे से खाया। जिसके बाद दो की सिमडेगा सदर अस्पताल में इलाज के क्रम में मौत हो गई। मृत बच्चों की पहचान जलडेगा निवासी अनिल लुगुन की 4 वर्षीय पुत्री याचना लुगुन, प्रमोद तोपनो की 5 साल की बेटी सृष्टि तोपनो के रूप में हुई। वहीं तीसरी बच्ची सृष्टि लोमगा पिता जोसेफ लोमगा जिसका इलाज चल रहा है। जानकारी देते हुए याचना के पिता अनिल ने बताया कि घर में कोई नहीं था। सभी लोग इधर-उधर अपने काम में व्यस्त थे। इसी दौरान तीनों बच्ची ने खेल-खेल में पड़ोस के घर में रखे मक्खी मारने की दवा का सेवन कर लिया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और तीनों बेहोश हो गए।

यूक्रेनी सेना में भर्ती के लिए छापेमारी

बार, रेस्टोरेंट से लेकर शादी समारोह तक में रेड सेना में रजिस्टर न करने वाले युवकों की गिरफ्तारी

कीव, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सैनिकों की कमी से जूझ रही यूक्रेनी सेना अब शादी समारोह, नाइट क्लब, बार, रेस्टोरेंट और कॉन्सर्ट हॉल जैसी जगहों पर छापे मार रही है। दरअसल, यूक्रेन ने जंग की शुरुआत के बाद से ही पुरुषों के लिए सेना में शामिल होना अनिवार्य कर दिया था। इसके लिए इस साल अप्रैल में युवाओं से पंजीयन कराने के लिए कहा गया था।

इस आदेश के बाद से यूक्रेन के युवा सेना में शामिल होने से बचने की कोशिशों में लगे हुए हैं। यूक्रेन फरवरी 2022 से रूस के साथ जंग लड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस जंग में यूक्रेन करीब 80 हजार सैनिकों की मौत हो चुकी है। इस वजह से सैनिकों की कमी हो गई, जिसके चलते यूक्रेन नए सैनिकों की भर्ती कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि सेना में कम से कम 5 लाख युवाओं की भर्ती करने की जरूरत है।

राजधानी कीव में सेना के लिए

पंजीयन नहीं कराने वाले युवाओं की पहचान के लिए सेना के छापे आम हो गए है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सेना का ये अभियान मुख्य रूप से युवाओं के सैन्य पंजीकरण दस्तावेजों की जांच और नियमों का उल्लंघन करने वालों को गिरफ्तार करने के लिए है। यूक्रेन के मिलिट्री लॉ के एक वकील कास्यानचुक सर्गी का कहना है कि सेना अब शादी समारोहों में भी जाकर छापे मार रही है। सर्गी ने ऐसी एक कार्रवाई का विडियो सोशल मीडिया पर भी शेयर किया है।

यूक्रेन में अप्रैल से लागू हुए नए नियमों के अनुसार, 25 से 60 वर्ष की आयु के सभी पुरुषों के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। साथ ही, 18 से 60 वर्ष की उम्र के किसी भी पुरुष को देश छोड़ने की अनुमति नहीं है। इसके अलावा सेना में भर्ती के लिए पात्र सभी लोगों को अपनी जानकारी भी ऑनलाइन दर्ज करनी होगी। ऐसा न करने पर उन्हें कड़ी सजा का सामना करना पड़ सकता है। इन नियमों में सेना भर्ती के लिए न्यूनतम आयु सीमा को भी घटाकर 27 से 25 वर्ष कर दिया गया है। ऐसे में कई युवक सेना में जाने से बचने के लिए ऑनलाइन जानकारी दर्ज नहीं कर रहे हैं। इसके बाद सेना ने उन युवाओं का गिरफ्तारी अभियान शुरू किया है जिन्होंने सेना की अनिवार्य सेवा के लिए अभी तक रजिस्टर नहीं किया है। फरवरी 2022 में जंग की शुरू होने के बाद रूस भी दो बार अपनी सेना बढ़ा चुका है। जंग के बाद पहली बार रूस ने अगस्त 2022 में 1.37 लाख सैनिकों की भर्ती की थी। इसके बाद रूसी सेना में कुल सैनिकों की संख्या 20 लाख से ज्यादा हो गई थी। इनमें 11.5 लाख एक्टिव सैनिक थे। रूसी सेना में दूसरी बार दिसंबर 2022 में 1.70 लाख नए सैनिक बढ़ाए गए। इससे रूस की कुल एक्टिव आर्मी 13.2 लाख हो गई।

कनाडाई पीएम का आरोप- भारतीय डिप्लोमैट्स अपराधों में शामिल

ट्रूडो बोले- हमारे लोगों की हत्या को समर्थन देना भारत की गलती, ये बर्दाश्त नहीं

ओटावा, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत सरकार के एजेंट्स पर खुफिया जानकारी जुटाने, टारगेट किलिंग, कनाडा के नागरिकों को धमकाने और हिंसा में शामिल होने का आरोप लगाया है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के सबूतों का हवाला देते हुए ट्रूडो ने दावा किया कि कनाडा से निकाले गए भारत सरकार के 6 एजेंट्स उन गतिविधियों में शामिल थे, जो सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं। ट्रूडो ने यह भी कहा कि कनाडा ने इन मामलों पर भारत सरकार के साथ काम करने की कई कोशिशें कीं, लेकिन भारत ने हर बार मदद करने से इनकार कर दिया। दरअसल, यह पूरा मामला ट्रूडो सरकार की भेजी एक चिट्ठी के बाद गरमाया। चिट्ठी में भारतीय हाई कमिश्नर और कुछ दूसरे डिप्लोमैट्स को कनाडाई नागरिक की हत्या में संदिग्ध बताया था। इसके बाद कनाडा ने भारत के 6 डिप्लोमैट्स को देश छोड़कर जाने के लिए कहा। जवाब में भारत ने कनाडा के कार्यकारी हाई कमिश्नर

स्टीवर्ट रॉस व्हीलर समेत 6 कनाडाई डिप्लोमैट्स को देश छोड़ने कहा है। ट्रूडो ने इस मुद्दे पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से भी बात की है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने अपने नागरिकों की सुरक्षा और कानून का शासन बनाए रखने के मुद्दे पर चर्चा की। इस बीच अमेरिकी मीडिया हाउस वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि गृह मंत्री अमित शाह और रॉ एजेंसी ने मिलकर कनाडा में खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और खालिस्तानी आतंकियों पर हमले की इजाजत दी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने एक कनाडाई अधिकारी के हवाले से बताया कि भारतीय डिप्लोमैट्स कई लोगों पर कनाडा जाने की इजाजत के बदले खुफिया जानकारी देने का दबाव बनाते थे। इस काम का नेतृत्व कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर संजय वर्मा करते थे। रिपोर्ट के मुताबिक 12 अक्टूबर को कनाडा के एनएसए ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को एक मीटिंग में इसकी जानकारी भी दी थी। कनाडाई पुलिस के कमिश्नर माइक दुहेमे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। उन्होंने कहा कि कनाडा में भारतीय राजनयिक और अधिकारियों ने अपने पद का गलत इस्तेमाल कर गुप्त तरीके से भारत सरकार के लिए जानकारियां जुटाई हैं। इसके लिए भारतीय अधिकारियों ने एजेंट्स का इस्तेमाल किया। इनमें से कुछ एजेंट्स को भारत सरकार के साथ काम करने के लिए धमकाया गया और उन पर दबाव बनाया गया। उन्होंने बताया कि भारत ने जो जानकारी जुटाई, उसका इस्तेमाल दक्षिण एशियाई लोगों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है। हमने भारत सरकार के अधिकारियों को इसके सबूत दिए थे और उनसे हिंसा को रोकने और सहयोग करने की अपील की थी।' 18 जून 2023 की शाम को कनाडा के सरे शहर के एक गुरुद्वारे से निकलते समय निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल 18 सितंबर को भारत सरकार पर निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने खारिज किया था।

हिजबुल्लाह को मिल गया आयरन डोम को चकमा देने का तरीका?

ड्रोन के आने की नहीं लगी भनक, टेंशन में इजरायल

तेल अवीव, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल चारों ओर से दुश्मनों से घिरा है। दुश्मनों के किसी भी हमले से बचने के लिए उसने आयरन डोम डिफेंस सिस्टम लगा रखा है। लेकिन अब इस बात का खतरा बढ़ गया है कि शायद हिजबुल्लाह को आयरन डोम को चकमा देने का तरीका मिल गया है। रविवार को एक ड्रोन हमले में चार लोगों की मौत के बाद से यह सवाल उठने लगा है। आईडीएफ के प्रमुखों ने सवाल उठाया है कि आखिर उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने हमले का पता क्यों नहीं लगाया। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने ड्रोन के झुंड से आईडीएफ के गोलानी ब्रिगेड के एक अड्डे को निशाना बनाया था। लगभग दो सप्ताह पहले इजरायल की ओर से लेबनान पर जमीनी हमला शुरू करने के बाद यह आतंकी ग्रुप की ओर से किया गया सबसे घातक हमला था। इजरायल के पास एक वर्ल्ड क्लास एयर डिफेंस सिस्टम है, जो अब तक उसके ज्यादातर हिस्से को हमले से बचाता रहा है। इजरायली जांचकर्ता यह पता लगाने की किशिश क रहे हैं कि आखिर आयरन डोम ने एक्शन क्यों नहीं लिया। साथ ही हवाई हमले के दौरान सायरन ने अलर्ट क्यों नहीं किया। आयरन डोम उन रॉकेटों को रोकता है जो शहरी क्षेत्रों की दिशा में जा रहा होता है। इस डिफेंस सिस्टम से निकली मिसाइल खतरे को हवा में ही तबाह कर देती है। लेकिन अब आशंका जताई जा रही है कि एक साथ कई हमले करने से सिस्टम कनफ्यूज हो जाता है। इस बात की चेतावनी दी जाती रही है कि इस डिफेंस सिस्टम को धीमी गति से उड़ने वाले ड्रोन चकमा दे सकते हैं। इजरायली सेना के टॉप अधिकारियों ने उस बेस का दौरा किया जहां हिजबुल्लाह का हमला हुआ। इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा है कि सरकार इसका समाधान निकालने पर काम कर रही है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक हिजबुल्लाह ने समुद्र से इजरायली हवाई क्षेत्र में दो ड्रोन लॉन्च किए। इजरायल रिसर्च इंस्टीट्यूट अल्मा सेंटर ने कहा कि ड्रोन की मारक क्षमता 120 किमी है। वहीं यह 370 किमी प्रति घंटे की अधिकतम स्पीड से उड़ सकता है।

ताइवान की सीमा में घुसे 14 युद्धपोत और 153 विमान

मध्य रेखा के साथ ही चीन ने पार की हद

ताइपे, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन और ताइवान के बीच लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। बीजिंग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। एक बार फिर चीनी सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि, ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के विमान, नौसैनिक पोत और जहाज ताइवान की सीमा के करीब देखे गए। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने बताया कि मंगलवार सुबह छह बजे ताइवान के आसपास चीनी 14 नौसैनिक पोत और 12 आधिकारिक जहाज देखे गए। जबकि 153 सैन्य विमानों को उड़ान भरते देखा गया। सेना ने बताया कि 153 विमानों में से 111 ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। इसके जवाब में ताइवान ने चीन की गतिविधि की निगरानी के लिए विमान, नौसैनिक जहाजों और वायु रक्षा मिसाइल प्रणालियों को तैनात किया। एमएनडी ने यह जानकारी सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'आज सुबह 153 विमान , 14 पोत और 12 जहाज ताइवान के आसपास नजर आए। 111 विमानों ने ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिणपूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश किया। हम स्थिति पर नजर बनाए रखे हुए हैं।' गौरतलब है चीन, ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान खुद को संप्रभु राष्ट्र मानता है। अब तक चीन ने सीधे ताइवान पर आक्रमण नहीं किया है, लेकिन वो ये सब कुछ ग्रे जोन में करता है। ये चीन की सेना का एक पैंतरा है, जिससे वो सीधे युद्ध तो नहीं करती लेकिन ये शक्ति प्रदर्शन करती है।

एससीओ समिट से पहले शहबाज सरकार को राहत

इमरान की पीटीआई ने विरोध लिया वापस

इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से पहले इस्लामाबाद में हो रहे विरोध प्रदर्शनों ने पाकिस्तान की शहबाज सरकार की नींद उड़ा दी थी। यहां तक कि मुख्य विपक्षी दल के सैकड़ों समर्थकों को गिरफ्तार तक किया गया था। हालांकि, मंगलवार को यहां की सरकार के लिए राहत भरा रहा। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने अपना विरोध-प्रदर्शन वापस ले लिया क्योंकि एससीओ के सदस्य देशों के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की 23वीं बैठक यहां कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हो रही है। पाकिस्तान आज से शुरू होने वाली दो दिवसीय एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) की बैठक की मेजबानी कर रहा है। पिछले साल अक्तूबर में बिश्केक में हुई बैठक में इस्लामाबाद ने एससीओ सीएचजी की अध्यक्षता ग्रहण की थी। सीएचजी बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ करेंगे। दो दिवसीय बैठक में

अर्थव्यवस्था, व्यापार, पर्यावरण और सामाजिक-सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में चल रहे सहयोग पर चर्चा की जाएगी और संगठन के प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी।

पाकिस्तान में आयोजित होने जा रहे शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शिरकत करने के लिए चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग पहुंच गए हैं। यह 11 वर्षों में किसी चीनी प्रधानमंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा है और यह ऐसे समय हुई है जब पाकिस्तान में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों पर हाल में हमलों में वृद्धि हुई है।

इसके अलावा, बेलारूस के प्रधानमंत्री रोमन गोलोवचेंको, कजाकिस्तान के प्रधानमंत्री ओल्जास बेक्टेनोव, रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन, ताजिक प्रधानमंत्री कोहिर रसूलजोदा, उज़्बेक प्रधानमंत्री अब्दुल्ला अरिपोव, किर्गिस्तान के मंत्री मंत्रिमंडल के अध्यक्ष झापारोव अकिलबेक, ईरान के पहले उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा अरेफ और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भाग ले रहे हैं। अशांति का खतरा तब टल गया जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने कल रात राजधानी में अपना विरोध प्रदर्शन वापस लेने पर सहमति जताई।

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

मानवाधिकारों के मुद्दे पर सुनाई खरी-खरी

न्यूयॉर्क, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजनयिक एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने सोमवार को गैर-उपनिवेशीकरण मुद्दे पर बहस के दौरान भारत के जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान को खरी-खोटी सुनाई। दरअसल पाकिस्तान ने अपने संबोधन में जम्मू कश्मीर और लद्दाख को लेकर आधारहीन आरोप लगाए थे। इस पर भारत ने अपने जवाब में पाकिस्तान के निराधार आरोपों की कड़ी निंदा की और पीओके में मानवाधिकार हनन के मुद्दे पर पड़ोसी देश को घेर लिया।

पाकिस्तान दिखावटी चुनाव, विपक्षी नेताओं को कैद करने के लिए बदनाम

पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए भारतीय राजनयिक ने कहा, 'पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोप मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित हैं। भारत यह दोहराना चाहेगा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं, थे और रहेंगे। पाकिस्तान भारत के आंतरिक मामलों पर जवाब देने का हकदार नहीं है।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस समय, हम पाकिस्तान को सलाह देते हैं कि वह पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर और लद्दाख (पीओजेकेएल) में हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन को रोके। दुनिया जानती है कि पाकिस्तान किस तरह से विभाजनकारी गतिविधियां चलाता है। भारत इस बात पर जोर देना चाहेगा कि हमारी नींव पाकिस्तान के विपरीत, लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है।' पाकिस्तान की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दिखावटी चुनावों, विपक्षी नेताओं की कैद और राजनीतिक आवाजों के दमन के लिए बदनाम है।

भारतीय राजनयिक ने कहा कि 'पाकिस्तान, जम्मू कश्मीर में असल लोकतंत्र को काम करते देखकर दुखी हुआ होगा। बीते हफ्ते ही जम्मू कश्मीर में चुनाव नतीजे घोषित किए गए हैं और इस दौरान लाखों मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया और संवैधानिक ढांचे के तहत अपने नेता का चुनाव किया। साफ तौर पर पाकिस्तान इससे पूरी तरह नावाकिफ है।'

एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने कहा कि 'पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन करने के लिए बदनाम है और हैरानी इस बात की है कि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर सवाल उठा रहा है।

पड़ोसियों के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद पाकिस्तान की नीति का हिस्सा रहा है।'

भारतीय मूल के सांसद पर संसद में झूठ बोलने को लेकर केस

सिंगापुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंगापुर के भारतीय मूल के विपक्ष के नेता प्रीतम सिंह पर संसद में झूठ बोलने के दो आरोपों पर सोमवार को मुकदमा शुरू हुआ, जब उनसे एक पूर्व सहयोगी के बारे में पूछताछ की गई। प्रीतम सिंह के पूर्व वर्कर्स पार्टी सहयोगी रईस खान ने 2021 में संसद में दो बार झूठ बोला था कि वह बलात्कार पीड़िता के साथ पुलिस स्टेशन गए थे, जहां एक पुलिस अधिकारी ने कथित तौर पर महिला के पहनावे और शराब पीने के बारे में टिप्पणी की थी। प्रीतम सिंह पर 10 दिसंबर और 15 दिसंबर, 2021 को रईस खान के आचरण की जांच के लिए बुलाई गई विशेषाधिकार समिति (सीओपी) के समक्ष दो बार झूठ बोलने का आरोप है।

अल्जीरिया से और मजबूत होंगे भारत के रिश्ते

राष्ट्रपति मुर्मू ने आर्थिक सहयोग का किया आह्वान

अल्जीयर्स, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में अल्जीरिया पहुंची। जहां उन्होंने भारत और अल्जीरिया के बीच गहन आर्थिक सहयोग का आह्वान करते हुए बैठक में इस बात पर जोर दिया कि अफ्रीकी राष्ट्र की तीव्र वृद्धि और विस्तारित अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अवसर प्रदान करती है। राष्ट्रपति ने सोमवार को अल्जीरियाई-भारतीय आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए भारत के कारोबार में सुविधा के क्षेत्र में तेजी से उभरने और प्रभावशाली प्रगति पर जोर दिया तथा अल्जीरियाई कंपनियों को भारत की मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड पहलों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। अल्जीरियाई आर्थिक नवीनीकरण परिषद और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ

(फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में भारतीय राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत-अल्जीरिया संबंधों का आगे बढ़ना हमारे साझा मूल्यों, समान चुनौतियों और आपसी विश्वास पर आधारित है। उन्होंने कहा कि अल्जीरिया की तीव्र वृद्धि और विस्तारित अर्थव्यवस्था ने विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अवसर प्रदान किए हैं। उन्होंने भारतीय कंपनियों से अल्जीरियाई अर्थव्यवस्था के दायरे में निवेश जारी रखने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान करने के समारोह को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने ओडिशा के हृदयस्थल में बिताए अपने बचपन के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मेरा बचपन चुनौतियों और बाधाओं से भरा था। मैंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय प्राथमिक विद्यालय में की और फिर उच्च शिक्षा के लिए भुवनेश्वर चली गई। मुर्मू ने कहा कि उन्होंने भुवनेश्वर के रामादेवी महिला महाविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और विश्वविद्यालय से स्नातक करने वाली अपने गांव की पहली महिला बनीं। उन्होंने कहा कि राजनीति में आने से पहले उन्होंने क्लर्क और शिक्षिका के रूप में काम किया। मुर्मू ने कहा कि शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति उनका जुनून उनके जीवन की प्रेरक शक्ति रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अल्जीरिया में अपने संबोधन के दौरान कहा कि मैं अब आदिवासी समुदाय से आने वाली पहली व्यक्ति हूं और भारत गणराज्य के सर्वोच्च पद पर आसीन होने वाली सबसे कम उम्र की व्यक्ति भी हूं। भारत की तीव्र आर्थिक सुधार का एक प्रमुख स्तंभ प्रौद्योगिकी और महिलाओं के नेतृत्व वाली वृद्धि है।

उत्तर कोरिया ने उड़ा दी दक्षिण कोरिया को जोड़ने वाली सड़क

तानाशाह किम जोंग उन के कदम से भड़का तनाव

सोल, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव काफी बढ़ गया है। उत्तर कोरिया ने आक्रोश में उठाए कदम के तहत मंगलवार को सड़कों के उस उत्तरी हिस्से को नष्ट कर दिया है जो अब उपयोग में नहीं है और कभी उसे दक्षिण कोरिया से जोड़ता था। उसने यह कदम उस दावे के बाद उठाया है कि दक्षिण कोरिया ने उसकी राजधानी प्योंगयांग पर ड्रोन उड़ाए थे जिसके बाद दोनों प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है। सड़कों को ध्वस्त करना दक्षिण कोरिया की रूढ़िवादी सरकार के खिलाफ उत्तर कोरिया के बढ़ते गुस्से को दिखाता है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया के साथ संबंध खत्म करने का आह्वान किया है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि सड़कों को विस्फोट के जरिये नष्ट करने के जवाब में दक्षिण कोरियाई सेना ने भी दक्षिणी सीमा पर गोलीबारी की है। दक्षिण कोरियाई बयान में गोलीबारी पर विस्तृत जानकारी नहीं दी गई। अभी यह पता नहीं चला है कि क्या उत्तर कोरियाई ने इस गोलीबारी पर कोई जवाबी कार्रवाई की है। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि वह अमेरिका के साथ अपनी तैयारी और निगरानी बढ़ा रही है। दक्षिण कोरिया की सेना द्वारा उपलब्ध कराये गए एक वीडियो में पश्चिमी सीमावर्ती शहर केसोंग के समीप एक सड़क पर विस्फोट के कारण निकलता धुआं और उत्तर कोरिया के मलबे को हटाने के लिए ट्रकों तथा मशीनों को जाते हुए दिखाया गया है। एक अन्य वीडियो में कोरिया की पूर्वी सीमा के समीप एक तटीय सड़क से धुआं उठते हुए दिखायी दे रहा है। उत्तर कोरिया का राजनीतिक संदेश के तौर पर अपनी सरजमीं पर इमारतों को ध्वस्त करने का इतिहास रहा है। उसने 2020 में भी दक्षिण कोरिया द्वारा निर्मित एक संपर्क कार्यालय की इमारत को उड़ा दिया था जो खाली पड़ी थी। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर इस महीने तीन बार प्योंगयांग पर दुष्प्रचार वाले पर्चे गिराने के लिए ड्रोन भेजे जाने का आरोप लगाया है और दोबारा ड्रोन भेजने पर बल प्रयोग से इसका जवाब देने की धमकी दी है। दक्षिण कोरिया ने ड्रोन भेजे जाने की पुष्टि करने से इनकार कर दिया लेकिन चेतावनी दी थी कि अगर उसके नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला गया तो उत्तर कोरिया को इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा।

किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने मंगलवार को कहा कि उत्तर कोरिया को ऐसे अर्निदिष्ट स्पष्ट सबूत मिले हैं कि कथित तौर पर ड्रोन भेजे जाने के पीछे दक्षिण कोरियाई ''सेना के गुंडों'' का हाथ है। साल 2000 में अंतर-कोरियाई संबंधों में नरमी के दौरान दोनों देशों ने भारी किलेबंदी वाली अपनी सीमा को दो सड़क मार्गों और दो रेल पटरियों से फिर से जोड़ा था।

जयशंकर के पाकिस्तान दौरे से इतनी खुश क्यों हैं हिना रब्बानी?

विदेश मंत्री की सीधी-सच्ची बात का हर कोई मुरीद

इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान के दौरे पर जा रहे हैं। वह शंघाई सहयोग संगठन(एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेने के लिए आज इस्लामाबाद पहुंचे। किसी भी भारतीय विदेश मंत्री का पाकिस्तान दौरा करीब 10 साल बाद हो रहा है। हालांकि, उनका यह दौरा द्विपक्षीय नहीं है। इस दौरे से उत्साहित पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने भी इसे भारत का स्मार्ट पहल करार दिया है।

हालांकि, पाकिस्तान ने इस संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्यौता भेजा था। मगर, मोदी

सरकार ने जयशंकर को भेजने का फैसला किया। दरअसल, जयशंकर की विदेश नीति पर गहरी पकड़ है और वह कई अंतरराष्ट्रीय मंचों से पाकिस्तान और चीन को करारा जवाब दे चुके हैं। जयशंकर की साफगोई और खरी-खरी की दुनिया दीवानी है। यहां तक कि उन्हें सोशल मीडिया पर भी इसकी तारीफ मिल चुकी है। जानते हैं कि जयशंकर की कूटनीतिक शैली और एससीओ के बारे में। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के एक न्यूज चैनल से बातचीत में पाकिस्तान की पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने कहा कि भारत ने किसी नौकरशाह को ना भेजकर जयशंकर को भेजने का फैसला करके स्मार्ट पहल की है। भारत के साथ हमारा द्विपक्षीय संबंध सामान्य स्तर पर नहीं है। वो भी ऐसे वक्त में जब दोनों देशों में एक दूसरे के यहां उच्चायुक्त भी नहीं हैं। ये बहुत अजीब स्थिति है। इससे पहले एक न्यूज चैनल में उन्होंने जयशंकर का स्वागत खुले दिल से किए जाने की बात कही थी। माना जा रहा है कि इस दौरे से भारत-पाकिस्तान संबंधों में सुधार की शुरुआत हो सकती है।

कांग्रेस के लिए उपचुनावों में सीट बचाना बड़ी चुनौती

राजनीतिक प्रतिष्ठा होगी दांव पर

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। आगामी 13 नवंबर को प्रदेश की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं, जिनके लिए सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। कांग्रेस के सामने इन चुनावों में अपनी मौजूदा चार सीटों को बचाने की कड़ी चुनौती है, जबकि भाजपा के पास इन सीटों पर खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। उपचुनावों के परिणामों से राज्य सरकार के संख्या बल पर भी कोई बड़ा असर नहीं पड़ने वाला है लेकिन कांग्रेस के लिए यह राजनीतिक प्रतिष्ठा का सवाल है।

पिछले विधानसभा चुनावों में इन सात में से चार सीटें झुंझुनू, देवली-उनियारा, रामगढ़ और दौसा कांग्रेस के पास थीं, जिन पर पार्टी ने बड़ी जीत दर्ज कराई थी। इनमें से तीन सीटें विधायकों के सांसद निर्वाचित होने के कारण खाली हुई हैं, जबकि रामगढ़ सीट कांग्रेस विधायक जुबेर खान के निधन से खाली हुई है। अब इन सीटों को वापस जीतने के लिए कांग्रेस पूरा जोर लगा रही है, क्योंकि इन सीटों का नुकसान कांग्रेस की साख पर सीधा असर डालेगा।

इधर भाजपा प्रदेश प्रभारी का कहना है कि पार्टी के पास उपचुनाव में खोने के लिए कुछ नहीं है, क्योंकि इन सात सीटों में से भाजपा के पास केवल एक सीट सलूंबर है। ऐसे में भाजपा का पूरा ध्यान अन्य सीटों पर है, जहां से वह कांग्रेस को टक्कर दे सकती है।

गठबंधन और उम्मीदवारों पर मंथन

चौरासी, सलूंबर और खींवसर तीनों सीटों पर कांग्रेस के सामने एक और चुनौती है, जहां आरएलपी और अन्य दलों का जनाधार मजबूत है। गठबंधन की संभावनाओं पर कांग्रेस अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। पार्टी के पास इन सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों की कमी है, जिससे उसे तीसरे स्थान पर रहने का संकट भी सताने लगा है।

वंशवाद की चुनौती

उम्मीदवारों के चयन में भी कांग्रेस के सामने चुनौती है। झुंझुनू से ओला परिवार, देवली-उनियारा से हरीश मीणा, रामगढ़ से मुरारी मीणा और दौसा से जुबेर खान के परिवार के सदस्यों ने टिकट की मांग की है। ऐसे में कांग्रेस के लिए वंशवाद से किनारा करना मुश्किल दिख रहा है।

कुल मिलाकर कांग्रेस के लिए यह उपचुनाव केवल सीट बचाने का ही नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। अब देखना होगा कि पार्टी इन चुनौतियों से कैसे निपटती है।

डीग में फैली बीमारी, 7 बच्चों की मौत:24 बच्चे पॉजिटिव मिले

विश्व स्वास्थ्य संगठन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें कर रही सर्वे

भरतपुर , 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के डीग में डिप्थीरिया बीमारी फैल गई है। एक महीने के अंदर इस बीमारी से 7 बच्चों की मौत हो चुकी है। मामलों की बढ़ती संख्या को देखकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और जयपुर से चिकित्सा विभाग की टीमें डीग पहुंची है। गांव-गांव में बच्चों का टीकाकरण करवाया जा रहा है।

डीग विजय सिंघल ने बताया- 14 सितंबर को सबसे पहले कामां इलाके में डिप्थीरिया से एक बच्चे सुमित (7) की मौत हुई। इसके बाद चिकित्सा विभाग ने कामां और आस-पास के इलाके में बच्चों की जांच शुरू की।

28 सितंबर को एक साथ तीन अलग-अलग इलाकों पहाड़ी में आसिफा (3), कामां में अकरीन (5) और नगर में सुमित (6) की मौत हो गई। 30 सितंबर को नगर के अल्फेज (3) की मौत हो गई। नगर में 9 अक्टूबर को मोनिश (3) और 12 को

अक्टूबर को शेजान (5) की मौत हो गई। जांच के दौरान 24 बच्चे पॉजिटिव पाए गए, जिसमें से कई नेगेटिव भी हो गए।

भारत में हर साल 4 हजार से ज्यादा केस

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े कहते हैं कि भारत में साल 2005 से 2014 के बीच हर साल औसतन 4167 केस दर्ज किए गए, जिसमें 92 लोगों की मौत हो जाती थी। इस दौरान दुनियाभर में मिल रहे डिप्थीरिया के कुल केस के आधे तो भारत में ही मिल रहे थे। फिर साल 2018 में तेज स्पाइक आया और 8,788 केस दर्ज किए गए। इस साल 52 मौतें तो सिर्फ दिल्ली में हो गईं। इस साल दुनियाभर में फिर से डिप्थीरिया के मामले सामने आ रहे हैं, इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने पहले ही सतर्क किया है।

जानिए... क्या है डिप्थीरिया?

डिप्थीरिया एक संक्रामक बीमारी है, जिससे श्वसन तंत्र प्रभावित होता है। इसके संक्रमण के चलते हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।

कैसे फैलता है डिप्थीरिया?

यह बीमारी आमतौर पर एक से दूसरे व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलती है। अगर किसी चीज या वस्तु में बैक्टीरिया है तो उसे छूने से भी यह फैल सकती है। संक्रमित व्यक्ति के छींकने या खांसने के दौरान उसके आसपास खड़े लोगों को भी डिप्थीरिया हो सकता है। इसमें सबसे बड़ा खतरा तो यह है कि कोविड की तरह शुरुआती दिनों में कोई लक्षण नहीं दिखते हैं। इस दौरान भी इसके बैक्टीरिया संक्रमित व्यक्ति के जरिए फैल रहे होते हैं और संक्रमित व्यक्ति को नुकसान पहुंचा रहे होते हैं। इस बैक्टीरिया से गले में मोटी भूरे रंग की परत जम जाती है, इससे श्वसन तंत्र प्रभावित होता है। यह धीरे-धीरे बढ़ती रहती है और हृदय को भी नुकसान पहुंचाना शुरू कर देती है।

डिप्थीरिया के क्या लक्षण हैं?

डिप्थीरिया सबसे पहले श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है, इसलिए इसके लक्षण गले से दिखने शुरू होते हैं। फिर धीरे-धीरे इसका असर बाकी अंगों पर भी दिखता है।

भरतपुर में गोली लगने से आरएसी जवान की मौत

हेड कॉन्स्टेबल के सिर के आर-पार हुई बुलेट, सुसाइड या कुछ और

भरतपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर के आरएसी में तैनात हेड कॉन्स्टेबल के सिर के आर-पार गोली निकल गई। जवान को आरबीएम हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जवान ने सुसाइड किया या फिर बंदूक साफ करते समय गोली चली, इसको लेकर स्थिति साफ नहीं है। घटना सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे भरतपुर शहर के मथुरा गेट इलाके में 7वीं आरएसी यूनिट में हुई। भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में दिगंबर सिंह का शव रखा गया है।

भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में दिगंबर सिंह का शव रखा गया है।

हेड कॉन्स्टेबल दिगंबर सिंह (35) आरएसी में मालखाना (हथियार रखने की जगह) इंचार्ज थे। गोली पिस्टल से चली है। दिगंबर भरतपुर के सिनसिनी गांव के रहने वाले थे। वे भरतपुर शहर के सुभाष नगर इलाके में परिवार के साथ रहते थे। परिवार में पत्नी, दो जुड़वां बेटा-बेटी हैं। जवान के पिता विजेंद्र सिंह भरतपुर में पुलिस सब इंस्पेक्टर पद से रिटायर्ड हैं। दिगंबर उनका इकलौता बेटा था।

जवान की शादी 2013 में हुई थी। आरएसी के अधिकारी और मथुरा गेट थाना पुलिस मॉर्च्युरी पर पहुंचे हैं।

डीएसपी पंकज यादव ने बताया- आरएसी के जवान दिगंबर के बारे में दोपहर 1 बजे सूचना मिली कि गोली लगने से उनकी मौत हो गई। क्या वजह है इसकी जांच करेंगे। स्पेशल टीम को स्पॉट पर भेजा है। मामले की जांच की जाएगी। घटना आरएसी सर्विस बटालियन परिसर के अंदर ही हुई है।

आरएसी बटालियन के डिप्टी कमांडर सुभाष मिश्रा ने बताया- आरएसी बटालियन में 16 अक्टूबर को प्रैक्टिस फायरिंग होनी है। इसके लिए मालखाना (हथियार खाना) में सफाई और छंटनी का काम चल रहा है। दिगंबर सिंह खुद मालखाना इंचार्ज भी थे। वहां छंटनी के काम के दौरान कॉन्स्टेबल प्रमोद ने गोली चलने की आवाज सुनी। वह मौके पर पहुंचे। घायल दिगंबर को हॉस्पिटल ले गए।

जलदाय मंत्री ने ली विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक

जलदाय मंत्री बोले, कामों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

सवाई माधोपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी आज सवाई माधोपुर के दौरे पर रहे। यहां उन्होंने कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय अधिकारियों की बैठक ली और अपने विभागीय कार्यो की बिन्दुवार समीक्षा की। इस दौरान मंत्री ने लापरवाह अधिकारियों की जमकर क्लास ली और फटकार लगाई।

विभागीय योजनाओं व पेयजल समस्याओं को लेकर मंत्री के सवालों का विभागीय अधिकारी जवाब नहीं दे पाए और एक दूसरे का मुंह ताकते रहे। जलदाय मंत्री ने पाली घाट से सवाईमाधोपुर मुख्यालय के लिए योजना नहीं बनाए जाने पर खासी नाराजगी जताई। साथ ही जिले के 284 गांवों के लिए 15 वर्षीय योजना बनाए जाने पर प्रोजेक्ट बनाने वाले अधिकारियों पर सवाल खड़े किए। जलदाय विभाग के XEN हरज्ञान मीणा से जलदाय मंत्री ने क्षेत्र की पेयजल योजना के बारे में विस्तार से पूछा। इस पर XEN मीणा ने बताया कि सवाई माधोपुर के 284 गांवों के लिए 15 साल की योजना प्रगतिशील है। इस पर मंत्री खासे नाराज हुए तथा कहा कि ERCP के तहत ईसरदा बांध से 2053 तक के लिए लोगों को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। सवाईमाधोपुर के गांवों के लिए सिर्फ 15 साल के लिए प्रोजेक्ट बनाया गया है।

इसके बाद पेयजल समस्या उत्पन्न होती है तो फिर विभाग किस प्रकार लोगों को पानी उपलब्ध करा पाएगा।

जलदाय मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि अब तक 2012 का काम पेंडिंग हैं। ठेकेदार काम करना ही नहीं चाहता है। यदि ठेकेदार विभाग के खिलाफ कोर्ट में गया है तो विभाग भी अपना वकील खड़ा करे। ठेकेदार की पूरी फाइल जलदाय मंत्रालय पहुंचाओ। उन्होंने कहा कि विभाग के मेजरमेंट में कमी है। ट्यूबवेल कैसे सूख सकते हैं। 284 गांवों को 15 साल बाद पानी केसे दोगे, किसने प्लान बनाया है, चार्ज सीट किसे दूं। यदि कोई ट्यूबवेल सूख गया है तो विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है। हम जनता के वकील है। जनता को जवाब कौन देगा। जिस अधिकारी को काम नहीं करना है अपना इस्तीफा देकर जाओ, लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

जयपुर में युवक के किडनैप की कोशिश, लात-घूसों से पीटा

सिर पर पिस्तौल तान दी, धमकाया वरना मार दूंगा

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में एक युवक को किडनैप करने की कोशिश का मामला सामने आया है। हिस्ट्रीशीटर ने साथियों के साथ मिलकर युवक को लात-घूसों से जमकर पीटा। पिस्तौल के दम पर मारने की धमकी देकर कार में बैठाने का प्रयास किया। राउंड पर आई पुलिस पीसीआर को देखकर बदमाश के भागने से युवक के जान बच पाई। मोतीडूंगरी थाने में पीड़ित ने हिस्ट्रीशीटर व उसके साथियों के खिलाफ FIR दर्ज करवाई है।

हेड कॉन्स्टेबल राधेश्याम ने बताया- गली नंबर-3 एमडी रोड निवासी जतिन मीणा (19) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। 13 अक्टूबर की रात करीब एक बजे वह अपने दोस्त से मिलकर घर जा रहा था। इसी दौरान आनंदपुरी मालियों की बगीची से जाते समय हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसको पकड़ लिया। हमला कर रोड पर गिराकर लात-घुसों के साथ लोहे के पाइप से पीटा। घसीट कर जबरन अपनी कार में बैठाकर किडनैप करने की कोशिश की।

सिर पर पिस्तौल तान दी

विरोध करने पर हिस्ट्रीशीटर मनीष सैनी ने व उसके साथियों ने सिर पर पिस्तौल तान दी। धमकाया- गाड़ी में बैठ जा नहीं तो तुझे जान से मार दूंगा। मोतीडूंगरी थाने की पीसीआर अचानक राउंड पर आने पर पुलिस को देखकर बदमाश वहां से भाग निकले। जान बचाकर पुलिसकर्मियों उसे मोतीडूंगरी थाने लेकर पहुंचे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर सहित उसके साथियों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया। पुलिस की टीमें बदमाशों की धड़-पकड़ के लिए दबिश दे रही है।

जयपुर में युवती ने मेट्रो-स्टेशन से खुद लगाई थी छलांग

पुलिस ने रेप के आरोपी को किया गिरफ्तार, जोधपुर में कर रहा है कॉम्पिटिशन की तैयारी

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में नाबालिग कोचिंग छात्रा से रेप और मेट्रो स्टेशन से फेंकने के मामले में पुलिस ने आरोपी कुनाल मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी ने 25 अगस्त को जयपुर के महेश नगर थाना इलाके में स्थित होटल में नाबालिग के साथ रेप किया था। फिर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने जोधपुर चला गया।

27 सितंबर को आरोपी फिर जयपुर आया। न्यू आतिश मार्केट मेट्रो स्टेशन पर युवती से मिलकर चला गया। पुलिस के अनुसार, इसके बाद युवती ने मेट्रो स्टेशन से छलांग लगा दी। युवती की रीड की हड्डी में गम्भीर चोट है। उसका एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मेट्रो थाने की सीआई अजय कांत शर्मा ने बताया- नाबालिग कोचिंग छात्रा के पिता की ओर से मिली रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। रिपोर्ट में पिता ने बताया था कि बच्ची के साथ आरोपी ने रेप किया। एक माह बाद उसे मेट्रो स्टेशन बुलाया। फिर नीचे फेंक दिया था। झाड़ियों में बेहोशी की हालत में मिली छात्रा को ई-रिक्शा ड्राइवर ने SMS हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। इलाज के दौरान पीड़िता ने परिजन को आपबीती बताई। हालांकि जांच में सामने आया है कि लड़की ने खुद छलांग लगाई थी।

आरोपी को गिरफ्तार किया

सीआई अजय कांत शर्मा ने बताया- पीड़िता के पिता की ओर से दी गई शिकायत पर 11 अक्टूबर को एफआईआर दर्ज करवाई थी। सिरोही के रहने वाले आरोपी कुनाल मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। नाबालिग जयपुर में रीट की कोचिंग कर रही है। वहीं, आरोपी युवक

जोधपुर में कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रहा है। पुलिस ने रेप के आरोपी कुनाल मीणा को 13 अक्टूबर की रात को जयपुर में उसके दोस्त के घर से पकड़ा। वह बाहर निकलने का प्लान बना रहा था। थाने लाकर पूछताछ की गई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

हॉस्पिटल में एडमिट नाबालिग ने पुलिस को बताया- 25 अगस्त को आरोपी जयपुर आया और पीड़िता को मिलने के लिए बुलाया। मिलने जाने पर आरोपी उसे महेश नगर स्थित एक होटल में ले गया। होटल के रूम में उसने पीड़िता के साथ रेप किया। आरोपी 27 सितंबर को कॉम्पिटिशन एग्जाम देने के लिए जयपुर आया। नाबालिग को फोन करके न्यू आतिश मार्केट मेट्रो स्टेशन बुलाया। इसके बाद छलांग लगा दी।

रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट, जज लेंगे बयान

सीआई अजय कांत शर्मा ने बताया- पीड़िता की रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट है। खड़ी नहीं हो पा रही है। जांच को आगे बढ़ाने के लिए पीड़िता के बयान जरूरी हैं। आज जज बयान लेने के लिए अस्पताल जाएंगे।

घर से मॉर्निंग वॉक पर निकले रिटायर्ड फौजी का शव जयपुर में रेलवे ट्रेक पर मिला

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में मंगलवार सुबह रेलवे ट्रक पर रिटायर्ड फौजी का शव पड़ा मिला। ट्रेक पार करते समय ट्रेन की टक्कर से उनकी मौत हुई। वह रोज की तरह घर से मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। पुलिस ने हॉस्पिटल में शव का पोस्टमॉर्टम करवाया।

एएसआई बाबूलाल ने बताया- हादसे में राजकुमार (68) पुत्र प्रभाती लाल निवासी विजयपुर नानुसर बिंदायका की मौत हो गई। वह आर्मी से रिटायर्ड थे और परिवार सहित यहां रहते थे। रोज की तरह सुबह घर से मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। सुबह करीब 6:45 बजे बिंदायका फाटक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गई।

ट्रेन की टक्कर से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना पर बिंदायका थाना पुलिस मौके पर पहुंची। रेलवे ट्रेक पर उनका शव पड़ा मिला। पुलिस ने मौका-मुआवना कर शव को पोस्टमार्टम के लिए हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया।

कॉन्स्टेबल ने प्राइवेट बस ड्राइवर को थप्पड़ मारा, हंगामा : पुलिस का घेराव;

महिला एएसआई ने आरोपी सिपाही का मुंह सूंघकर कहा- शराब नहीं पी

जालोर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। कॉन्स्टेबल के प्राइवेट बस ड्राइवर को थप्पड़ मारने के बाद जमकर हंगामा हुआ। लोगों ने पुलिस की गाड़ी को घेर लिया। आरोप था कि शराब के नशे में कॉन्स्टेबल ने ऐसी हरकत की है। मौके पर महिला एएसआई पहुंची और आरोपी सिपाही का मुंह सूंघकर कहा- इसने शराब नहीं पी है। बाद में कॉन्स्टेबल ने ड्राइवर को सॉरी बोला, तब जाकर मामला शांत हुआ। घटना जालोर के जिला अस्पताल बस स्टैंड की है।

सोमवार की रात करीब 9.30 बजे जालोर जिला अस्पताल बस स्टैंड के पास पुलिस की गाड़ी में कॉन्स्टेबल बाबूलाल विश्नोई और एक अन्य सिपाही बैठा था। बाबूलाल पुलिस लाइन में तैनात है। इसी दौरान जीआर जाणी ग्रुप की प्राइवेट बस स्टैंड पर आई। बाबूलाल ने बस के पुलिस की गाड़ी में छू जाने का आरोप लगाया। गुस्से में वह (बाबूलाल) बस के आगे चला गया।

बस यात्रियों के साथ वहां मौजूद लोगों ने हंगामा किया

बस का ड्राइवर लोकेश कुमार दरवाजा खोलकर उतर ही रहा था कि बाबूलाल ने उसे थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद बस में बैठीं सवारियां, बस स्टैंड पर खड़े लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। बाबूलाल पुलिस की गाड़ी में जाकर बैठ गया। लोगों ने उस गाड़ी को घेर लिया। लोगों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। कोतवाली थाने से एएसआई शशिकला मौके पर पहुंचीं। लोगों ने कहा कि शराब के नशे में बाबूलाल ने ड्राइवर को पीट दिया। एएसआई शशिकला अपनी गाड़ी से उतरकर पुलिस की गाड़ी के पास गईं। ड्राइवर सीट पर बैठे बाबूलाल विश्नोई का मुंह सूंघा और कहा कि इसने शराब नहीं पी है।

एएसआई ने कहा- ड्राइवर को सॉरी बोलो

लोग कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। पुलिस बाबूलाल को जिला हॉस्पिटल ले गई और उसका मेडिकल कराया। मेडिकल में शराब पीने जैसी कोई बात सामने नहीं आई। लोगों का विरोध देख एएसआई शशिकला ने कॉन्स्टेबल बाबूलाल से कहा कि ड्राइवर को सॉरी बोलो। कॉन्स्टेबल ने सॉरी कहा। तब मामला शांत हुआ।

उधर बस के मालिक दिलीप कुमार जाणी पुत्र बाबूलाल ने बताया- सोमवार को भीनमाल के पुनासा से एक व्यक्ति बस में बैठा था। उसे जालोर आना था। बस ड्राइवर ने उससे 200 रुपए किराया मांगा तो बोला पुलिस स्टाफ हूं।

राजस्थान की 7 विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग

जयपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हो गई है। प्रदेश में झुंझुनूं, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर चौरासी,

सलूंबर, रामगढ़ सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के 11 महीने के भीतर ही इन सीटों पर फिर इलेक्शन होंगे। इनमें से 5 सीट विधायकों के सांसद बनने के कारण और दो सीटें विधायकों के निधन के कारण खाली हैं।

इधर, उपचुनाव की घोषणा से पहले शिक्षा विभाग में ट्रांसफर कर दिए, हालांकि बाद में सरकार ने तबादले के आदेश को रद्द कर दिया। शिक्षा विभाग ने एक ही लिस्ट में 40 स्कूल प्रिंसिपल के ट्रांसफर किए थे, जिसमें 39 फेरबदल अकेले दौसा जिले के थे। बैन के बावजूद ग्रेड थर्ड शिक्षकों के भी तबादले किए गए थे। इससे पहले राजस्थान सरकार ने प्रदेश के 78 नगरीय निकायों में की गई राजनीतिक नियुक्तियों पर महज 6 घंटे बाद ही रोक लगा दी थी।

बुजुर्ग की हत्या की आरोपी 3 महिलाएं गिरफ्तार : जमीन विवाद को लेकर किया था लाठी से हमला, इलाज के दौरान हुई थी मौत

डूंगरपुर, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। डूंगरपुर की चितरी थाना पुलिस ने बुजुर्ग के साथ मारपीट कर हत्या के क्रॉस केस में 3 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। जमीन विवाद को लेकर 22 दिन पहले बड़गी गांव में बुजुर्ग की लाठी से पीटकर हत्या की थी।

चितरी थानाधिकारी परमेश्वर पाटीदार ने बताया कि 23 सितंबर को एक बुजुर्ग के साथ मारपीट की घटना हुई थी। बडगी निवासी संगीता पाटीदार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसके पट्टेशुदा जमीन पर बडगी निवासी उनके पड़ोसी सिराग पाटीदार, वंशिका पाटीदार, गीता, प्रियंका और धापू पाटीदार निर्माण कार्य करवा रहे थे। जिस पर उसने और उसके ससुर मानजी पाटीदार (72) ने निर्माण कार्य करने के लिए मना किया और उन्हें रोकने की कोशिश की। जिस पर सिराग पाटीदार सहित अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस बीच संगीता के ससुर मानजी पाटीदार भी बीच बचाव के लिए आए। सिराग ने उन पर लाठी से हमला कर दिया। जिस पर उनके सिर और शरीर पर गहरी चोट लगी। जिससे वह गंभीर घायल हो गए। सागवाड़ा के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मानजी की मौत हो गई थी। मामले में दूसरे पक्ष की ओर से क्रॉस केस दर्ज करवाया था। जिसमें मारपीट के आरोप लगाए। मामले में पुलिस ने जांच करते हुए 3 महिलाओं को मारपीट और शांतिभंग में आरोपी माना। जिस पर पुलिस ने आरोपी संगीता पाटीदार, कमला पाटीदार और हस्मिता पाटीदार निवासी बड़गी

दक्षिण मध्य रेलवे पर स्वच्छता पखवाड़ा अभियान का समापन

अभियान के दौरान 5,196 किलोमीटर रेलवे ट्रैक की सफाई की गई * संपूर्ण जोन पर 73,836 पेड़ लगाए गए

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर, प्रधानमंत्री के विजन स्वच्छता को संस्थागत बनाने, कार्यस्थल पर साफ-सफाई बढ़ाने, सतत प्रथाओं को बढ़ावा देने और लंबित मामलों के निपटान को अनुकूलित करने के दृष्टिकोण की प्राप्ति के लिए विशेष अभियान 4.0 शुरू किया गया था। विशेष अभियान 4.0 के प्रमुख लक्ष्यों के अंतर्गत सार्वजनिक शिकायतों का त्वरित समाधान करना भी शामिल था, विषेशकर रेल मदद और सीपीजीआरएएमएस(सीपीग्राम) जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम द्वारा। इस अवसर को याद रखने के लिए, 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधे भी लगाए गए। इसी कार्यक्रम के तहत, दक्षिण मध्य रेलवे ने 01 से 15 अक्टूबर, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया, जिसका थीम था 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'। स्कूली बच्चों, स्काउट्स और गाइड्स, गैर सरकारी संगठनों आदि के साथ-साथ अधिकारियों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी से दक्षिण मध्य रेलवे के छह मंडलों और कारखानों में स्वच्छता पखवाड़ा अभियान को भारी सफलता मिली। इस अभियान के अंतर्गत, संपूर्ण जोन के रेलवे स्टेशनों, कॉलोनियों, गाड़ियों, रनिंग रूम, कारखानों, डिपो, लोको शेड, कार्यालयों, अस्पतालों/स्वास्थ्य इकाइयों और अन्य रेल प्रतिष्ठानों आदि पर स्वच्छता प्रतिज्ञा, श्रमदान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, वॉकथॉन, स्वच्छता पर जागरूकता रैलियां, प्लास्टिक के कचरे पर जागरूकता अभियान और एकल उपयोग प्लास्टिक पर प्रतिबंध, नुक्कड़ नाटक आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की गईं। अपशिष्ट से धन अर्जित करने (वेस्ट टू वेल्थ) की गतिविधि भी की गई, जिसके अंतर्गत धातु, प्लास्टिक, ऑर्गनिक पदार्थ जैसे कचरे से मूल्यवान सामग्री निकाली गई और उन्हें उच्च मूल्य वाली वस्तुओं में बदला गया, जिससे उनकी उपयोगिता और आकर्षण बढ़ गई। स्टेशन परिसर में साफ-सफाई में सुधार लाने और जनता में जागरूकता फैलाने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे के 636 रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। जोन के लालागुडा, रायनपाडु और तिरुपति कारखानों में 66 सब-शॉप में भी गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के दौरान संपूर्ण ज़ोन पर कुल 5,196 किलोमीटर रेलवे ट्रैक की सफाई भी की गई। अधिकारियों, कर्मचारियों, स्कूली छात्रों आदि सहित लगभग 36,183 लोगों ने विभिन्न रेलवे परिसरों में श्रमदान गतिविधियों में भाग लिया। दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्राधिकार में 183 गाड़ियों पर अधिकारियों और पर्यवेक्षकों द्वारा नियमित स्वच्छता निरीक्षण किया गया। कूड़ा-कचरा फैलाने विरोधी अभियान के हिस्से के रूप में, रेलवे स्टेशनों और गाड़ियों में कूड़ा-कचरा न फैलाएं, इसके लिए 5,010 लोगों का काउंसिलिंग गया और 283 लोगों पर जुर्माना लगाया गया तथा 56,600 रुपये की राशि वसूल की गई। दक्षिण मध्य रेलवे ने स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के दौरान मंडलों और कारखानों में 73,836 पेड़ भी लगाए। रेलवे ट्रैक और विभिन्न रेल परिसरों से कुल 27.44 टन प्लास्टिक हटाया गया और कारखानों से 430 टन कबाड़(स्क्रैप) एकत्रित किया गया। पूरे जोन पर 1,522 कार्यालयों में स्वच्छ परिसर गतिविधि (स्वच्छ कार्यस्थल और स्वच्छ आवासीय परिसर) का आयोजन किया गया और 443 टन कचरा एकत्रित किया गया। स्वच्छता पर जागरूकता फैलाने के लिए 348 वेबिनार/सेमिनार आयोजित किए गए और लगभग 11,500 लोगों ने इसमें भाग लिया। दमरे मुख्यालय और जोन के सभी छह मंडलों द्वारा व्यापक सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया। युवाओं में जागरूकता फैलाने के लिए दैनिक स्वच्छता गतिविधियां, क्रिएटिव और इन्फोग्राफ़िक्स पोस्ट किए गए। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, स्वच्छता पखवाड़ा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पूरे जोन पर स्वच्छता पखवाड़ा अभियान को बड़ी सफलता मिली है। यद्यपि स्वच्छता अभियान आज समाप्त हो रहा है, लेकिन हमें पूरे वर्ष रेल परिसर और अपने घरों में स्वच्छता प्रथाओं को पालन करना और प्रोत्साहन जारी रखना चाहिए। स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के दौरान विभिन्न गतिविधियां की गई।

आवासीय स्कूलों पर जड़ा ताला

किराये के भुगतान में देरी पर मालिकों ने उठाया कदम

तेलंगाना भर में करीब 120 स्कूलों को कर दिया गया बंद

30 महीने से किराए के भुगतान में अत्यधिक देरी

आदिलाबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में मंगलवार को सरकार द्वारा किराए के भुगतान में देरी के विरोध में मालिकों ने किराए के परिसरों में चल रहे आवासीय शिक्षण संस्थानों पर ताला जड़ दिया। बेल्लमपल्ली और लक्सेटीपेट कस्बों और मंचेरियल जिले के अन्य हिस्सों में महात्मा ज्योतिबा फुले तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आवासीय विद्यालय को मालिकों ने बंद कर दिया। मालिकों के संघ के सदस्यों ने स्कूलों के मुख्य द्वार पर एक बैनर प्रदर्शित किया जिसमें मालिकों के निर्णय के पीछे का कारण बताया गया। निर्मल, मंचेरियल, आदिलाबाद और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के विभिन्न हिस्सों में लगभग 20 स्कूल बंद कर दिए गए।

बैनर पर लिखा था कि 30 महीने से किराए के भुगतान में अत्यधिक देरी के कारण, 15 अक्टूबर से इमारतों को बंद किया जा रहा है। उच्च अधिकारियों को कई बार ज्ञापन सौंपे गए। हालांकि, इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया गया। किराया मिलने के बाद ही इमारतें खोली जाएंगी। असुविधा के लिए खेद है। तेलंगाना समाज से अनुरोध है कि वे हमारी दुर्दशा को समझें।

इस बीच, एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के तहत तेलंगाना भर में करीब 120 स्कूलों को बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि किराए का भुगतान न होने के कारण उन्हें भारी वित्तीय बोझ का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि वह जल्द से जल्द किराए को जारी करने के लिए कदम उठाए और आवासीय शिक्षण संस्थानों में छात्रों को होने वाली असुविधा से बचाए।

पंजाब नैशनल बैंक में हिंदी प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक, अंचल कार्यालय, हैदराबाद द्वारा हिंदी माह के अवसर पर आज अंचल प्रबंधक श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हिंदी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि व्यक्तित्व निर्माण में सशक्त अभिव्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से जहां कार्यालय में एक बेहतर माहौल का निर्माण होता है वहीं स्टाफ सदस्यों के रचनात्मकता को भी नया आयाम मिलता है।

इस अवसर पर उप-अंचल प्रबंधक संजय माने ने कहा कि हिंदी माह के आयोजन का उद्देश्य कार्मिकों में राजभाषा हिंदी में अधिक से अधिक प्रशासनिक कार्य करने हेतु बेहतर सोच का निर्माण करना है। इसी कड़ी में आज स्टाफ सदस्यों के लिए "सरकारी योजनाएं-कारोबार या जिम्मेदारी, कृत्रिम मेधा : लाभ या हानि, मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग- जरूरत या आदत जैसे विषयों पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

इसमें प्रतिभागियों द्वारा 3 मिनट की समयावधि में संबंधित विषय पर विचारों को अभिव्यक्ति दी गई। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में सहायक महाप्रबंधकगण सी बी राव राजकुमार सिन्हा एवं श्यामा कुमार शामिल रहे। इस प्रतियोगिता में 15 से अधिक स्टाफ सदस्यों की सहभागिता रही। समस्त कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. साकेत सहाय द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के अंत में अंचल प्रबंधक द्वारा विजेताओं की घोषणा की गई।

इसके तहत प्रथम विजेता के रूप में सुश्री सिंधु, प्रबंधक एवं सुश्री अंकिता, मुख्य प्रबंधक, द्वितीय विजेता के रूप में के संन्यासी राव, वरिष्ठ प्रबंधक, तृतीय पुरस्कार विजेता के रूप में नरेन दत्ता, मुख्य प्रबंधक तथा सांत्वना पुरस्कार विजेता के रूप में प्रसन्न कुमार राउत रहे।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विश्व मानक दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) हैदराबाद शाखा द्वारा विश्व मानक दिवस समारोह-2024 सोमाजीगुडा स्थित कटरिया होटल एण्ड टावर्स में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि तेलंगाना राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा तत्संबंधित समारोह के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में मानकीकरण या मानक व्यवस्था की नितांत आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि उपभोक्ता द्वारा किसी भी खरीदी हुई वस्तु की गुणवत्ता का मानकीकरण प्रमाणीकरण अत्यावश्यक है। इस समारोह में जिन अन्य संबंधित प्रमुख अधिकारियों तथा सम्मानित अतिथियों ने मानकीकरण की महत्ता पर अपने विचार प्रस्तुत किए, उनमें निदेशक एवं प्रमुख व वैज्ञानिक बीआईएस हैदराबाद पीवी श्रीकांत, वैज्ञानिक हैदराबाद मिस पिंजरी जेमिला, उद्योग आयुक्त तेलंगाना सरकार डीजी मालसूर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) उपाध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक टीजीएसआरटीसी तेलंगाना सरकार वीसी सज्जनार आईपीएस, वैज्ञानिक डी. बीआईएस हैदराबाद राकेश तन्नीरू शामिल थे।

इस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस भव्य समारोह में तकनीकी सत्र के अंतर्गत जिन गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया उनमें प्रधान सलाहकार टीसीएस डॉ. सीतारामा ब्रह्मम गुंटुरी, उपाध्यक्ष सीपीडब्ल्यूए-वीपी-व्यावसायिक सेवाए-डेक सिस्टम्स मिस जया अपर्णा पासी, संस्थापक सोलोन इंडिया प्रा.लि. सूरी पेनुबोलू, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईटी हैदराबाद डॉ. प्रदीप कुमार वेमुला शामिल थे। इस समारोह में राष्ट्रगान एवं वैज्ञानिक बी. बीआईएस हैदराबाद दशरथ अलोडिया द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मंदिर में हुई तोड़फोड़ पर हिंदू चुप

भाजपा विधायक पी राकेश रेड्डी ने लगाए आरोप

निज़ामाबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अरमूर से भाजपा विधायक पी राकेश रेड्डी ने आरोप लगाया है कि हैदराबाद में हिंदू आबादी हाल ही में सिकंदराबाद क्षेत्र में मुथ्यालम्मा मंदिर में हुई बर्बरता की घटना पर चुप्पी साधे हुए है। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए राकेश रेड्डी ने कहा कि यह शर्म की बात है कि हिंदुओं ने जवाबी कार्रवाई नहीं की और मूकदर्शक बने रहे। उन्होंने कहा कि चुप्पी हमारी मानसिकता की विशेषता बन गई है और सदियों से इसमें कोई बदलाव नहीं आया है।

उन्होंने कहा कि मंदिर के अपमान पर चुप्पी क्यों है? आम हिंदू भी क्यों नहीं बोल रहे हैं? एक भी हिंदू में दूसरे धर्मों के पूजा स्थल पर हमला करने की हिम्मत नहीं है। कांग्रेस सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए भाजपा विधायक ने आरोप लगाया कि जिस तरह से मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है, उससे ऐसा लगता है कि इसके पीछे कांग्रेस सरकार का हाथ है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भी मंदिरों पर हमले होते हैं, सरकार कुछ कदम उठाती है और फिर मुद्दा वहीं का वहीं रह जाता है। वहीं दूसरी ओर, जब भी अन्य धर्मों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं, तो सरकार तेजी से कार्रवाई करती है।

अस्पताल में दवाओं और सिरप की कमी से मरीज परेशान

कुमराम भीम आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला मुख्यालय अस्पताल में दवाओं की कमी से मरीज बुरी तरह प्रभावित हैं। 300 बिस्तरों वाला जिला मुख्यालय अस्पताल लोगों, खासकर जिले के दूरदराज के इलाकों से आने वाली आदिवासी आबादी के लिए चिकित्सा सेवाओं का एक प्रमुख स्रोत है। इसमें प्रतिदिन लगभग 500 बाह्य रोगी पंजीकृत होते हैं। टाइफाइड, मलेरिया और डेंगू बुखार जैसी मौसमी बीमारियों के प्रसार के बाद बाह्य रोगियों की संख्या में वृद्धि देखी जाती है।

अस्पताल की दीवारों पर अनुपलब्ध दवाओं, सिरप और इंजेक्शन की सूची चिपका दी गई है, जिसमें मरीजों से अधिकारियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया गया है। मरीजों के पास निजी मेडिकल स्टोर से भारी भरकम कीमत चुकाकर दवाएं, सिरप और इंजेक्शन खरीदने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। उन्होंने अस्पताल में दवाओं की कमी पर नाराजगी जताई। आदिवासी संगठन के नेता कोटनाका विजय ने कहा कि कमज़ोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोग और जिले के अंदरूनी इलाकों से आदिवासी जनजातियां इस उम्मीद में अस्पताल आते हैं कि उनकी बीमारियों का मुफ़्त इलाज होगा, लेकिन दवाओं की कमी के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों को इस चुनौती का समाधान करने और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पवन ने इस बात पर सहमति जताई कि अस्पताल में कुछ दवाओं, सिरप और इंजेक्शन की कमी है।

चंगीचेरला स्थित कुमावत सेवा समिति मंदिर भवन में स्थापित माँ भगवती की प्रतिमा की पुजा-अर्चनाकर उपस्थित समाज की महिलाएं।

जलकृषि पाठ्यक्रम शामिल करे सरकार

यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी के लिए हुई मांग

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य मत्स्य महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और तेलंगाना मत्स्य सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष पित्तला रविंदर ने राज्य सरकार से तेलंगाना में नव स्थापित यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी में मत्स्य पालन और जलीय कृषि पाठ्यक्रम शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने जलकृषि, मूल्य संवर्धन, मछली खाद्य निर्यात और आधुनिक मत्स्यपालन तकनीक में पाठ्यक्रम शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एक बयान में, रविंदर ने तेलंगाना के प्रचुर मीठे पानी के संसाधनों के बारे में बताया और राज्य सरकार से युवाओं को मत्स्य पालन में उन्नत कौशल से लैस करने के लिए विशेष पाठ्यक्रम शुरू करने का आग्रह किया।

उन्होंने तेलंगाना में अंतर्देशीय मत्स्य पालन के लिए एक समर्पित विश्वविद्यालय की स्थापना का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को दिए ज्ञापन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मत्स्य पालन क्षेत्र का विकास राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, जिससे इस उद्योग पर निर्भर 12 प्रतिशत से अधिक आबादी को लाभ होगा।

रामलीला मैदान के प्रभारी महंत महात्यागी रामकिशन दास का पद्माराव नगर पधारने पर उनका स्वागत करते माइनारिटी कमीशन के पूर्व सदस्य गौतम जैन, संपत, विनोद संचेती, अजय नाहटा, अनिल बोहरा, चंदन नाहटा कोमल बोहरा व अन्य।

समाज कल्याणार्थ उक्त फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे बेजोड कार्यों के मद्देनजर एम्बुलेंस सहायता देने का निर्णय : प्रबंधक पुनीत कुमार

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी, एससीजेड क्षेत्रीय प्रबंधक पुनीत कुमार ने सहज मार्ग स्पिरिचुअलिटी फाउंडेशन अस्पताल को एम्बुलेंस सौंपा तथा इस तरह एलआईसी ने सहज मार्ग स्पिरिचुअलिटी फाउंडेशन के अस्पताल को एम्बुलेंस सहायता प्रदान की।

इस संदर्भ में, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के शीर्ष आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, ग्रेटर हैदराबाद के बाह्य क्षेत्र कोथुर मंडल के चेगुर गांव में अस्पताल में समारोह आयोजित हुआ। जिसमें एलआईसी एससीजेड क्षेत्रीय प्रबंधक पुनीत कुमार ने एलआईसी के स्वर्ण जयंती फाउंडेशन की ओर से सहज मार्ग स्पिरिचुअलिटी फाउंडेशन अस्पताल को एम्बुलेंस सौंपी। जिसमें पुनीत कुमार ने कहा कि, तत्संबंधित फाउंडेशन विश्व का सबसे बड़ा ध्यान केंद्र है और एलआईसी अपने एलआईसी के स्वर्ण जयंती फाउंडेशन के माध्यम से एम्बुलेंस प्रदान करके तत्संबंधित गतिविधियों का समर्थन कर रहा है। इसके तहत उक्त अस्पताल प्रभारी डॉ. किशोर सब्बू ने ट्रस्ट की ओर से एम्बुलेंस प्राप्त की। उन्होंने कहा कि, बीस बिस्तरों वाले इस अस्पताल में आठ विशेषज्ञ डॉक्टर हैं, जो चेगुर के ग्रामीणों को चिकित्सा सेवा प्रदान करता हैं। इस गांव के तीस किलोमीटर की परिधि में यह एकमात्र अस्पताल है, जहां एक ही स्थान पर सभी उत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। ट्रस्ट का अस्पताल जरूरतमंदों को नाममात्र की लागत पर और मुफ्त में स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहा है। डॉ. किशोर सब्बू ने आगे बताया कि उन्हें महीने में कम से कम 8 से 10 बार पेशंट्स को ले जाने के लिए एम्बुलेंस की आवश्यकता होती है और यह आवश्यकता अब एलआईसी की ओर से मिलने वाले बड़े सहयोग से पूरी हो रही है।

इस दौरान एलआईसी क्षेत्रीय प्रबंधक पुनीत कुमार ने बताया कि, समाज के कल्याण के लिए तत्संबंधित फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे बड़े पैमाने के कार्यों को देखते हुए एम्बुलेंस की सहायता देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि एलआईसी ने 100 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि के साथ एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन बनाया है और अब इसे बढ़ाकर 1000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। जिसमें अर्जित ब्याज को सामाजिक सेवा गतिविधियों और छात्रों को छात्रवृत्ति के रूप में व्यय किया जाता है। तत्संबंधित विस्तृत विवरण हेतु क्षेत्रीय प्रबंधक (सीसी), एलआईसी ऑफ इंडिया, दक्षिण मध्य क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद एवं ईमेल: scz_cc@licindia.com पर संपर्क करें।

इस मामले में डॉ. किशोर सब्बू तथा बीआर. वम्शी चल्लागुल्ला ने तत्संबंधित सहयोग के लिए एलआईसी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जी.बी.वी. रामैया, प्रमोद कुमार साहू और एलआईसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित हुए।

जी किशन रेड्डी ने छात्रों को मुफ्त नोटबुक वितरित की

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने भारत सेवाश्रम संघ के हैदराबाद आश्रम द्वारा किए गए वार्षिक "सामूहिक मुफ्त नोटबुक वितरण कार्यक्रम" के एक भाग के रूप में अंबरपेट बॉयज हाई स्कूल के 1200 छात्रों को मुफ्त नोटबुक वितरित की। यह तेलंगाना के विभिन्न जिलों के सरकारी स्कूलों के गरीब छात्रों की मदद करने की एक अनूठी पहल है।

मंत्री ने तत्कालीन आंध्र प्रदेश और अब तेलंगाना में कई दशकों से विभिन्न तरीकों से जरूरतमंद लोगों के साथ खड़े होकर भारत सेवाश्रम संघ द्वारा प्रदान की गई मानवीय सेवा की प्रशंसा की। हैदराबाद आश्रम के सचिव स्वामी मुनीश्वरानंदजी महाराज ने हमारे देश की युवा पीढ़ी का समर्थन करने में सक्षम होने पर संतोष व्यक्त किया। स्वामी वेंकटेश्वरानंदजी महाराज ने आज पूरे कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में सचिव स्वामीजी का सहयोग किया। यह कार्यक्रम जुलाई महीने में राज्य के विभिन्न जिलों में शुरू किया गया था और यह इस वर्ष का आज समापन कार्यक्रम है। पूज्य स्वामीजी आने वाले वर्षों में भी ऐसा करना चाहते थे।

श्री नवदुर्गा नवरात्रि उत्सव समिति इसामिया बाजार में विश्व की सबसे बड़ी दुर्गा मूर्ति द्वारा राकेश जयसवाल पार्षद जामबाग को सम्मानित किया, इस अवसर पर गुलाब श्रीनिवास गंगापुत्र आयोजक उपस्थित थे।

कल जिले के शैक्षणिक संस्थानों में छुट्टी : जिला कलेक्टर

आसिफाबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने एक बयान में कहा कि इस महीने की 17 तारीख को कोमुराम भीम की 84वीं पुण्यतिथि के अवसर पर जिले के सार्वजनिक और निजी स्कूलों और कॉलेजों के लिए छुट्टी घोषित की गई है।

उन्होंने कहा कि जिले के सार्वजनिक एवं निजी शिक्षण संस्थानों में इस माह की 17 तारीख को अवकाश रखा जाए तथा इसके स्थान पर 9 नवंबर को द्वितीय शनिवार को कार्य दिवस के रूप में रखा जाएगा।

हेड कांस्टेबल के साथ शराब के नशे में मारपीट

आदिलाबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को दशहरा उत्सव पर छुट्टी लेने को लेकर सिरिकोंडा पुलिस थाने में एक हेड कांस्टेबल और होमगार्ड के बीच शराब के नशे में हुई मारपीट की जांच शुरू कर दी गई है। एचोड़ा इंस्पेक्टर भीमेश ने बताया कि हेड कांस्टेबल और होमगार्ड के बीच हुए झगड़े की जांच शुरू कर दी गई है। होमगार्ड को एसपी कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि कांस्टेबल के खिलाफ जल्द ही विभागीय कार्रवाई की जाएगी। रविवार को शराब के नशे में धुत हेड कांस्टेबल और होमगार्ड ने थाने में एक-दूसरे को पीटा, जिससे पुलिस विभाग की बदनामी हुई। पता चला है कि दोनों ने थाने के परिसर में पार्टी भी की थी। होमगार्ड ने आरोप लगाया कि हेड कांस्टेबल और उसके साथियों ने उसके साथ मारपीट की है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रद्द हो सकता है बेंगलुरू टेस्ट

मौसम ने अचानक बदली करवट

बेंगलुरू, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम तीन मैच की टेस्ट सीरीज घरेलू सरजमीं पर खेलने के लिए तैयार है। तीन मैच की खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 16 अक्टूबर से खेला जाएगा। मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी मैदान पर खेला जाएगा। लेकिन पहला मैच बारिश के कारण प्रभावित हो सकता है। क्योंकि अगले पांच दिनों तक बेंगलुरु में बारिश होने की संभावना है। मुकाबला रद्द होने के भी आसार लग रहे हैं।

सोमवार 14 अक्टूबर को बेंगलुरु में बारिश हुई थी, जिसकी वजह से खिलाड़ियों को खुले मैदान की जगह इंडोर स्टेडियम में प्रैक्टिस करनी पड़ी। 16 से 20 अक्टूबर के बीच बेंगलुरु में बारिश होने की संभावना अधिक है, जिसकी वजह से खेल रद्द भी हो सकता है। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ भी कानपुर में खेले गए टेस्ट मैच में बारिश ने खलल पैदा की थी। लेकिन पहले और आखिरी दो दिन का खेल हुआ था और मैच का नतीजा भी निकला था।

ऐसा रहेगा मौसम का मिजाज

पहले दिन बारिश 100 फीसदी होने की संभावना है। दूसरे दिन भी कुछ स्थिति बेहतर नहीं है और 41 प्रतिशत बारिश होने की आशंका जताई गई है। तीसरे दिन बारिश की 67 फीसदी संभावना जताई गई है। वहीं आखिरी दो दिनों में 25 और 24 फीसदी बारिश होने की संभावना है। इस लिहाज से मैच रद्द होने के आसार लग रहे हैं।

भारत के लिए सीरीज अहम

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के लिहाज से भारत के लिए ये सीरीज काफी अहम है। भारतीय टीम सीरीज को 3-0 से अपने नाम कर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए रवाना होना चाहेगी। फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में भारतीय टीम 1 नंबर पर है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम की संभावित प्लेइंग इलेवन

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

बीसीसीआई ने अचानक लिया बड़ा फैसला

हटा दिया इम्पैक्ट प्लेयर का रूल

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईपीएल के पिछले सीजन के दौरान इम्पैक्ट प्लेयर का रूल काफी विवादों में रहा था. कई बड़े खिलाड़ियों ने इस नियम के खिलाफ बयान दिए थे. हालांकि इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में ये नियम जारी रहेगा. इसी बीच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक बड़ा फैसला लिया है. बीसीसीआई ने एक घरेलू टूर्नामेंट से इम्पैक्ट प्लेयर का रूल हटाने का फैसला लिया है. बता दें, ये वही टूर्नामेंट है जहां से बीसीसीआई ने इम्पैक्ट प्लेयर के रूल की शुरुआत की थी.

बीसीसीआई ने हटाया इम्पैक्ट प्लेयर का रूल

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटा दिया है. सैयद मुश्ताक अली की शुरुआत 23 नवंबर से होने जा रही है, जो 15 दिसंबर तक खेली जाएगी. बीसीसीआई ने राज्य संघ को एक संदेश के जरिए इम्पैक्ट प्लेयर नियम के फैसले की पुष्टि की है. बीसीसीआई ने कहा, 'कृपया ध्यान दें कि बीसीसीआई ने मौजूदा सीजन के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के प्रावधान को हटाने का फैसला किया है.' वहीं, हाल ही में बीसीसीआई ने आईपीएल फ्रेंचाइजियों को सूचित किया कि आईपीएल के आगामी सीजन के लिए इस नियम को बरकरार रखा जाएगा.

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से ही हुई थी नियम की शुरुआत

इम्पैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल सबसे पहले मुश्ताक अली ट्रॉफी में किया गया था. इसके बाद आईपीएल 2023 में इसकी एंट्री हुई थी. इस नियम के तहत मैच के दौरान प्लेइंग-11 में से किसी एक प्लेयर को बाहर कर, उसकी जगह नया खिलाड़ी शामिल किया जा सकता है. यानी एक टीम 12 खिलाड़ियों का इस्तेमाल कर सकती है. इम्पैक्ट प्लेयर नियम के मुताबिक, टॉस के बाद दोनों टीमों को अपने प्लेइंग इलेवन के अलावा इम्पैक्ट खिलाड़ियों का नाम देना होता है, जिनमें से एक का वह बतौर इम्पैक्ट प्लेयर इस्तेमाल करना चाहते हैं. यह खिलाड़ी मैच में किसी भी समय प्लेइंग 11 में किसी किसी भी खिलाड़ी की जगह शामिल हो सकता है.

इस नियम के चलते आईपीएल में भी कई हाई स्कोरिंग मैच खेलने को मिले थे, लेकिन ये नियम ऑलराउंडर्स से बिल्कुल भी मेल नहीं खाता. टीमें ऑलराउंड खिलाड़ियों की तुलना में विशेषज्ञ बल्लेबाजों और गेंदबाजों को प्राथमिकता देती हैं. जिसके चलते कई ऑलराउंडर्स ने इस नियम के खिलाफ अवाज उठाई थी. हालांकि आईपीएल में ये नियम अभी भी जारी रहेगा.

रोहित शर्मा ने खोल दी मोहम्मद शमी की पोल

कहा- ऑस्ट्रेलिया ले जाना मुश्किल

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाल ही में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को दोबारा चोट लगने की खबर सामने आई थी जिसे इस खिलाड़ी ने सिरे से नकार दिया था लेकिन अब टीम इंडिया के कप्तान ने ही शमी को गलत बता दिया है. आपको ये जानकर हैरानी होगी कि रोहित शर्मा ने बेंगलुरू में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मोहम्मद शमी का घुटना पूरी तरह ठीक नहीं हुआ है और उनकी चोट इतनी ज्यादा है कि इस खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ले जाना बेहद मुश्किल है.

रोहित शर्मा ने खोली शमी की पोल

रोहित शर्मा ने शमी की पोल खोलते हुए कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शमी पर फैसला लेना बेहद मुश्किल है. उन्हें एक और झटका लगा है और उनके घुटने में सूजन है. अब उन्हें दोबारा से शुरुआत करनी पड़ रही है. शमी एनसीए में डॉक्टर और फीजियो के साथ हैं. हम चोटिल शमी को ऑस्ट्रेलिया नहीं ले जाना चाहते.' रोहित शर्मा का ये बयान साबित करता है कि मोहम्मद शमी ने हाल ही में जिस रिपोर्ट का खंडन किया था वो कहीं ना कहीं सच है.

शमी ने क्या कहा था?

सोशल मीडिया पर जब शमी को दोबारा चोट लगने की खबर फैली थी तो इस गेंदबाज ने लिखा था कि इस तरह की बेबुनियाद अफवाहें क्यों फैलाई जा रही हैं.वो कड़ी मेहनत कर रहे हैं और ठीक होने के लिए बेस्ट कोशिश कर रहे हैं. शमी ने कहा कि बीसीसीआई और मैंने नहीं कहा है कि मैं बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से बाहर हूं. शमी ने फैंस से अपील की थी कि वो इस तरह की खबरों पर ध्यान ना दें. लेकिन सवाल ये है कि अगर वो खबर गलत थी तो रोहित शर्मा का ये बयान भी गलत है? क्या कप्तान अपने खिलाड़ी के बारे में झूठ बोल रहा है? अब इस खबर का जवाब शमी क्या देते हैं ये देखने वाली बात होगी.

शमी को कब लगी थी चोट

मोहम्मद शमी को वर्ल्ड कप 2023 के दौरान चोट लगी थी. वर्ल्ड कप फाइनल के बाद से शमी ने कोई मैच नहीं खेला है. उनकी सर्जरी भी हुई और अब जब उनके मैदान में वापस लौटने का समय आया तो ऐसी खबरें हैं कि वो दोबारा चोटिल हो गए हैं. शमी अगर ठीक हो जाते हैं तो टीम इंडिया के लिए इससे अच्छी बात नहीं है लेकिन अगर ये खिलाड़ी बाहर होता है तो भारतीय टीम के लिए ये निश्चित तौर पर चिंता का विषय है.

पाकिस्तान की कप्तान फूट-फूट कर रोने लगीं

न्यूजीलैंड के खिलाफ आंसुओं के साथ बहा सीने में दबा दर्द

शारजाह, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में फूट-फूट कर रोती नजर आईं. उनके आंखों से आंसू बहने जब शुरू हुए तो फिर रुकने का नाम ही नहीं ले रहे थे. आंसू थमते भी कैसे, सीने में एक दर्द को था. फातिमा सना का वो दर्द था पिता से जुदाई का. न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान की कप्तान मुकाबला खेलने उतर गईं थी, यही अपने आप में बड़ी बात थी. क्योंकि, इस मुकाबले के पहले उन्होंने अपने पिता को खोया था. यही वजह भी रही थी कि उन्होंने टूर्नामेंट में पिछला मुकाबला नहीं खेला था, क्योंकि उन्हें पाकिस्तान जाना पड़ा था. पिता के इंतकाल के बाद फातिमा सना जब न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला खेलने उतरीं तो राष्ट्रगाण की धुन सुनकर फूट-फूटकर रोने लगी. आखिर ये देश ही तो था जिसके खातिर वो अपने पिता के गुजरने के तुरंत बाद भी मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरी थीं. फातिमा सना ने बहुत कोशिश की कि वो अपने इमोशन पर कंट्रोल कर सकें. सीने में जो दर्द है उसे बाहर ना निकलने दें. लेकिन, एक बार जब आंसू बहने शुरू हुए तो फिर कुछ वक्त के लिए उनके बार-बार पोंछने पर भी वो बहते ही जा रहे थे.

दुबई के स्टेडियम से पाकिस्तान की कप्तान का रोने वाला वीडियो अब वायरल हो चुका है, जिसमें आप फातिमा को रोते हुए देख सकते हैं. गम का असर मैच में फातिमा सना के परफॉर्मेन्स पर भी पड़ा. गेंद से वो इतनी महंगी साबित हुईं कि अपने कोटे के पूरे 4 ओवर भी नहीं डाल सकी. फातिमा सना ने 2 ओवर में 17 रन दिए और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला. इतना ही नहीं मैच में वो एक के बाद एक कैच भी ड्रॉप करती दिखीं. हद तो तब हो गई जब उन्होंने एक ही ओवर में बैक टू बैक 2 कैच ड्रॉप कर दिए. इसके अलावा बल्ले से भी वो 21 रन से ज्यादा नहीं बना सकीं. कुल मिलाकर पिता के इंतकाल का दर्ज क्रिकेट के तीनों डिपार्टमेंट में फातिमा के परफॉर्मेन्स में नजर आया.

डेनमार्क ओपन में खोया फॉर्म हासिल करने उतरेंगे सिंधू-लक्ष्य

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से शुरू हो रहे 850000 डॉलर ईनामी राशि के डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के जरिये फॉर्म में वापसी की कोशिश करेंगे। दोनों खिलाड़ियों का पिछले सप्ताह फिनलैंड के वांता में हुए आर्कटिक ओपन में प्रदर्शन औसत रहा। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू पहले ही दौर में बाहर हो गई, जबकि 2021 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता सेन दूसरे दौर में हार गए।

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे सेन को चीनी ताइपे के चोउ तियेन चेन ने हराया था। अब यहां उनका सामना पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू से होगा जिनसे उनकी पहली ही टक्कर है। दूसरे दौर में वह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से टकरा सकते हैं। विश्व चैम्पियन थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न से क्वार्टर फाइनल में टक्कर हो सकती है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को अपने प्रदर्शन में काफी सुधार करना होगा जो पहले दौर में कनाडा की मिशेले ली से हार गई थी। नए कोच अनूप श्रीधर और कोरिया के ली ह्यून इल के मार्गदर्शन में वह पहले दौर में चीनी ताइपै की पेइ यू पो से खेलेंगी । दूसरे दौर में उनका चीन की हान युइ से सामना हो सकता है। महिला वर्ग में फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा भी उतरेंगी। चीन ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंची बंसोड का सामना पहले दौर में वियतनाम की एंगुयेन टी लिन्ह से होगा जबकि कश्यप की टक्कर थाईलैंड की सुपनिदा केटथोंग से होगी।

टीम इंडिया से रिटायर होने के 12 साल बाद भी नहीं बदले इरफान पठान

आखिरी ओवर में 12 रन बचाकर जिताया मैच

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। इरफान पठान को टीम इंडिया से रिटायर हुए 12 साल हो चुके हैं. उन्होंने 2012 में ही देश के लिए आखिरी मैच खेला था. लेकिन, ये देखकर अच्छा लगा कि रिटायरमेंट के 12 साल बाद भी उनकी क्लास और गेंदबाजी की आर्ट, दोनों जिंदा है. क्योंकि, अगर ऐसा नहीं होता तो फिर लेजेंड्स लीग क्रिकेट की पिच पर उनसे आखिरी ओवर में 12 रन डिफेंड भी नहीं हुए होते. इरफान ने आखिरी ओवर में ना सिर्फ वो रन बचाए बल्कि टीम को मैच भी जिताया. इतना ही नहीं जिस तरह से उन्होंने इस काम को अंजाम दिया, उसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया.

इरफान पठान का जवाब नहीं

कोणार्क सूर्या उड़ीसा और तोएम हैदराबाद के बीच 14 अक्टूबर की शाम खेले मुकाबले में क्या कुछ नहीं हुआ? इरफान पठान की कप्तानी वाली कोणार्क सूर्या टीम ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 5 विकेट पर 156 रन बनाए. इसमें इरफान ने बल्ले के साथ 35 गेंदों पर नाबाद 49 रन का योगदान दिया. वो अपनी टीम के सबसे सफल बल्लेबाज रहे. अब तोएम हैदराबाद के सामने 157 रन का लक्ष्य था, जिसका पीछा करते हुए वो जीत से बस एक रन दूर रह गए. लक्ष्य से उनके इस दूरी की वजह इरफान पठान रहे, जिन्होंने जीत की तमन्ना को पूरा नहीं होने दिया.

आखिरी ओवर में 12 रन बचाकर जिताया मैच

खेल जब आखिरी ओवर में पहुंचा तो मुकाबले की गंभीरता को समझते हुए बतौर कप्तान इरफान पठान ने खुद से गेंदबाजी करने का फैसला किया. इससे पहले मैच में इरफान ने एक भी ओवर नहीं फेंका था. वो पहला ओवर डालने जा रहे थे. उनके सामने 12 रन डिफेंड करने की चुनौती थी. पहली 2 गेंदों पर उन्होंने 3 रन दे दिए. इसके बाद इरफान के ओवर की तीसरी गेंद पर सिक्स लग गया और लगभग सभी ने ये मान लिया कि तोएम हैदराबाद ने अब मुकाबला जीत लिया. लेकिन, तभी इरफान ने कहानी में ट्विस्ट ला दिया.

अपनी अगली यानी ओवर की चौथी गेंद पर वो विकेट ले बैठे. अब आखिरी 2 गेंदों पर तोएम हैदराबाद को 3 रन बनाने थे. मैच अभी भी सामने वाली टीम की झोली में था. इरफान पठान को उसे वहां से निकालकर अपनी टीम को सौंपना था. इस काम को उन्होंने बखूबी अंजाम दिया. इरफान ने ऐसा ओवर की 5वीं गेंद पर सिंगल और फिर आखिरी गेंद पर कोई रन ना देकर किया. ऐसा करने के बाद तो जैसे उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा.

बुरी तरह फंसे एमबापे! रेप का लगा आरोप

स्टार फुटबॉलर ने तोड़ी चुप्पी

पेरिस, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एमबापे आज पूरी दुनिया में खास पहचान रखते हैं, जिस तरह से उन्होंने फीफा विश्व कप 2022 में शानदार खेल दिखाया उन्हें कोई भी फुटबॉल फैंस नहीं भूल सकता है। हालांकि कुछ दिन पहले स्टार खिलाड़ी पर रेप का आरोप लगा था। उनके ऊपर पुलिस के जांच होने की भी बातें सामने आई थीं। हालांकि अब खुद फ्रांसीसी स्टार खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर चुप्पी तोड़ी है।

किसने लगाया किलियन एमबापे पर आरोप?

स्वीडिश अखबार आफ़्टनब्लैडेट ने सबसे पहले रेप की शिकायत दर्ज होने की सूचना दी। लेकिन अखबार ने आरोपी का नाम नहीं बताया। बाद में स्वीडिश के ही दूसरे अखबार एक्सप्रेसएन ने रेप के मामले में 25 साल के एमबापे के होने की खबर चला दी। साथ में इस अखबार में ये भी दावा किया गया कि पुलिश इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। हालांकि अब खुद एमबापे ने इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है।

एमबापे ने पोस्ट साझा कर दी जानकारी

एमबापे के करीबियों ने आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने साफ कहा है कि इस बारे में उन्हें कोई भी जानकारी नहीं मिली है और न ही इस मामले को लेकर एमबापे के ऊपर कोई केस दर्ज कराया गया है। सोशल मीडिया पर स्टार फुटबॉलर ने भी इस खबर को फेक बताया।

बता दें कि एमबापे का इस समय पीएसजी के साथ विवाद चल रहा है। एमबापे ने दावा किया है कि क्लब ने उनका 55 मिलियन यूरो यानी 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर बकाया रखा है।

एमबापे के दोस्तों ने भी तोड़ी चुप्पी

रेप का आरोप लगने के बाद एमबापे के दोस्तों ने भी इस खबर का खंडन किया और इसे बकवास भी बताया। दोस्तों का मानना है कि ये आरोप एमबापे को बदनाम करने के लिए लगाए गए हैं। साथ में ये भी कहा गया है कि स्टार फुटबॉलर का पक्ष लेते हुए ये भी बताया गया है कि ये आरोप झूठे हैं और गैर जिम्मेदार हैं।

फिलहाल एमबापे पीएसजी के साथ 7 साल खेलने के बाद अब रियल मैड्रिड के लिए खेल रहे हैं। मौजूदा समय में एमबापे का शुमार फ्रांस के सबसे शानदार फुटबॉलरों में किया जाता है। उन्होंने फ्रांस के लिए साल 2018 में फीफा विश्व कप भी जीता था।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, टेस्ट सीरीज से बाहर हुआ बेन सियर्स, इंजरी के चलते नहीं आ रहा भारत

मुंबई, 15 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू हो, उससे पहले ही न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है. ये झटका उसे तेज गेंदबाज बेन सियर्स के सीरीज से बाहर होने के चलते लगा है. बेन सियर्स इंजरी के चलते इंडिया नहीं आ रहे. उनकी कोहुनी में चोट की शिकायत है. 26 साल के गेंदबाज को ये चोट श्रीलंका दौरे पर ट्रेनिंग के दौरान लगी थी.

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर बेन सियर्स

बाईं कोहुनी में दर्द की शिकायत के बाद पहले तो बेन सियर्स के भारत आने के कार्यक्रम को स्थगित किया गया था. फिर स्कैन में उनकी इंजरी की गंभीरता का पता चलने के बाद मेडिकल सलाह पर उन्हें भारत दौरे से दूर रखने का फैसला न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने किया है . बेन सियर्स की जगह अब जैकब डफी इंडिया आकर कीवी टीम को जॉइन करेंगे.

इसी साल बेन सियर्स ने किया था डेब्यू

बेन सियर्स ने न्यूजीलैंड के लिए इसी साल टेस्ट डेब्यू किया है. 26 साल के गेंदबाज ने अब तक अपना एकमात्र टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला, जिसमें उन्होंने 5 विकेट झटके थे. मार्च में खेले इस टेस्ट मैच के बाद बेन सियर्स श्रीलंका दौरे पर भी पिछले महीने टीम के साथ गए थे, पर वहां भी इंजरी के चलते वो नहीं खेल सके.

जैकब डफी लेंगे बेन सियर्स की जगह

बेन सियर्स के बाहर होने के बाद अब न्यूजीलैंड की टीम में उनकी जगह जैकब डफी लेंगे, जिनके नाम पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 299 विकेट हैं.

घरेलू क्रिकेट में वो ओटागो के ऑल टाइम लीडिंग विकेट टेकर हैं. उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 6 वनडे और 14 T20 इंटरनेशनल खेले हैं. टेस्ट क्रिकेट में अभी उनका डेब्यू करना बाकी है.

क्या केन विलियमसन भी होंगे बाहर?

न्यूजीलैंड के लिए समस्या अब और बढ़ सकती हैं अगर केन विलियमसन भी इंडिया नहीं आते हैं. फिलहाल, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है.

कहा बस ये गया है कि वो इंजरी की वजह से पहले टेस्ट से बाहर रहेंगे. विलियमसन को भी श्रीलंका में ही चोट लगी थी, जिसके बाद वो अभी न्यूजीलैंड में ही रिहैब कर रहे हैं. भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेल रही कीवी टीम में केन विलियमसन का भी नाम शामिल है.

रक्षा मंत्री ने रखी वीएलएफ स्टेशन की आधारशिला

विकाराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विकाराबाद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज वीएलएफ स्टेशन की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि बदलते परिदृश्य और तकनीक के मोर्चे पर आए दिन मिल रही चुनौतियों को देखते हुए नौसेना समेत तमाम सुरक्षाबलों को अत्याधुनिक संचार तकनीक से लैस किया जाना समय की मांग है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौर में देश की जनता के साथ-साथ सभी लोगों ने तकनीक की अहमियत का एहसास किया।

संचार में उन्नत तकनीक की भूमिका बढ़ी :

विकाराबाद में वीएलएफ स्टेशन के शिलान्यास समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहले जो चीजें सिर्फ कल्पना का हिस्सा लगती थीं, वो अब हकीकत बन गई हैं। यह संचार के कारण ही संभव हो पाया है... संचार के इतिहास में, अभी जो प्रगति हुई है वो बहुत ज्यादा है। संचार में उन्नत तकनीक की भूमिका अब काफी बढ़ गई है।

देश की सैन्य क्षमताओं को विस्तार मिलेगा :

वेरी लो फ्रीक्वेंसी (वीएलएफ) स्टेशन के शिलान्यास के मौके पर रक्षा मंत्री ने कांग्रेस नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विशेष योगदान को रेखांकित करते हुए उनकी सराहना भी की। उन्होंने विकास कार्यों का समर्थन करने के लिए राज्य सरकार का आभार प्रकट किया और कहा कि विकाराबाद में बन रहे इस केंद्र के पूरी तरह चालू हो जाने के बाद हमारी सैन्य क्षमताओं को विस्तार मिलेगा। इससे सशस्त्र बलों को भी काफी मजबूती मिलेगी।

प्रभावी संचार के दृष्टिकोण से वीएलएफ विकाराबाद जैसे केंद्र की अहमियत बढ़ी :

रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना के लिए वीएलएफ स्टेशन कई तरह से फायदेमंद साबित होगा। रणनीतिक अहमियत के कारण यह सैन्य केंद्र राष्ट्रीय महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि सामान्य परिस्थितियों के अलावा असाधारण हालात में भी किसी भी सैन्य कमांड सेंटर का समुचित क्रियान्वयन अहम है। उससे जुड़े सभी लोगों के बीच सूचना बिना किसी रुकावट के पहुंचनी चाहिए, जिससे समय रहते कार्रवाई की जा सके। ऐसे में संचार के दृष्टिकोण से वीएलएफ विकाराबाद जैसे केंद्र की अहमियत बढ़ जाती है।

रडार स्टेशन में स्थानीय लोगों को दिया जाए प्रवेश : सीएम

रडार स्टेशन परियोजना का सीएम ने किया समर्थन

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से विकाराबाद जिले के पुदुर मंडल के दामागुंडम जंगल में बन रहे कम आवृत्ति वाले नौसेना रडार स्टेशन में स्थानीय लोगों को प्रवेश की अनुमति देने का आग्रह किया है, क्योंकि जंगल के अंदर स्थित रामलिंगेश्वर मंदिर का भावनात्मक महत्व है।

राजनाथ सिंह ने मंगलवार को वीएलएस परियोजना के लिए आधारशिला रखी और कगना नदी के जलग्रहण क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 2,900 एकड़ जंगल के चारों ओर एक कम्पाउंड दीवार का निर्माण किया जाएगा।

रेवंत ने रक्षा मंत्री से यह भी आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि वहां खुलने वाले शैक्षणिक संस्थानों में एक तिहाई प्रवेश उसी क्षेत्र के स्थानीय छात्रों को दिया जाए।

मुख्य विपक्षी दल बीआरएस सहित परियोजना का विरोध करने वालों को दिए संदेश में रेवंत ने कहा कि अगर देश है, तो हम हैं। तभी हम पर्यावरण के बारे में चर्चा कर सकते हैं। मैं भगवान शिव से प्रार्थना करता हूं कि वे उन्हें समझाएं।

उन्होंने कहा कि किसी को भी इस क्षेत्र (राष्ट्रीय सुरक्षा) में राजनीति करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। हैदराबाद रक्षा के लिए एक जगह है। राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि लोग कहीं और भी राजनीति कर सकते हैं और उनकी अपनी विचारधाराएं हो सकती हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि रक्षा परियोजना के लिए सभी लोग एक साथ आएं।

सीडब्ल्यूसी बैठक के लिए सीएम रेवंत रेड्डी जाएंगे नई दिल्ली

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी गुरुवार को कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में भाग लेने के लिए बुधवार को फिर से नई दिल्ली जाएंगे। कांग्रेस आलाकमान के नेताओं के साथ हरियाणा के नतीजों, महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी चुनावों की तैयारियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद है। तेलंगाना के नेताओं के बीच अटकलें हैं कि बैठक के बाद मुख्यमंत्री कैबिनेट विस्तार और मनोनीत पदों को भरने पर चर्चा करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि मौसम को देखते हुए उनके दौरे को लेकर अभी भी कोई स्पष्टता नहीं है।

मंत्रिमंडल विस्तार की बात लंबे समय से अटकी हुई है और मंत्रिमंडल में जगह पाने की उम्मीद रखने वालों में कुछ बेचैनी है। मंत्रिमंडल विस्तार हरियाणा चुनाव से पहले पूरा होना था, लेकिन आलाकमान ने चुनाव के बाद इस मुद्दे पर चर्चा करना पसंद किया। यह बात मुख्यमंत्री को उस समय बता दी गई थी, जब वे 1 अक्टूबर को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल से मिलने के लिए नई दिल्ली गए थे।

बैग में मिला लापता बच्ची का शव

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार से लापता 7 वर्षीय बच्ची का शव मंगलवार को मेडचल के गुंडलापोचंपल्ली में एक बैग में मिला। लड़की का परिवार करीब 7 महीने पहले काम की तलाश में आदिलाबाद से शहर आया था और सुराम में रहता था। उसके माता-पिता निर्माण मजदूर हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि लड़की 12 अक्टूबर को लापता हो गई थी और परिवार ने सुराम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मामला दर्ज कर जांच की गई। पुलिस टीमें तलाश कर रही थीं, तभी स्थानीय लोगों को गुंडलापोचमपल्ली के बसारागडी में एक बैग में उसका शव मिला। सूचना मिलने पर मेडचल से पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। गुमशुदगी के मामले की जांच कर रही सुराराम पुलिस भी मौके पर पहुंची। घटनास्थल की ओर जाने वाली सड़कों पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि यौन उत्पीड़न समेत सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

कोंडा विश्वेश्वर, जी किशन रेड्डी ने की 'बाधाओं' की निंदा

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी और भाजपा सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने मंगलवार को तेलंगाना के विकाराबाद जिले में भारतीय नौसेना के रडार स्टेशन के निर्माण में बाधा डालने और आपत्ति जताने के लिए कार्यकर्ताओं और विपक्षी नेताओं की आलोचना की। कोंडा विश्वेश्वर ने परियोजना के खिलाफ कार्यकर्ताओं की आलोचना की और दावा किया कि नौसेना रडार प्रणाली पर्यावरण को बेहतर बनाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि निहित स्वार्थ वाले कार्यकर्ता रडार स्टेशन पर झूठा प्रचार कर रहे हैं, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे जंगल के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को कोई हानिकारक विकिरण नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि देश को जल्द ही दो नई परमाणु पनडुब्बियां मिलने वाली हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा रडार स्टेशन बहुत जरूरी है, ताकि आस्ट्रेलिया और अफ्रीका तक सिग्नल भेजे जा सकें। उन्होंने कहा कि राडार स्टेशन से सिग्नल मित्र देशों को भेजे जा सकेंगे, जो उनके अनुसार विश्व शांति बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

जल प्रदूषण से हुई मौतों के मामले में 3 अधिकारी निलंबित

2 व्यक्तियों की हो चुकी है मौत

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने संगारेड्डी जिले के नारायणखेड़ मंडल के संजीवरावपेट में दूषित पानी पीने से कथित तौर पर दो व्यक्तियों की मौत के बाद 3 अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। निलंबित अधिकारियों में मिशन भागीरथ के नारायणखेड़ ग्रिड के सहायक कार्यकारी अभियंता डी रवि कुमार, इंट्रा एईई बी श्रीकांत और संजीवनरावपेट के ग्राम सचिव नागा लक्ष्मी शामिल हैं।

घटना के बाद मिशन भागीरथ के अधीक्षण अभियंता (एसई) रघुवीर ने कहा कि सरकार ने घटना को गंभीरता से लिया है और व्यापक जांच के आदेश दिए हैं। जांच के बाद जिला कलेक्टर वल्लूरु क्रांति को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। रिपोर्टों के अनुसार, पानी की आपूर्ति अभी तक बहाल नहीं हुई है और पिछले तीन दिनों से टैंकरों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

12 अक्टूबर को गांव में दो बोरवेल की मोटरें खराब हो गई थीं, जिससे निवासियों को पीने के लिए खुले कुएं के पानी पर निर्भर रहना पड़ा।

इसके बाद कई ग्रामीणों को उल्टी और दस्त की समस्या हुई। बाद में दो व्यक्तियों बोडा महेश 24, और बैकाडी सायम्मा 87 की कथित तौर पर दूषित पानी पीने के कारण मृत्यु हो गई, जबकि जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वर्तमान में मौत का सही कारण जानने के लिए मामले की जांच कर रहे हैं।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि रेवंत रेड्डी राज्यव्यापी वितरण के लिए कृष्णा और गोदावरी नदी के पानी के शुद्धिकरण का प्रबंधन करने में विफल हो रहे हैं। केटीआर ने राज्य सरकार से मृतकों के परिवारों को सहायता प्रदान करने, उपचार प्राप्त कर रहे लोगों को पर्याप्त सहायता प्रदान करने तथा तेलंगाना में भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया।

कोत्तागुडेम में देखे गए तेंदुए के पैरों के निशान

किसानों में दहशत का माहौल

कोत्तागुडेम, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के जुलुरपाड़ मंडल में एक तेंदुए के पैरों के निशान देखे जाने से किसानों में दहशत फैल गई है। तेंदुए ने मंडल के सुराराम गांव में मिर्च के खेत में एक किसान के कुत्ते को मार डाला और उसे घसीटकर पास के जंगल में ले गया। स्थानीय एफआरओ प्रसाद राव और कर्मचारियों ने राजुपालम क्षेत्र के अंतर्गत घटनास्थल का दौरा किया, पैरों के निशानों का माप लिया और पुष्टि की कि यह एक तेंदुआ था। वन अधिकारियों ने जुलुरपाड़, तलडा और एनकूर मंडलों के किसानों और निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि यह जीव भोजन की तलाश में मानव बस्तियों में घुस रहा है। किसानों से कहा गया कि वे खेतों पर जाते समय लाठी साथ रखें और रात में अकेले न जाएं।

महिला इंजीनियर के साथ गैंगरेप

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार तड़के गाच्चीबोवली में एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी को कथित तौर पर चाकू की नोंक पर धमकाया गया और ऑटो रिक्शा में दो लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया। यह घटना सुबह करीब 2.30 बजे घटी, जब पीड़िता अपनी शिफ्ट पूरी कर घर लौट रही थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला अपने घर जाने के लिए आरसी पुरम से ऑटो रिक्शा में सवार हुई। जब ऑटो मस्जिद बंदा इलाके में पहुंचा, तो बीच रास्ते में एक अज्ञात युवक ऑटो में चढ़ गया। इसके बाद, ऑटो चालक और युवक दोनों ने चाकू की नोक पर उसका यौन उत्पीड़न किया और फिर उसे उसी स्थान पर छोड़ दिया। उसकी शिकायत के बाद, गच्चीबोवली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। संदिग्धों की जल्द से जल्द पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। आस-पास के इलाकों में लगे निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है। पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेजा गया।

मेदक कांग्रेस कमेटी की समीक्षा बैठक संपन्न

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिला कांग्रेस पार्टी की समीक्षा बैठक गांधी भवन में हुई। टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक में एआईसीसी महासचिव दीपा दास मुंशी, मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, पोन्नम प्रभाकर, एआईसीसी सचिव विश्वनाथन, विधायक रोहित राव, आईसीसी अध्यक्ष निर्मला जग्गरेड्डी, डीसीसी अध्यक्ष, सांसद और विधायक उम्मीदवार और वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया।

गुरुकुल मामले में कार्रवाई करें कलेक्टर : पोन्नम

पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने बताई भवन मालिकों की गलती

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे उन लोगों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई शुरू करें, जिन्होंने किराए के भुगतान में देरी के विरोध में विभिन्न स्थानों पर गुरुकुलों के द्वार बंद कर दिए थे। दशहरा की छुट्टियों के बाद राज्य भर में गुरुकुल और कॉलेज खुल गए। हालांकि, कुछ जगहों पर भवन मालिकों ने सरकार से बकाया किराया चुकाने की मांग करते हुए गेट बंद कर दिए।

मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने भवन मालिकों की गलती बताई।

उन्होंने कहा कि करीब 70 फीसदी गुरुकुल और कॉलेज किराए के भवनों में चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बकाया किराया लंबे समय से बकाया था और यह पिछले 10 महीनों का नहीं है। किराए के भुगतान में देरी के बारे में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से पहले ही चर्चा हो चुकी है। मंत्री ने कहा कि भवन मालिक निहित स्वार्थी समूहों के अभियानों से प्रभावित न हों तथा उन्होंने उनसे गेट पर लगे पोस्टर हटाने को कहा। उन्होंने कहा कि अगर स्कूल और कॉलेज के कामकाज में बाधा डालने की कोई कोशिश की गई तो कानून के मुताबिक कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि तीन दिन पहले ही बकाया और मेस शुल्क का भुगतान कर दिया गया है।

बी.सी. छात्रों को धनराशि जारी करे सरकार : हरीश

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने राज्य सरकार की उदासीनता पर चिंता जताई और 65 बीसी छात्रों को धनराशि जारी करने में देरी पर सवाल उठाया, जिन्हें पिछली बीआरएस सरकार द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले बीसी ओवरसीज विद्या निधि योजना के तहत वित्तीय सहायता मंजूर की गई थी। एक बयान में हरीश राव ने पूछा कि क्या कांग्रेस सरकार पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा परिकल्पित ओवरसीज फेलोशिप योजना को बंद करने और तेलंगाना में उनकी विरासत को मिटाने की योजना बना रही है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर सवालों की बौछार करते हुए कहा कि नाम और प्रतिमाएं बदलना आसान है, लेकिन वादे निभाना बहुत मुश्किल है। क्या कांग्रेस को कामारेड्डी में की गई बीसी घोषणा याद है? अपने पहले विधानसभा सत्र में बीसी उप-योजना के उनके बड़े वादे का क्या हुआ?

तेलंगाना के मंत्रियों को नियुक्त किया गया कांग्रेस पर्यवेक्षक

महाराष्ट्र, झारखंड चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा मंगलवार को की गई घोषणा के अनुसार, तेलंगाना के कैबिनेट मंत्रियों को महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए प्रमुख पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने महाराष्ट्र के पांच प्रभागों की देखरेख के लिए 11 नेताओं को नामित किया है, जिनमें तेलंगाना से उल्लेखनीय नाम शामिल हैं : सीतक्का और उत्तम कुमार रेड्डी, दोनों मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। झारखंड में वरिष्ठ नेताओं अधीर रंजन चौधरी और तारिक अनवर के साथ उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क को नियुक्त किया गया है। महाराष्ट्र विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है, जबकि झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी, 2025 को समाप्त होगा।

गडकरी ने की बाईपास सड़क की घोषणा

516 करोड़ आएगी लागत

नलगोंडा में यातायात को बनाया जाएगा आसान

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नलगोंडा में लगातार यातायात की भीड़भाड़ को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचा परियोजना का अनावरण किया है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 565 के साथ 14 किलोमीटर लंबी, चार लेन वाली बाईपास सड़क के निर्माण के लिए 516 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जो नकरेकल को नागार्जुन सागर से जोड़ती है। इस पहल से क्षेत्र में यात्रा की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

नया बाईपास विशेष रूप से नलगोंडा शहर में वर्तमान में अनुभव किए जाने वाले भारी यातायात को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जहां मिश्रित यातायात पैटर्न के कारण भीड़भाड़ एक बड़ी समस्या बन गई है। गडकरी ने इस बात पर जोर दिया कि इस परियोजना से न केवल सड़क सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि नकरेकल और नागार्जुन सागर के बीच सुगम और अधिक कुशल यात्रा भी संभव होगी, जिससे स्थानीय यात्रियों और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था दोनों को लाभ होगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग 565 आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क के रूप में कार्य करता है, जो नलगोंडा, माचेरला, एर्रागोंडापलेम और कनिगिरी जैसे प्रमुख स्थानों से होकर गुजरता है। इस बाईपास के निर्माण से इन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे शहरी यातायात में फंसने के बिना वाहनों का आवागमन आसान हो जाएगा।

राज्य के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने धनराशि के लिए आभार व्यक्त किया तथा बताया कि इस बाईपास के निर्माण के लिए लंबे समय से अनुरोध किया जा रहा था।

नर्सिंग ऑफिसर पदों के लिए बढ़ाई गई आवेदन की तिथि

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड (टीएसएमएचएसआरबी) ने मंगलवार को एक अधिसूचना जारी कर नर्सिंग अधिकारी (स्टाफ नर्स) के पदों के लिए भरे हुए ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 14 अक्टूबर से बढ़ाकर 19 अक्टूबर शाम 5 बजे तक कर दी है।

आवेदन केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे और आवेदक 21 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे से 22 अक्टूबर को शाम 5 बजे के बीच अपने आवेदन को संपादित कर सकते हैं। नर्सिंग अधिकारियों के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा की तिथि 17 नवंबर है।

पिछले शुक्रवार को टीएसएमएचएसआरबी ने निदेशक, बीमा चिकित्सा सेवाओं के प्रशासनिक नियंत्रण में स्टाफ नर्स के 272 अतिरिक्त पदों को जोड़ने की अधिसूचना जारी की थी। बोर्ड ने 9 सितंबर को नर्सिंग ऑफिसर (स्टाफ नर्स) के 2050 पदों के लिए अधिसूचना जारी की थी और नवीनतम अधिसूचना के साथ नर्सिंग ऑफिसर के कुल पदों की संख्या 2,322 हो गई है।

टीजेयूडीए, आईएमए ने 12 घंटे का रखा उपवास

हैदराबाद, 15 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) और इंडिया मेडिकल एसोसिएशन-तेलंगाना (आईएमए) के सदस्यों ने मंगलवार को आरजी कर बलात्कार और हत्या पीड़िता के साथ एकजुटता दिखाने के लिए 12 घंटे का उपवास शुरू किया। सुबह 6 बजे से शुरू हुआ यह उपवास शाम 6 बजे तक चला। यह पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फेडरेशन के साथ एकजुटता दर्शाने के लिए भी किया जा रहा है। 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के विरोध में डब्ल्यूबीजेडीएफ के सदस्य पिछले 10 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि डॉ. अभया के क्रूर बलात्कार और हत्या के बाद न्याय और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए लड़ रहे डब्ल्यूबीजेडीएफ सदस्यों द्वारा 66 दिनों के विरोध प्रदर्शन और 7 दिनों की अनवरत भूख हड़ताल के बाद हुए हालिया घटनाक्रमों और डॉ. अभया के लिए न्याय में तेजी लाने के लिए डब्ल्यूबीजेडीएफ द्वारा किए जा रहे 'आमरण अनशन' को समर्थन देने के लिए डब्ल्यूबीजेडीएफ, एफएआईएमए और आईएमए द्वारा सभी रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशनों को लिखे गए खुले पत्र के आलोक में।

टीजेयूडीए ने केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों से इस मामले में तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया और भारत के मुख्य न्यायाधीश और राष्ट्रीय टास्क फोर्स (एनटीएफ) के सदस्यों से एनटीएफ दिशानिर्देशों की स्थिति जारी करने का अनुरोध किया, क्योंकि की गई कार्रवाई देश भर में चिकित्सा बिरादरी की मांगों और चिंताओं को संतोषजनक ढंग से संबोधित नहीं कर रही है।

आईएमए-तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ. के अशोक रेड्डी ने कहा कि आज का उपवास पश्चिम बंगाल में डॉक्टरों के साथ एकजुटता में मनाया जा रहा है। हम पश्चिम बंगाल सरकार से डॉक्टरों की मांगों को स्वीकार करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं। अगर आरजी कर मेडिकल कॉलेज जैसी घटनाएं फिर से होती हैं तो देश बर्बाद हो जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.